अब हर रोज दर्पण
3

जबलपुर मंगलवार 08 सितंबर 2026 > शक संवत 1948, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, द्वादशी

वर्ष 32 अंक 71 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 29.4°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C
सूर्योदय - 5.55 | सूर्यास्त - 6.21

मप्र में निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी सरकार: डॉ. यादव

दुबई में एआईएम कांग्रेस-2026 के मंच से मुख्यमंत्री का वैश्विक निवेशकों को मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को दुबई वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में दुनिया भर के निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है और मजबूत कनेक्टिविटी, विकसित औद्योगिक आधार तथा निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण तेजी से देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेशकों को हर स्तर पर पूरा सहयोग मिलेगा और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआईएम कांग्रेस-2026 के आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह मंच पारंपरिक निवेश से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार, आर्थिक साझेदारी और नए अवसरों का सशक्त मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक परिस्थितियां, आपूर्ति श्रृंखलाओं में

बदलाव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हरित विकास आज निवेश की दिशा को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में सतत और समावेशी भविष्य के लिए वैश्विक समृद्धि के नए निवेश मार्ग इस आयोजन की थीम बेहद प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में उन्हें हर स्तर पर पूर्ण प्रशासनिक सहयोग और व्यक्तिगत प्रतिबद्धता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आपकी फाइलें सरकारी दफ्तरों की डेस्क पर इंतजार नहीं करेंगी, सरकार स्वयं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने यूएई और दुनिया भर के निवेशकों को खाद्य प्रसंस्करण एवं एग्री-बिजनेस, टेक्सटाइल एवं गारमेंट्स, फार्मास्युटिकल्स, इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग, नवीकरणीय ऊर्जा तथा डिजिटल अवसंरचना, डेटा सेंटर और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया।

भारत-यूएई संबंधों को नई आर्थिक ऊर्जा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध आज अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूएई के शीर्ष नेतृत्व के बीच बने गहरे विश्वास ने दोनों देशों के संबंधों को नई रणनीतिक और आर्थिक ऊर्जा दी है। वर्ष 2022 में लागू व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते सीईपीए ने व्यापार, निवेश, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल सहयोग के लिए नए अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार 100 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर चुका है और वर्ष 2032 तक इसे 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। सरकार निवेशकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी।

कृषि और फूड प्रोसेसिंग में बड़ी संभावना

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और यूएई की अर्थव्यवस्थाओं में अनेक समानताएं हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश यूएई और पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए विश्वसनीय और दीर्घकालिक आपूर्ति साझेदार बन सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के प्रमुख कृषि राज्यों में शामिल है। सोयाबीन, गेहूं, दालों, मक्का, मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के साथ प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यूएई अपनी खाद्य जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। ऐसे में मध्यप्रदेश के लिए खाड़ी क्षेत्र एक बड़ा और स्थायी बाजार बन सकता है।

चंदेरी से वैश्विक टेक्सटाइल वैल्यू चेन तक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की समृद्ध वस्त्र परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि चंदेरी और महेश्वरी जैसी पारंपरिक पहचान को आधुनिक टेक्सटाइल पार्क और गारमेंट निर्माण से जोड़ा जा रहा है। प्रदेश का लक्ष्य वैश्विक टेक्सटाइल वैल्यू चेन में महत्वपूर्ण स्थान बनाना है। उन्होंने कहा कि फार्मास्युटिकल्स, इंजीनियरिंग और उन्नत विनिर्माण के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीथमपुर, मंडीदीप और मालनपुर जैसे औद्योगिक केंद्र ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और हाईटेक विनिर्माण के मजबूत आधार बन चुके हैं। ऑप्टिकल फाइबर और उन्नत विनिर्माण इकाइयों की स्थापना से मध्यप्रदेश की औद्योगिक क्षमता और मजबूत हुई है।

अफ्रीका-यूरोप तक मध्यप्रदेश की पहुंच

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यूएई केवल मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ा बाजार नहीं है, बल्कि मध्य-पूर्व, अफ्रीका और यूरोप तक पहुंचने का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार भी है। वहीं मध्यप्रदेश भौगोलिक रूप से भारत के विशाल घरेलू बाजार के केंद्र में स्थित है। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारा, विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, विकसित औद्योगिक क्षेत्र और बहु-माध्यम लॉजिस्टिक्स प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने अरब संसद के अध्यक्ष मोहम्मद अहमद अल यामाही से मुलाकात कर अरब देशों और मध्यप्रदेश के बीच व्यापार, निवेश, कृषि, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की।

मध्यप्रदेश पवेलियन का उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई प्रवास के दूसरे दिन एआईएम कांग्रेस-2026 में स्थापित मध्यप्रदेश पवेलियन का उद्घाटन किया और उपस्थित निवेशकों से चर्चा की। मध्यप्रदेश पवेलियन में प्रदेश की निवेश एवं व्यापार संभावनाओं, औद्योगिक अधोसंरचना, निवेश-अनुकूल नीतियों और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रदर्शित किया गया है। इससे वैश्विक निवेशकों, सॉवरेन फंड्स, मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन, व्यापार संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों को प्रदेश में निवेश संभावनाओं की जानकारी मिलेगी। पवेलियन के माध्यम से मध्यप्रदेश को द लैंड ऑफ इनफिनिट पॉसिबिलिटी के रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है।

सियासी दबंगई पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली

महाराष्ट्र में डॉक्टरों के साथ कथित मारपीट और राजनीतिक दबाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने राज्य सरकार से कहा कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले राजनीतिक लोगों को तुरंत हिरासत में लिया जाए। यह टिप्पणी पालघर के रिलीफ अस्पताल में हुई घटना के एक दिन बाद आई, जहां दही हांडी के दौरान घायल हुए गोविंदाओं के इलाज और उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने को लेकर विवाद हुआ था। इस मामले में शिवसेना से जुड़े पदाधिकारियों समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों की कथित पिटाई की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई। अदालत ने साफ संदेश दिया कि डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों पर हमला करने वालों को खुले में नहीं घूमने दिया जाना चाहिए। अदालत की सख्ती ऐसे समय आई है जब पालघर के अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ कथित बदसलूकी और मारपीट का मामला सामने आया है। इससे महाराष्ट्र में डॉक्टरों की सुरक्षा और अस्पतालों में राजनीतिक दबाव को लेकर सवाल फिर उठे हैं। यह पूरा मामला दही हांडी कार्यक्रम में घायल हुए गोविंदाओं के इलाज से जुड़ा है। शनिवार रात मानव पिरामिड बनाते समय पांच गोविंदा घायल हुए थे। उन्हें पालघर के

डाक्टरों से मारपीट मामलों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

रिलीफ अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। इनमें से एक घायल को सिर और रीढ़ की चोट बताई गई थी। डॉक्टरों ने उसकी हालत को देखते हुए सीटी स्कैन और आगे के इलाज की सलाह दी। इसी दौरान इलाज, जांच और अस्पताल से डिस्चार्ज को लेकर विवाद शुरू हुआ। मामला दर्ज होने के बावजूद उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। इसी बीच सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी ने डॉक्टरों पर हमले के मामलों में राजनीतिक रसूख के इस्तेमाल को लेकर बड़ा संदेश दिया है।

शुद्धिकरण पर कांग्रेस आक्रोशित

नई दिल्ली (वार्ता) कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हल्द्वानी में हुई सभा के बाद कथित तौर पर कार्यक्रम स्थल के शुद्धिकरण को लेकर कांग्रेस में आक्रोश है तथा पार्टी के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के सांसदों एवं वरिष्ठ नेताओं ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया है। इंदिरा भवन में सोमवार को कांग्रेस के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के 32 सांसदों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। करीब तीन घंटे चली बैठक में सांसद मल्लू रवि, कांग्रेस महासचिव के. राजू, कांग्रेस अनुसूचित विभाग के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम समेत कई नेता शामिल हुए।

ग्रामीण उपभोक्ता 25 दिन में कर सकेंगे रसोई गैस की बुकिंग

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए गैस सिलिंडर की दोबारा बुकिंग के लिए निर्धारित न्यूनतम अंतराल को घटाकर 25 दिन कर दिया है। इस फैसले के साथ अब ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी रिफिल बुकिंग का नियम समान हो गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस एवं पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को कहा कि देश में एलपीजी आपूर्ति की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार और लंबित रिफिल बुकिंग में भारी कमी आने के बाद सरकार ने पहले से लागू प्रतिबंधों में ढील देने का निर्णय लिया है।

एक्सप्रेस-वे पर पलटी पिकअप, 12 की मौत

बागपत

यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 6 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे

किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ। सीएम योगी ने हादसे में जनहानि पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित गोगामेड़ी (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं।

रडार से हेलीकॉप्टर तक की खरीद

1.10 लाख करोड़ के रक्षा सौदों से तीनों सेनाओं की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सोमवार को रक्षा बलों के लिए करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न सैन्य उपकरणों और प्रणालियों की खरीद के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) दी गई। कुल मंजूर प्रस्तावों में करीब 98 फीसदी खरीद भारतीय उद्योग से की जाएगी। थलसेना के लिए रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु (सीबीआरएन) टोही वाहन, हाई मोबिलिटी वाहन, स्वचालित यांत्रिक माइन लेयर, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच), ट्रॉल टैंक और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम की खरीद को मंजूरी दी गई है। सीबीआरएन टोही वाहन दूषित इलाकों में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु एजेंटों का पता लगाने, उनकी पहचान करने, निगरानी

और ऐसे क्षेत्रों को चिह्नित करने में सक्षम होंगे। नौसेना के लिए अरुध्रा रडार की खरीद और मरीन गैस टर्बाइन के डिजाइन, विकास तथा बाद में खरीद को मंजूरी मिली है। अरुध्रा रडार नौसेना के विभिन्न हवाई स्टेशनों पर मौजूदा एयर रूट सर्विलांस रडार की जगह लगाए जाएंगे। वहीं, मरीन गैस टर्बाइन युद्धपोतों की प्रणोदन प्रणाली है। इसके विकास से विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। वायुसेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलिकॉप्टरों की युद्ध क्षमता बढ़ाने से जुड़े कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर और डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड प्रणाली की खरीद व स्थापना को भी स्वीकृति मिली। ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर दुश्मन के रडार को प्रभावी तरीके से जाम करने में सक्षम होगा। वहीं, डिफेंस फोर्सेज सिक्योर एक्सेस कार्ड मौजूदा कागजी पहचान पत्र, पास और परमिट की जगह रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान आधारित स्मार्ट कार्ड प्रणाली लागू करेगा।

स्पेस एजेंसी सरकारी संस्था ही है निजीकरण नहीं हुआ: वी. नारायणन

बेंगलुरु। इसरो चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी सरकारी संस्था है और इसका निजीकरण नहीं हुआ है। उन्होंने इसरो के कर्मचारियों की चिंताओं को जायज बताते हुए कहा कि उनका समाधान किया जाएगा। नारायणन बेंगलुरु स्पेस एक्सपो के 9वें सीजन के उद्घाटन समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में अंतरिक्ष क्षेत्र और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाने के लिए इसरो प्राइवेट कंपनियों और स्टार्टअप्स के साथ काम कर रहा है।नारायणन का बयान इसरो की 9 कर्मचारी संगठनों के 4 सितंबर को भेजे गए पत्र के बाद आया। संगठनों ने इसरोके मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को प्राइवेट संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर जवाब मांगा था। हम सरकारी निवेश के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब हमारे सामने कई तरह के काम हैं। देश में स्पेस इकोसिस्टम और स्पेस इकोनॉमी को बढ़ाना जरूरी है। करीब 6 साल पहले स्पेस सेक्टर में सुधार लागू किए गए थे। उनके मुताबिक, इन सुधारों के तहत इसरो को प्राइवेट सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों को सहयोग देना और देश के स्पेस इकोसिस्टम को बढ़ाना है।

शराब में मिली मेथेनॉल ने ली 22 जानें

सागर

सागर जिले के बंडा क्षेत्र के गांवों में नकली और जहरीली शराब पीने से मौतों का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। अब तक 22 लोगों की मौत का दावा किया जा रहा है। करीब 109 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। इस बीच शराब में मेथेनॉल की मिलावट की पुष्टि हुई है। बताया जा रहा है कि अधिक मुनाफा कमाने के लालच में शराब में मेथेनॉल मिलाया गया। लोगों का हाल जानने पहुंचे मध्य प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री और सागर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. राजेंद्र शुक्ल ने भी मेथेनॉल मिलावट की बात कही। उन्होंने बताया कि मेथेनॉल मिलाने से शराब की एक पेटी, जिसकी कीमत करीब 2200 रुपये होती है, उसकी लागत करीब 700 रुपये रह जाती है। ज्यादा मुनाफे के लालच में ऐसी शराब खरीदकर बेची गई। मेथेनॉल का इस्तेमाल आमतौर पर औद्योगिक कार्यों में किया जाता है। इसका उपयोग सॉल्वेंट, ईंधन और कुछ रसायनों के निर्माण में होता है। शराब में मेथेनॉल की मिलावट बेहद खतरनाक हो सकती है। इसे पीने के बाद व्यक्ति की तबीयत तेजी से बिगड़ सकती है और गंभीर स्थिति में मौत

109 लोगों का अस्पताल में इलाज जारी

भी हो सकती है। सागर जिले के बंडा क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक गांवों में जहरीली शराब पहुंचाए जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि शराब ठेकेदारों, ढाबा संचालकों और गांवों में अवैध शराब बेचने वाले लोगों के नेटवर्क के जरिए मेथेनॉल मिली शराब की बिक्री की गई। घटना के बाद प्रशासन ने क्षेत्र में स्वास्थ्य अमले की तैनाती बढ़ा दी है। 18 से अधिक स्थानों पर स्वास्थ्य कैंप लगाए गए हैं। पुलिस जहरीली शराब के नेटवर्क और इसकी सप्लाई से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रही है। मामले में लाइसेंसी ठेकेदार सिद्धार्थ कुशवाहा और यशवंत ठाकुर को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस की टीमें फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं। जांच के दौरान शराब की सप्लाई, मेथेनॉल की खरीद और इसे मिलाने से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

एमपी-यूपी पुलिस आमने-सामने

जहरीली शराब कांड में उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से शराब आने के सागर पुलिस के दावे को लेकर अब नया विवाद सामने आया है। ललितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालू सिंह ने सागर पुलिस के इस दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि ललितपुर जिले में इस प्रकार की कोई अवैध शराब बनाए जाने की जानकारी नहीं है। ललितपुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सागर पुलिस की ओर से मीडिया में यूपी कनेक्शन को लेकर जो जानकारी दी गई है, वह भ्रामक है। उन्होंने कहा कि यदि सागर पुलिस के पास ललितपुर से अवैध या जहरीली शराब आने से जुड़े कोई तथ्य या साक्ष्य हैं तो उन्हें ललितपुर पुलिस के साथ साझा किया जाए। दरअसल, सागर एसपी अनुराग सुजानिया ने जहरीली शराब कांड की जांच के दौरान मीडिया को बताया था कि सागर में पहुंची जहरीली शराब का कनेक्शन उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से जुड़ा है।

सबकुछ जहरीला बिक रहा: कमलनाथ

पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा- जहरीली शराब से 22 मौतें गंभीर है। जिन शराब ब्रांड पर पहले सवाल उठे थे, सरकार की जांच में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। छिंदवाड़ा में जहरीला कफ सिरप, इंदौर में जहरीला पानी और अब सागर में जहरीली शराब से मौतें बताती हैं कि प्रदेश में दवा से लेकर शराब तक सब कुछ जहरीला बिक रहा है। यह सब सरकार की मिलीभगत से हो रहा है।

हॉस्टल हादसे के लिए एमसीडी और दिल्ली सरकार जिम्मेदार : हाईकोर्ट

बिल्डिंग मालिक गिरफ्तार, अब तक 7 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली हॉस्टल मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- हादसे के लिए दिल्ली नगर निगम और दिल्ली यूनिवर्सिटी दोनों जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने कहा कि बाहर से पढ़ने आने वाले छात्रों के हॉस्टलों की हालत बेहद दयनीय और खराब है। सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती है। अदालत ने एमसीडी , दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, एनएचआरसी और दिल्ली विश्वविद्यालय को 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, पुलिस ने हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को राजस्थान के भिवाड़ी से गिरफ्तारी में ले लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। रेस्क्यू ऑपरेश पूरा हो चुका है। हॉस्टल हादसा दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे हुआ था।

मौके पर करो जनता की समस्याओं का निराकरण, लापरवाही बरतने पर होगी कार्यवाही

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक का आयोजन, दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्हों ने 11 सितंबर को पाटन में प्रस्तावित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी 17 सितंबर को शुरू होने वाले संकल्प सेवा अभियानए एनीमिया मुक्त अभियान एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 22 सितम्बभर के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी लेकर इस दिशा में आवश्यिक तैयारी करने के निर्देश दिये। बैठक में डीएफओ पुनीत सोनकरए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक गेहलोत, अपर कलेक्टर नीता राठौर, अपर कलेक्टर रविशंकर राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शिविर में आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण करने के साथ विभिन्न शासकीय सेवाओं और योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक शुक्रवार क्षेत्र भ्रमण, जन संवाद और समस्याओं के त्वरित निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संस्थाओं और सेवाओं की तैयार होगी जानकारी

कलेक्टर ने पाटन क्षेत्र में संचालित शासकीय एवं निजी विद्यालयों, अस्पतालों, राशन दुकानों, तहसील, लोक सेवा केंद्र, पुलिस थानों सहित अन्य शासकीय संस्थाओं और सेवाओं की विस्तृत जानकारी तैयार करने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों को अपनी.अपनी संस्थाओं की स्थितिए लंबित प्रकरणों और हितग्राही सेवाओं का विवरण अभियान से पहले उपलब्ध कराने को कहा गया।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान पर हुई चर्चा

बैठक में एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित अभियान की चर्चा की गई। जिसमें 1 से 19 वर्ष तक के 8.26 लाख बच्चों व किशोरों और 20 से 49 वर्ष की 1.80 लाख महिलाओं सहित कुल 10 लाख से अधिक हितग्राहियों को एल्बेंडाजोल की दवा खिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। सभी शासकीय व निजी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में एएनएमए आशा व नोडल शिक्षकों की उपस्थिति में दवा खिलाई जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग संयुक्त रूप से तैयारियां पूरी कर रहे हैं।

नगर निगम ने की बिल्डर पर कार्यवाही, दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

बकाया राशि जमा ना करने पर गाला बिल्डर्स और श्री ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को थमाया नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर में लंबित संपदा राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली और नियमों के कड़ाई से पालन के लिए सख्त रुख अपनाया है। निगमायुक्त के निर्देश पर नगर निगम संपदा शाखा प्रभारी श्रीमती शिवांगी महाजन ने निगम संपदा विभाग ने निवाड़गंज एक्सटेंशन स्थित भूखंडों की लीज नामांतरण राशि बकाया रखने पर गाला बिल्डर्स पार्टनर चिराग गाला को अंतिम नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर 11.96 लाख रुपये जमा करने के निर्देश दिये हैं। श्रीमती महाजन ने बताया कि म्युनिसिपल प्लाट क्रमांक 104, 110 एवं 111 (क्षेत्रफल 2572.18 वर्गफुट) के लीज नामांतरण हेतु 11,96,173 रुपये की डिमांड राशि जारी की गई थी। इसी प्रकार श्री ट्रेडिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड भंवरताल एक्सटेंशन स्थित न्यू प्लाट क्रमांक 43-44 (क्षेत्रफल 1826 वर्गफुट) के लीज नामांतरण, नवीनीकरण एवं व्यापारिक उपयोग परिवर्तन से जुड़ी 14,73,916/- रुपये की स्वीकृत लीज राशि की वसूली के लिए 24 घंटे का अंतिम अल्टीमेटम दिया गया है। पूर्व में सूचना और पत्र दिए जाने के बाद भी राशि निगम कोष में जमा नहीं की गई थी। निगम प्रशासन ने सार्वजनिक राजस्व के हितों की रक्षा करते हुए इसे गंभीरता से लिया है।

नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई- सहायक आयुक्त (संपदा) द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर निर्धारित राशि जमा कर रसीद प्रस्तुत की जाए। समय-सीमा में राशि जमा न होने पर नियमानुसार लीज निरस्त कर जमीन पर पुनः कब्जा लेने की कार्यवाही की जाएगी।

कार्यकर्ता ही संगठन शक्ति का मूल का आधार

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी की सरकारें देशहित में कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है भारत को 2047 तक विकसित भारत बनाने का मोदी का संकल्प तभी साकार होगा जब सभी लक्ष्य के प्रति निष्ठा से आगे बढ़ेंगे। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने जिला कार्यसमिति को संबोधित करते हुए भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में कहीं। बैठक में प्रदेश संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से बूथ एवं शक्ति केंद्र स्तर तक पहुंचाने तथा प्रत्येक कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने पर विशेष जोर दिया गया। उद्घाटन सत्र में जिला प्रभारी आलोक संजर, सांसद आशीष दुबे, सुरेश देशपांडे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज आदि उपस्थित रहे। कार्यसमिति को संबोधित करते हुए सांसद आशीष दुबे ने कहा कि भारत जब अपनी स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा तब विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी। आशीष दुबे ने कहा कि हामरा देश लगातार आगे बढ़ रहा है इसका प्रमाण यह है कि विश्व में जब अस्थिरता चल रही है तब आज भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत है, हम विकसित भारत में समावेशी विकास की बात करते है गरीब तबके का जीवन स्तर बढ़ाना भी हमारा दायित्व है क्योंकि अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति के उत्थान से ही विकसित भारत की नींव मजबूत होगी।

एफआईआर से नाराज ग्रामीणों ने किया जमकर प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर-भोपाल हाईवे पर शहपुरा में बना रेलवे ओवरब्रिज खराब होने के बाद पाटन क्षेत्र में लगातार हादसे बढ़ रहे हैं। हाईवे का भारी ट्रैफिक पाटन की ओर मोड़ने से हादसों और जाम की समस्या बढ़ गई है। इससे स्थानीय लोग लंबे समय से परेशान हैं। इसी समस्या के विरोध में 18 अगस्त को पाटन के सिविल कोर्ट चौराहे पर ग्रामीणों और किसानों ने बड़ा प्रदर्शन किया था। इस प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आंदोलन के मुख्य आयोजक किसान नेता उदयभान सिंह सहित 5 नामजद और 50 से ज्यादा अज्ञात लोगों पर एफआइआर दर्ज की थी। पुलिस की इस कार्रवाई के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं पाटन थाने पहुंच गए। उन्होंने सामूहिक गिरफ्तारी देने की मांग की। महिलाओं की इतनी बड़ी संख्या देखकर पुलिस और प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्रदर्शन के दौरान किसान नेता उदयभान सिंह ने पुलिस द्वारा दर्ज एफआर को गलत और तानाशाही बताया और कहा कि 18 सितंबर तक खराब ब्रिज को ठीक करके आवागमन शुरू नहीं किया गया, तो क्षेत्र के लोग और किसान एक बार फिर बड़ा आंदोलन करेंगे।

सैम सीनियर सिटीजन क्लब में मनाया गया जन्माष्टमी महोत्सव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सैम सीनियर सिटीजन क्लब द्वारा आज जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य एवं सांस्कृतिक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और लीलाओं पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियां देकर पूरे वातावरण को कृष्णमय कर दिया। कार्यक्रम के दौरान कहीं कालियामर्दन का जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया गया तो कहीं श्रीकृष्ण की रासलीला ने दर्शकों का मन मोह लिया। कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुतियों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो उन्होंने क्लब परिसर में ही वृंदावन और मथुरा को साकार कर दिया हो। उम्र के इस पड़ाव पर भी वरिष्ठ नागरिकों के उत्साह, ऊर्जा और जीवंत अभिनय ने सभी को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर लक्ष्मण सिंह चौहान, जसबीर चोपड़ा, रश्मि श्रीवास्तव, प्रभा श्रीवास्तव, सुनीता जायसवाल, राजकुमारी रैकवार, श्रीमती स्थापक, मंजू इंग्लें, माया गुप्ता, मेंहदीरता, सरोज प्रकाश, डॉ. लिआऔ एवं आई.के. अग्रवाल ने अपने जीवंत अभिनय की अमिट छाप छोड़ी। पूनम सेठी ने भगवान श्रीकृष्ण की अत्यंत सुंदर झांकी सजाई, जिसने आयोजन की भव्यता में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकास प्राधिकरण के चेयरमैन संदीप जैन ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से जबलपुर की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने में ऐसे कार्यक्रमों का विशेष महत्व है। मुख्य अतिथि संदीप जैन एवं मीना भट्ट ने सभी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के संयोजक जादूगर एस.के. निगम ने संक्षिप्त संबोधन में जन्माष्टमी महोत्सव की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हैं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों में उत्साह, रचनात्मकता और आपसी जुड़ाव को भी बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन नीरज शुक्ला ने किया, जबकि विंग कमांडर चंदन शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। समूचा आयोजन उत्साह, उमंग और भक्ति से सराबोर रहा तथा उपस्थित लोगों ने वरिष्ठ नागरिकों की शानदार प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की।

एपीएन कॉलेज और ऑप्टीमा रीसाइक्लिंग के बीच साइन हुआ एमओयू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एपीएन कॉलेज, सदर, जबलपुर और ऑप्टीमा रीसाइक्लिंग प्राईवेट लिमिटेड, भोपाल के बीच एक महात्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर महाविद्यालय रजिस्ट्रार श्री मानवेन्द्र सिंह एवं आप्टीमा रीसाइक्लिंग प्राईवेट लिमिटेड, भोपाल के तरफ़ से श्री फिरदौस खान ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य ई-वेस्ट (इलेक्ट्रॉनिक कचरा) का वैज्ञानिक तरीके से संग्रहण एवं रीसाइक्लिंग करना है। ई-वेस्ट से निकलने वाले हानिकारक तत्व पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इस सराहनीय पहल पर संस्था के चेयरमेन श्री चमन श्रीवास्तव, डारेक्टर श्री मयंक श्रीवास्तव ने बधाई दी और कहा कि पर्यावरण की दृष्टि से संस्था द्वारा लिया गया यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह कदम पर्यावरण सुरक्षा के लिए मील का पत्थर सावित होगा। इस अवसर पर दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं समस्त प्रध्यापकगण उपस्थित रहे।

बिना परीक्षा के संविदा कर्मियों को प्रदान की जाएं नियमित नियुक्तियां

मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन ने उठाई मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक, यू के पाठक, दिनेश दुबे, अनूप वर्मा आदि ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, ऊर्जा मंत्री प्रघुम्न सिंह तोमर, प्रमुख सचिव ऊर्जा मनीष सिंह आदि को पत्र प्रेषित कर कहा कि उनके निर्णय से लम्बे समय के बाद बिजली कंपनियों में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के हित में लगातार निर्णय लेने और संविदा कर्मियों को नियमित नियुक्ति देने हेतु लिए गए निर्णय के लिए मप्र विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन सभी का अभिनंदन,आभार व्यक्त करता है और आपसे अनुरोध करता है निकाले गए नये आदेश संविदा कर्मियों से पुनः परीक्षा लेकर नियुक्ति दी जाने इन संविदा कर्मियों के साथ संवेदनशील रवैए और सकारात्मक सोच के विपरीत है। सभी संविदा कर्मी बिजली कंपनियों में विधिवत परीक्षा देकर, पास होकर ही नियुक्त किए गए हैं। अतः 15 वर्षों से इंतजार कर रहे इन संविदा कर्मियों पर कृपा करें और इनसे बिना परीक्षा लेकर नियमित नियुक्ति प्रदान करें। इसी तरह नई नियुक्ति के लिए अनारक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 80 और आरक्षित वर्ग हेतु न्यूनतम अंक 70 निर्धारित किए गए हैं जो बहुत ज्यादा है इससे अधिकतर संविदा कर्मी सफ़ल ही नहीं हो पाएंगे और इतने लम्बे इंतजार के बाद भी उसी पद पर रह जाएंगे। इसमें भी कृप्या संशोधन करें। राकेश डीपी पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश विधुत एकर्मचारी संघ फेडरेशन, जबलपुर आपसे आग्रह करता है कि 15 वर्षों से अपने सुरक्षित भविष्य की बाट जोह रहे इन शोषित, पीड़ित संविदा कर्मियों और आउट सोर्स कर्मचारियों को भी उपयुक्त लाभ दिलाने का कष्ट करें।

कैट महिला शाखा ने आयोजित की उद्यमिता कार्यशाला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कैट महिला शाखा द्वारा होटल गुलजार में एमएसएमई एवं महिला उद्यमिता विषय पर एक ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कैट महिला शाखा की राष्ट्रीय संयोजक एवं आयोजन की मुख्य सूत्रधार सीमा सिंह चौहान के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व तथा कैट महिला शाखा की अध्यक्ष नम्रता भाटिया की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को एमएसएमई से जुड़ी शासकीय योजनाओं, ऋण, अनुदान, उद्यम पंजीयन, व्यवसाय विस्तार एवं नए व्यापारिक अवसरों की उपयोगी एवं व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यशाला में व्यवसाय प्रशिक्षक एवं प्रेरक वक्ता अजय शेष तथा सीए कुलकर्णी ने महिला उद्यमियों का मार्गदर्शन किया।

क्रिश्चियन हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्रों ने मनाया शिक्षक दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। क्रिश्चियन हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व छात्रों द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को तीनपत्ती चौक स्थित सोनाली रेस्टोरेंट में अपने शिक्षकों का सम्मान किया गया। पूर्व छात्रों द्वारा अपने शिक्षकों का तिलक लगाकर पुष्पहारों से स्वागत कर कई उपहार भेंट किए गए। इस अवसर पर शिक्षकों में नरेश सिंगौर, राकेश बांड, यू एल, संजीव जेम्स, दीपक तिवारी उपस्थित हुए। शिक्षकों ने सभी उपस्थित छात्रों को अपने उधबोधन दिए तत्पश्चात सभी छात्रों के साथ भोजन ग्रहण किया। इस अवसर पर छात्रगणों में मोहम्मद मुजफ्फर हुसैन, प्रदीप सराठे, अरुण सोलंकी, मधुर परनामी, अब्दुल निजाम, अनिल पाली, जावेद अहमद, राजेश साहू, नरेश साहू, पंकज सोलंकी, नरेश ढाका, अवनीश यादव, अभिषेक गुप्ता, जितेंद्र यादव, संजय अदानी, दिलशाद खान उपस्थित रहे। छात्रों के द्वारा आगे भी शिक्षक गणों से संपर्क बनाए रखने एवं उनका हाल-चाल जानने तथा उनको होने वाली परेशानी में उनका साथ देने का आश्वासन किया गया एवं शिक्षक गणों के द्वारा उपस्थित छात्रों उनके परिजनों के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की गई, इस तरह से शिक्षक दिवस कार्यक्रम बहुत ही सद्भावना पूर्ण एवं हर्षोल्लाह वातावरण में मनाया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापित की भगवान श्री हनुमान की प्रतिमा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगरीय क्षेत्र तिलहरी की अजय सत्य प्रकाश कालोनो में श्रद्धा और शक्ति भक्ति से ओत-प्रोत होकर प्रभु श्री हनुमान महाराज को संगमरमर से निर्मित भव्य दिव्य मंदिर में विद्वान पं. मनजीत मिश्रा ने मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ नवीन सिंहासन में विराजमान कराया। इस अवसर को श्रद्धालुओं ने गौरव और परम सौभाग्य का विषय बताया। मंदिर निर्माण के इस धार्मिक एवं सामाजिक कार्य में समाज के विभिन्न वर्गों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। प्रो. रवीन्द्र मक्कड़ के सेवानिवृत्त एवं सेवारत प्रोफेसर साथियों, उनके पढ़ाए हुए सेवानिवृत्त एवं सेवारत विद्यार्थियों, अधारताल के सिख समाज, रिश्तेदारों, मित्रों तथा सोसाइटी वासियों ने अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य के अनुसार सहयोग प्रदान किया।इस पूरे सेवा कार्य में एड आलोक गुप्ता, पत्रकार अनिल शुक्ला, आशीष कपूर ने प्रो. रवीन्द्र मक्कड़ के साथ कदम से कदम मिलाकर समर्पित सहयोग किया।

राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस के अंतर्गत अंतर्विभागीय कार्यशाला का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश में राष्ट्रीय कृमिमुक्ति दिवस का आयोजन दिनांक 22 सितम्बर को मुख्य दिवस एवं 25 सितम्बर को मॉप-अप दिवस के रूप में किया जाना नियोजित है। साथ ही, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत निर्धारित गतिविधियों का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना है। उक्त कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन, निर्धारित प्रोटोकॉल की समुचित समझ एवं लक्षित कवरेज सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों, शिक्षकों एवं मैदानी स्वास्थ्य/फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का जिला एवं मैदानी स्तरीय डिसेमिनेशन किया जाएगा। 7 सितंबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस एवं एनीमिया मुक्त भारत की गतिविधियों का डिसेमिनेशन जिला दण्डाधिकारी राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यशाला में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने उपस्थित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को कार्यक्रम में सक्रीय समन्वय बनाकर शतप्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। कोई भी पात्र बच्चा लाभान्वित होने से वंचित नहीं होना चाहिए। कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक गहलोत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी स्वास्थ्य विभाग से जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता, एविडेंस एक्शन से तरुण तिवारी, डीसीएम दीपिका साहू सहित शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य, पंचायती राज, तकनीकी शिक्षा, प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन एवं अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बच्चों में गणित का डर कैसे दूर करें?

('मुझे गणित नहीं आती' से... 'मैं कर सकता हूँ तक)

गणित का नाम सुनते ही कई बच्चों के चेहरे पर चिंता दिखाई देने लगती है। किसी को जोड़-घटाव मुश्किल लगता है, किसी को पहाड़े याद करने में परेशानी होती है, तो कोई सवाल देखते ही कह देता है- 'मुझे गणित नहीं आती।' धीरे-धीरे यह वाक्य केवल एक विषय को लेकर परेशानी नहीं रहता, बल्कि बच्चे के आत्मविश्वास पर भी असर डालने लगता है। गणित हमारे जीवन का ऐसा हिस्सा है, जिससे हम चाहकर भी अलग नहीं हो सकते। समय देखना हो, पैसे का हिसाब लगाना हो, दूरी और माप समझना हो या किसी योजना का बजट बनाना हो-हर जगह गणित हमारे साथ है। फिर सवाल यह है कि जो विषय रोजमर्रा की जिंदगी में इतना जरूरी है, वही बच्चों के लिए डर का कारण क्यों बन जाता है? गणित का डर हमेशा गणित की कठिनाई की वजह से नहीं होता। कई बार इसकी शुरुआत एक छोटी-सी गलती से होती है। बच्चा किसी सवाल का गलत उत्तर देता है, उसे डांट मिलती है या उसकी तुलना किसी दूसरे बच्चे से की जाती है। बार-बार ऐसा होने पर बच्चे के मन में यह

धारणा बनने लगती है कि वह गणित में अच्छा नहीं है। परीक्षा का दबाव भी इस डर को बढ़ाता है। समय कम होने पर सवाल जल्दी हल करने की चिंता, गलती होने का डर और अच्छे अंक लाने का दबाव बच्चों में तनाव पैदा कर सकता है। खासकर छोटी कक्षाओं में यदि गणित को केवल सही उत्तर तक पहुंचने की दौड़ बना दिया जाए, तो बच्चे समझने के बजाय उत्तर याद करने लगते हैं।

गणित को जीवन से जोड़ना होगा

गणित को आसान बनाने का सबसे प्रभावी तरीका है उसे बच्चों की रोजमर्रा की जिंदगी से जोड़ना। बाजार में खरीदारी करते समय पैसों का हिसाब, खाना बनाते समय मात्रा और माप, घड़ी से समय समझना, खिलौनों को गिनना या खेल में स्कोर जोड़ना-ये सभी गणित सीखने के स्वाभाविक अवसर हैं। जब बच्चा किसी अवधारणा को केवल किताब में पढ़ने के बजाय अपने आसपास की दुनिया में देखता है, तो वह उसे अधिक आसानी से समझ पाता है। गणित तब केवल 'सवाल हल करने वाला विषय' नहीं रह जाता, बल्कि चीजों को समझने का एक तरीका बन जाता है।

शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण

बच्चों में गणित का डर कम करने में शिक्षक की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। कक्षा में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहां बच्चा गलत उत्तर देने से न डरे। गलती को असफलता के रूप में देखने के बजाय उसे सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। हर बच्चा एक ही गति से नहीं सीखता। किसी बच्चे को किसी अवधारणा को समझने में पांच मिनट लग सकते हैं, जबकि दूसरे को उसी चीज के लिए अधिक समय चाहिए। इसलिए गणित सिखाते समय धैर्य और व्यक्तिगत समझ जरूरी है।

'गलत' होने से ज्यादा जरूरी है 'कोशिश' करना

अक्सर बच्चों को अच्छे अंक मिलने पर शाबाशी दी जाती है, लेकिन उनकी मेहनत और प्रयास पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। यह सोच बदलने की जरूरत है। तुमने बहुत अच्छा प्रयास किया, चलो इसे एक और तरीके से करते हैं या गलती हुई है, लेकिन हम इसे समझ सकते हैं- ऐसे छोटे वाक्य बच्चे के आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं। इसके विपरीत, तुम्हें गणित आती ही नहीं, इतना आसान सवाल भी नहीं आता? या देखो, बाकी बच्चे कितनी जल्दी कर रहे हैं- जैसी बातें बच्चे के मन में गणित को लेकर नकारात्मक भावना पैदा कर सकती हैं।

खेल और गतिविधियां बन सकती हैं समाधान

विशेषकर छोटे बच्चों के लिए गणित को खेल और गतिविधियों के माध्यम से सिखाना काफी प्रभावी हो सकता है। गिनती के खेल, पहेलियां, वस्तुओं को वर्गीकृत करना, पैटर्न बनाना, आकृतियों को पहचानना और दैनिक जीवन की छोटी समस्याओं को हल करना-ये गतिविधियां बच्चों को बिना दबाव के गणितीय सोच विकसित करने में मदद कर सकती हैं। यहां उद्देश्य केवल यह नहीं होना चाहिए कि बच्चा उत्तर सही बताए। उससे भी महत्वपूर्ण है कि वह यह समझे कि उत्तर तक पहुंचा कैसे जा सकता है।

अभिभावकों को भी बदलना होगा नजरिया

बच्चों के गणित के डर को दूर करने की जिम्मेदारी केवल स्कूल की नहीं है। घर का माहौल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि माता-पिता स्वयं गणित को बहुत कठिन बताकर बच्चों के सामने पेश करेंगे, तो बच्चा पहले से ही यह मान सकता है कि गणित उसके लिए मुश्किल होने वाली है। बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करने के बजाय उनके व्यक्तिगत सुधार पर ध्यान देना अधिक जरूरी है। हर छोटी प्रगति की सराहना बच्चे को आगे प्रयास करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

लक्ष्य नंबर नहीं, आत्मविश्वास होना चाहिए

गणित सीखने का अंतिम उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है। गणित बच्चों में तार्किक सोच, समस्या-समाधान, निर्णय लेने और किसी समस्या को अलग-अलग तरीकों से देखने की क्षमता विकसित करता है। इसलिए हमें बच्चों से यह नहीं पूछना चाहिए कि तुमने कितने सवाल सही किए?, बल्कि कभी-कभी यह भी पूछना चाहिए-तुमने इसे कैसे सोचा? यही बदलाव गणित को डर से निकालकर समझ की ओर ले जा सकता है। जिस दिन बच्चा सवाल देखकर डरने के बजाय उसे हल करने की कोशिश करेगा, उसी दिन 'मुझे गणित नहीं आती' की जगह 'मैं इसे कर सकता हूँ' की शुरुआत होगी।

आफरीन खान

शिक्षक, हितकारिणी चिल्ड्रेन एकेडमी, देवताल

मजेदार गणित पहेलियां

1. 6 को कितनी बार जोड़ा जाए कि उत्तर 66 आ जाए?
उत्तर - 11 बार (क्योंकि 6x11 = 66)।

2. 25 में से 5 को कितनी बार घटाया जा सकता है?
उत्तर - सिर्फ 1 बार। एक बार घटाने के बाद वह 20 बन जाता है, फिर वह 25 नहीं रहता।

3. एक तालाब में 10 मछलियां थीं। उनमें से 2 मर गईं और 2 नई पैदा हुईं, तो अब तालाब में कुल कितनी मछलियां बची हैं?
उत्तर - 10 मछलियां (मरी हुई मछलियां पानी में ही रहती हैं और नई पैदा, दोनों मिलकर संख्या को 10 ही रखती हैं)।

4. एक टेबल पर दो गिलास के आगे दो गिलास रखे हैं, दो गिलास के पीछे दो गिलास हैं और दो गिलास के बगल में दो गिलास हैं। बताओ टेबल पर कुल कितने गिलास हैं?
उत्तर - केवल 4 गिलास।

5. आप 8 को कितनी बार लिखकर उनका जोड़ एक हजार कर सकते हैं?
उत्तर - आठ बार (888 + 88 + 8 + 8 + 8 = 1000)

6. एक वृत्त की कितनी भुजाएँ होती हैं?
उत्तर - दो। अंदर की तरफ और बाहर की तरफ।

7. किस संख्या का तीन गुना, उसी संख्या के दोगुने से ज़्यादा नहीं होता?
उत्तर - 0 (शून्य)।

दिमाग को 'मैथ मोड' में कैसे लाएं

वह कौन सा विषय है जो आपको किसी डरावने राक्षस जैसा लगता है? बहुत से लोग कहेंगे, गणित! गणित भी दूसरे विषयों जैसा ही है, लेकिन कई छात्रों को इसे समझना मुश्किल लगता है। लेकिन ऐसा होना ज़रूरी नहीं है। इस ब्लॉग में, हम बात करेंगे कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी में गणित क्यों ज़रूरी है, पढ़ाई का सबसे अच्छा समय कौन सा है, और आपको गणित का जीनियस बनाने के लिए 10 काम के टिप्स भी जानेंगे!

गणित हर जगह है। सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक, हम सभी बिना जाने-समझे गणित का इस्तेमाल करते हैं। उदाहरण के लिए, जब आप तय करते हैं कि स्कूल या काम पर समय पर पहुँचने के लिए घर से कितने बजे निकलना है, तो इसमें बेसिक गणित शामिल होता है। पैसे का हिसाब-किताब रखना, खाने का इंतज़ाम करना, अलग-अलग चीज़ों की कीमतों की तुलना करना या खाना बनाते समय सामग्री को मापना - इन सभी में बेसिक गणित शामिल होता है। और ये सब तो बस आपकी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के आम काम हैं। गणित हमें जीवन के ज़रूरी कौशल विकसित करने में मदद करता है, जैसे- लॉजिकल सोच (तार्किक सोच) समस्याओं को हल करने के लिए एक साफ़, स्टेप-बाय-स्टेप प्रक्रिया का पालन करने में मदद करती है। यह आपको यह समझने में मदद करती है कि कैसे एक गणितीय स्टेप लॉजिकल क्रम में अगले स्टेप तक ले जाता है। एनालिटिकल सोच (विश्लेषणात्मक सोच) आपको मुश्किल समस्याओं को आसान हिस्सों में तोड़ने में

मदद करती है ताकि आप पैटर्न और संबंधों को समझ सकें। यह कौशल समीकरणों को हल करते समय या डेटा और ग्राफ़ को समझने में बहुत ज़रूरी है। समस्या-समाधान में यह पहचानना शामिल है कि क्या पूछा जा रहा है और जवाब खोजने के लिए सबसे अच्छी रणनीति क्या है। यह नए या मुश्किल सवालों का सामना करते समय क्रिएटिव सोच और लगन को बढ़ावा देता है। छोटी-छोटी गलतियों से बचने के लिए बारीकियों पर ध्यान देना ज़रूरी है, क्योंकि इनसे गलत जवाब मिल सकते हैं। चाहे नंबर कॉपी करना हो, फ़ॉर्मूले का इस्तेमाल करना हो या कैलकुलेशन करना हो, सटीकता ही सफलता की कुंजी है। यह कई पेशों में भी अहम भूमिका निभाता है। इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट, वैज्ञानिक, आर्किटेक्ट, फ़ाइनेंशियल प्लानर और सॉफ़्टवेयर डेवलपर- ये सभी अपने काम में गणित का अहम हिस्सा इस्तेमाल करते हैं। गणित एक बुनियादी विषय है जो तर्कसंगत रूप से सोचने और कुशलता व सटीकता के साथ समस्याओं को हल करने की आपकी क्षमता को बढ़ाता है। गणित सीखने के लिए फोकस, सब्र और साफ दिमाग की ज़रूरत होती है। इसलिए, यह जानना बहुत ज़रूरी है कि दिन के किस समय आपका दिमाग सबसे ज़्यादा तेजी से काम करता है, ताकि आप किसी कॉन्सेप्ट को बेहतर ढंग से समझ सकें या किसी समस्या को आसानी से हल कर सकें।

इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

सुबह का समय सबसे अच्छा होता है क्योंकि आपका दिमाग तरोताज़ा होता है और आप बेहतर ढंग से ध्यान लगा पाते हैं। अगर आप सुबह जल्दी उठने वाले व्यक्ति हैं, तो सुबह 6 बजे के आसपास गणित पढ़ना सबसे अच्छा रहता है। अगर आप शाम को, जैसे कि 5 बजे, ज़्यादा ध्यान लगा पाते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप किसी शांत और एकांत जगह पर हों। अगर आप आम तौर पर थके हुए या नींद में महसूस करते हैं, तो देर रात गणित पढ़ने से बचें। पढ़ाई का एक रूटीन बनाने से आप किसी खास टॉपिक या विषय पर पूरा ध्यान और समय दे पाते हैं। इसका मकसद हर दिन एक ही समय पर पढ़ने की आदत डालना है, जिससे आपका दिमाग 'मैथ मोड' में आने के लिए तैयार हो जाता है।

प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को गणित कैसे पढ़ाएं

गणित एक जरूरी विषय है जो बच्चे के दिमागी विकास की नींव रखता है। आगे की कक्षाओं में सफल होने के लिए प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को गणित की अवधारणाओं (कॉन्सेप्ट्स) की अच्छी समझ होनी चाहिए। हालाँकि, कुछ बच्चों को गणित की अवधारणाओं को समझने में मुश्किल हो सकती है, जिससे वे निराश हो सकते हैं और अपनी क्षमताओं पर उनका भरोसा कम हो सकता है। यहीं पर ट्यूशन बहुत फायदेमंद हो सकती है। ट्यूशन में हर छात्र पर अलग से ध्यान दिया जाता है, जिससे छात्र अपनी गणित की बुनियादी समझ को मज़बूत कर पाते हैं। सही मार्गदर्शन से, छात्र अपनी समझ में रह गई कमियों को दूर कर सकते हैं और भविष्य में गणित की अवधारणाओं को समझने के लिए एक मज़बूत नींव बना सकते हैं।

हर छात्र के हिसाब से सिखाना

क्लास में हर छात्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षकों को अक्सर ज़्यादा समय की जरूरत होती है। ट्यूशन में छात्रों के सीखने के अनोखे तरीकों और गति के हिसाब से अलग-अलग तरह से सिखाया जाता है। इस तरह से सिखाने से यह पक्का होता है कि छात्रों को गणित की अवधारणाओं को अच्छी तरह समझने के लिए जरूरी ध्यान मिले।

आत्मविश्वास बढ़ाना

प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए गणित मुश्किल लग सकता है, और इससे उनका आत्मविश्वास कम हो सकता है। ट्यूशन एक ऐसा माहौल बनाती है जहाँ छात्र बिना किसी डर या झिझक के सवाल पूछ सकते हैं। जैसे-जैसे उन्हें गणित की गहरी समझ होती है, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे उनका प्रदर्शन बेहतर होता है और विषय के प्रति सकारात्मक नज़रिया बनता है।

चुनौतियों का सामना करना

ट्यूशन उन खास क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करती है जहाँ छात्रों को मुश्किल होती है और उन पर खास ध्यान दिया जाता है। चाहे भिन्न हों, ज्यामिति हो या शब्द-आधारित सवाल, ट्यूटर मुश्किल अवधारणाओं को आसान हिस्सों में बाँट सकते हैं और चुनौतियों से निपटने के लिए सिखाने के अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गणित के प्रति लगाव पैदा करना

जब प्राथमिक विद्यालय के छात्रों पर अलग से ध्यान दिया जाता है और वे गणित की अवधारणाओं में महारत हासिल कर लेते हैं, तो उनमें इस विषय के प्रति लगाव पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। ट्यूशन जिज्ञासा और उत्साह जगा सकती है, जिससे गणित मज़ेदार बन जाता है और छात्र इसे और जानने के लिए प्रेरित होते हैं।

शब्द पहेली - 8970

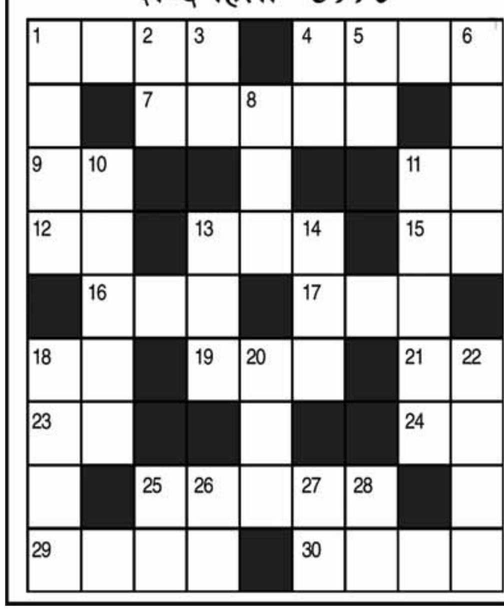

बाएँ से दाएँ

1. जनमत-4
4. सचेत, सजग-4
7. सहयात्री, संगी-5
9. रुपया, पैसा -2
11. छोटी सवारी गाड़ी-2
12. घ्राणेंद्रिय-2
13. बेकार-3
15. झुका हुआ-2
16. बसंत काल-3
17. टिड्डा-3
18. अन्वेषण, ढूंढना-2
19. जलने की प्रक्रिया-3
21. एक विदेशी शराब-2
23. कला, हुनर-2
24. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2
25. आत्मबलिदानी-5
29. करामात-4
30. नामसूची-4

ऊपर से नीचे

1. पूजा, प्रार्थना-4
2. मार्ग, पथ-2
3. यमराज, मृत्युदेवता-2
4. स्वच्छ-2
5. दूल्हा, वरदान-2
6. द्वेष, ईर्ष्या-4
8. तमीज, तहजीब-3
10. सेंधमार-5
11. चुगली करना-5
13. देवर्षि-3
14. रसद, खाद्य सामग्री-3
18. भयानक, डरावना-4
20. अक्षर (उर्दू-3)
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर की फिल्म-5
25. तेज, सत्य-2
26. ईश्वर, भगवान-2
27. रुदन, क्रंदन-2
28. मोमबत्ती (उर्दू-2)

शब्द पहेली -8969 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

गर्भवती महिला से मारपीट : किरनापुर पुलिस पर एसपी का बड़ा एक्शन

तत्कालीन थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी निलंबित, एसआईटी करेगी पूरे मामले की जांच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

किरनापुर थाने में चोरी के एक मामले की जांच के दौरान पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली शिकायत सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बड़ा एक्शन लिया है। शिकायत में आरोपी से नियम विरुद्ध तरीके से पूछताछ करने, मारपीट कर अपराध कबूल करवाने का दबाव बनाने के साथ उसकी करीब दो माह की गर्भवती पत्नी और पति के साथ भी कथित मारपीट तथा कपड़े उतरवाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मामला कलेक्टर कार्यालय तक पहुंचने के बाद एसपी ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर पुलिस लाइन अटैच कर दिया है। हालांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है और जांच के बाद ही पूरे मामले की वास्तविकता सामने आएगी। बताया गया है कि पूरा मामला 21 अगस्त को किरनापुर पोस्ट ऑफिस से एक महिला द्वारा 1 लाख 10 हजार रुपये निकाले जाने के बाद 50 हजार रुपये गायब होने की शिकायत से जुड़ा है। रकम गायब होने की शिकायत पर चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस जांच के दौरान कैलाश चौधरी को मामले में आरोपी बनाया गया। इसके बाद कैलाश चौधरी की ओर से पुलिस के खिलाफ शिकायत की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि पुलिस कैलाश चौधरी को उसके घर से उठाकर थाने लाई और वहां नियम विरुद्ध तरीके से पूछताछ करते हुए चोरी कबूल करने का दबाव बनाया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिसकर्मियों पर मारपीट किए जाने का आरोप भी लगाया। मामले ने उस समय गंभीर रूप ले लिया, जब कैलाश की पत्नी ने भी पुलिस पर उसके और उसके पति के साथ कथित मारपीट किए जाने तथा कपड़े उतरवाने जैसे गंभीर आरोप लगाए। महिला को करीब दो माह की गर्भवती बताया गया है। पीड़ित महिला को ग्रामीणों और रिश्तेदारों के साथ कलेक्टर कार्यालय ले जाया गया, जहां अधिकारियों के समक्ष पूरे मामले की शिकायत रखी गई। शिकायत सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी की कार्रवाई में तत्कालीन थाना प्रभारी उप निरीक्षक दामेन्द्र तुरकर, प्रधान आरक्षक आशीष बघेले, आरक्षक कपिल बघेल और महिला आरक्षक मेघा टेकाम को निलंबित किया गया है। निलंबन के बाद चारों पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन अटैच कर दिया गया है। अब पूरे मामले की जांच डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में गठित एसआईटी करेगी। एसआईटी को दो सप्ताह के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच टीम शिकायत में लगाए गए आरोपों, पुलिस की कार्रवाई, पूछताछ की प्रक्रिया और संबंधित साक्ष्यों की जांच करेगी। पुलिस अधीक्षक की तत्काल कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में भी हड़कंप की स्थिति है। हालांकि, फिलहाल शिकायत में लगाए गए गंभीर आरोपों को जांच के निष्कर्ष के रूप में नहीं माना जा सकता। अब एसआईटी की रिपोर्ट से ही स्पष्ट होगा कि किरनापुर थाने में पूछताछ के दौरान वास्तव में क्या हुआ था और शिकायत में लगाए गए आरोप कितने सही पाए जाते हैं।

इंदिरा इंटरप्राइजेस में खाद्य आपूर्ति विभाग के जांच दल ने की स्टॉक की जांच

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी एसके भलावी के मार्गदर्शन में खाद्य आपूर्ति विभाग के संयुक्त जांच दल द्वारा मेसर्स इंदिरा इंटरप्राइजेस, सुभाष चौक बालाघाट का निरीक्षण किया गया। यह जांच मध्यप्रदेश शक्कर थोक उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक रखने की सीमा नियंत्रण आदेश 2026 के तहत की गई।

जांच दल में सहायक आपूर्ति अधिकारी बालाघाट पहल सिंह वलाडी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी वारासिवनी श्रीमती निहारिका अवस्थी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी लांजी शिवम मार्को एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कटंगी तुषार सिंह शामिल रहे। जांच के दौरान फर्म में 417.75 क्विंटल शक्कर का स्टॉक संग्रहित पाया गया। जांच दल द्वारा उपलब्ध स्टॉक का निर्धारित सीमा से मिलान किया गया। फर्म में पाया गया शक्कर का स्टॉक 4000 क्विंटल की निर्धारित भंडारण सीमा से कम पाया गया। विभागीय टीम ने स्टॉक एवं संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी दर्ज की।

नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शत्रुधन दाहिया ने पदभार ग्रहण किया

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन भोपाल के आदेश पर के जिले के नवागत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.शत्रुधन दाहिया ने आज 07 सितम्बर 2026 सोमवार प्रात:11:30 बजे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय पहुँचकर सी. एम. एच. ओ. बालाघाट का पदभार ग्रहण कर लिया हैं। आप जिला चिकित्सालय जबलपुर में शिशु रोग विशेषज्ञ के पद पर पदस्थ थे.पदभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ. दाहिया ने कार्यालयिन अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक लेकर परिचय प्राप्त किया और अपने-अपने कार्य के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करने के निर्देश दिये।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के खिलाफ मछुवा ढीमर समाज ने खोला मोर्चा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। वर्षों से अपने अधिकारों और आर्थिक बदहाली से जूझ रहे मछुवा ढीमर समाज ने अब कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्र और समितियों में हो रही घुसपैठ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समाज के सैकड़ों लोग सोमवार से बालाघाट जनपद पंचायत के सामने हड़ताल पर बैठ गए हैं। आंदोलन में समाज के पुरुषों के साथ महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। हड़ताल के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर मछुवा समितियों में प्रवेश किया जा रहा है, जिससे वंशानुगत मछुवारों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। हड़ताल पर बैठे समाज के लोगों का कहना है कि वे लंबे समय से आर्थिक परेशानियों के बीच अपने पारंपरिक व्यवसाय और अधिकारों को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उनका आरोप है कि कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्रों के जरिए कुछ लोग शासन की योजनाओं और मछुवा समितियों का लाभ उठा रहे हैं। समाज के वक्ताओं ने दावा किया कि समितियों में कथित घुसपैठ के कारण वास्तविक मछुवारों को मजदूर की तरह काम करने को मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि दूसरे लोग आर्थिक लाभ उठा रहे हैं। आंदोलन के दौरान सोहन बाउके, शेखर जायसवाल, मछुवा समाज के सचिव बेनीराम मेश्राम, शुरेंद्र चौधरी और श्रवण मेश्राम सहित अन्य वक्ताओं ने अपनी मांगें रखीं। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में लोगों द्वारा कथित तौर पर फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाए गए हैं। उन्होंने एक ही परिवार में अलग-अलग जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की भी जांच की मांग उठाई।

विधायक विवेक पटेल ने दिया समर्थन- हड़ताल स्थल पर वारासिवनी विधायक विवेक उर्फ विक्की पटेल भी पहुंचे और मछुवा ढीमर समाज के आंदोलन को समर्थन दिया। विधायक ने कहा कि समाज की मांगों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्रों के माध्यम से यदि किसी ने समितियों में घुसपैठ की है और वास्तविक मछुवा समाज के अधिकारों का हनन हुआ है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विधायक ने समाज की मांगों को मुख्यमंत्री और विधानसभा स्तर तक उठाने का भरोसा भी दिलाया।

उच्चस्तरीय जांच की मांग-आंदोलनकारियों ने कथित फर्जी जाति प्रमाण पत्रों की जांच के साथ-साथ संबंधित समितियों में हुई नियुक्तियों और लाभों की भी जांच कराने की मांग की है। समाज का आरोप है कि कुछ विभागीय अधिकारियों और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण में कथित अनियमितताएं चल रही हैं।

परसवाड़ा के बोदलबाहरा पहुंचे प्रभारी मंत्री राव उदय प्रतापसिंह

आंगनबाड़ी और स्कूल का किया निरीक्षण, बच्चों से की बात, ग्रामीणों की सुनी समस्या

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा मंत्री एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह सोमवार को एक दिवसीय प्रवास पर परसवाड़ा विकासखंड के मोहनपुर अंतर्गत ग्राम बोदालबहारा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सर्वप्रथम आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने नन्हे बच्चों से मुलाकात की और उनसे बातचीत करते हुए विभिन्न सवाल भी किए। इसके पश्चात वे ग्राम के प्राथमिक विद्यालय बोदालबहारा पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों से चर्चा की। बच्चों से वार्तालाप कर उनके जवाब सुनने और संस्कारों को देखकर प्रभारी मंत्री मंत्रमुग्ध हो गए।

इसके पश्चात प्रभारी मंत्री ग्राम में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। यहां उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत में उपस्वास्थ्य केंद्र खोले जाने की मांग रखी। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में उपस्वास्थ्य केंद्र नहीं होने के कारण उन्हें इलाज के लिए अन्यत्र जाना पड़ता है। ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या भी प्रभारी मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि गांव में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण किसी घटना की सूचना समय पर नहीं दे पाते हैं। नेटवर्क के अभाव में आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस को भी कॉल नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने गांव में मोबाइल टावर लगाए जाने की मांग की।

इसी दौरान गांव की महिलाओं ने ग्राम में तालाब बनाए जाने की मांग रखी। महिलाओं की मांग पर प्रभारी मंत्री श्री राव ने तत्काल तहसीलदार को बुलाकर तालाब निर्माण के लिए जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए। इसी दौरान प्रभारी मंत्री श्री राव उदय प्रताप सिंह ने ग्रामीणों से पूछा कि यहां हाईस्कूल नहीं चाहिए क्या? इस पर सभी ग्रामीणों ने हामी भरते हुए हाईस्कूल की मांग रखी। चर्चा के दौरान ग्रामीणों ने गांव में बालक छात्रावास खोले जाने की मांग भी रखी। इस पर प्रभारी मंत्री ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से चर्चा की और छात्रावास खोले जाने का आश्वासन दिया।

प्रभारी मंत्री ने ग्रामीण महिलाओं से भी उनकी समस्याओं के संबंध में चर्चा की। महिलाओं ने मकान, तालाब सहित अन्य समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

आदिवासी अंचल के बच्चों में संस्कार और मुख्यधारा से जुड़ाव शुभ संकेत-इस दौरान प्रभारी मंत्री राव उदय प्रताप सिंह मीडिया से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि जैसा कि सर्वविदित है, माननीय मुख्यमंत्री जी बीते दिनों स्वयं यहां आए थे और उन्होंने खुद जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली थी। उन्होंने बालाघाट में जाकर निरीक्षण किया और यहां महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग की वस्तुस्थिति देखी। मुझे लगा कि एक बार स्वयं भी यहां की वस्तुस्थिति देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यहां आकर देखकर अच्छा लगा कि महिलाएं बच्चों को पढ़ा रही हैं। खुशी इसलिए हुई कि बच्चों को सब कुछ आ रहा है। अगर अचानक बच्चों को बैठाकर सवाल किए जाएं तो उसका जवाब देना आसान नहीं होता, लेकिन यहां बच्चों ने जिस तरह से जवाब दिए, उससे प्रसन्नता हुई। बच्चों में संस्कार भी हैं और बातचीत करने का तरीका भी है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे आदिवासी अंचल के लोग मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। यह बालाघाट जिले के साथ-साथ मध्यप्रदेश के लिए भी बड़ा शुभ संकेत है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जैसा कि हम जानते हैं, माननीय प्रधानमंत्री जी ने नक्सल मुक्त भारत की कल्पना की है और गृहमंत्री अमित शाह जी ने इसे आगे बढ़ाया है। नक्सल मुक्त हमारा मध्यप्रदेश हुआ है। उसी तारतम्य में मुख्यमंत्री जी ने इस दिशा में कार्य किया और स्वयं भी यहां पहुंचे। दूरस्थ ग्रामों में जब इस तरह की गतिविधियां चलते हुए हम देखते हैं तो मन को सुकून मिलता है।

उन्होंने कहा कि बालाघाट में कलेक्टर इफर्ट भी दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि बालाघाट जिले में प्रेस की भूमिका भी सार्थक दिखाई देती है। प्रेस ने जिले को व्यवस्थित करने में अपनी भूमिका अदा की है। मुझे लगता है कि एक सकारात्मकता के साथ कलेक्टर इफर्ट कहीं देखने को मिलेगा।

इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, मौसम बिसेन, रामेश्वर कटरे, कलेक्टर कुमार सत्यम, एसपी आदित्य मिश्रा, एसडीएम श्रीश प्यासी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी धन्नाराम उईके सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष सेवा, संकल्प एवं समर्पण पर जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा द्वारा सेवा, संकल्प एवं समर्पण के 25 वर्ष अभियान के तहत स्थानीय भाजपा कार्यालय भरौली में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अभियान के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में मध्यप्रदेश मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं अभियान के प्रदेश सह संयोजक विनोद गौंटिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने की। इस अवसर पर मानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री सुश्री मीना सिंह, वरिष्ठ नेता मिथलेश पयासी, भाजपा नेत्री सुश्री ज्ञानवती सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुजा पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश शर्मा, अरविंद बंसल, दिलीप पांडेय, जिला महामंत्री हरीश विश्वकर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मंचासीन रहे। भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा एवं जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 9 सितंबर को मंडल स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित होंगी तथा योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचकर उनके अनुभवों और जीवन में आए बदलाव की कहानियों को सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ धरातल पर उतारने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेता मिथलेश पयासी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में लंबे समय तक जनसेवा की है। मुख्य वक्ता मध्यप्रदेश मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष और कार्यक्रम के प्रदेश सह संयोजक विनोद गौंटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब, दलित, आदिवासी और समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन स्तर में व्यापक परिवर्तन आया है। जिला संगठन प्रभारी राजेन्द्र पाण्डेय ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

मानपुर सहित क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था हुई बदहाल, शासन-प्रशासन जल्द ले संज्ञान..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

स्वास्थ्य सुविधा को बढ़ावा देने के लिये सरकार कड़े कदम उठा रही है - की खबर जोरों से है, जब कि मौके पर कुछ और दिख रहा है। मध्य प्रदेश के उमरिया जिला में स्वास्थ्य सुविधा की दसा बड़ी दयनीय है, यहां मानपुर ब्लॉक की स्वास्थ्य सुविधा तो बत्तर हो चुकी है, जब कि राष्टीय उद्यान बांधवगढ़ मानपुर में ही स्थित है, मानपुर विधान सभा क्षेत्र मुख्यालय है जिस विधान सभा में हमेशा से बीजेपी के उम्मीदवार विजय हांशिल करते आ रहे हैं। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री रीवा निवासी विधायक जी हैं जो प्रदेश के उप मुख्यमंत्री के पद पर कार्यरत हैं, यही मानपुर क्षेत्र से संटा हुआ शहडोल जिला के प्रभारी मंत्री भी हैं, जिस के बाद भी इस क्षेत्र स्वास्थ्य शुविधा में पिछले कई वर्षों से ग्रहण लगा हुआ है, वहीं लोगों का मानना है कि मानपुर, उमरिया क्षेत्रीय स्वास्थ्य शुविधा ब्यवस्था के बत्तर दसा की जानकारी क्या मध्य प्रदेश सरकार और यहां के स्वास्थ्य मंत्री के संज्ञान में न हुआ होगा .? उमरिया जिला के प्रथम ब्लॉक है जिसका उत्तर में बाण सागर बांध के डूब से प्रभावित क्षेत्र भी है। मानपुर में 06 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं तकरीबन 40 उपस्वास्थ्य केन्द्र बड़े बड़े भवन युक्त हैं।

मानपुर ब्लॉक क्षेत्र में कुल 03 डॉक्टर हैं उन्हीं में से एक डॉक्टर को बीएमओ का कार्य भी सौंपा गया है द्य महिला एवं जच्चा बच्चा शुरक्षा की बात करने वाली सरकार द्वारा मानपुर क्षेत्र के लिये 20 सों साल से एक रेगुलर महिला चिकित्सक भी नहीं दिया गया है, इस क्षेत्र में शिशु विशेषज्ञ डॉक्टर भी नहीं है। मानपुर को शिविल हॉस्पिट की दर्जा प्राप्त करने के लिये क्षेत्र से लगातार मांग पर मांग उठ रहे हैं, जिसके बाद भी कोई सुधार न होने से क्षेत्रीय लोगों में असंतोस झलकने लगा है।

सूत्रों की माने तो क्षेत्रफल, जनसंख्या और गरीब क्षेत्र जैसे सभी स्थित में मानपुर शिविल हॉस्पिटल बनने योग्य हो चुका है। इस क्षेत्र के किसी भी स्वास्थ्य केन्द्र में ष्डायलिसिस मशीन, सोनोग्राफी, ईसीजी मशीन एवं शव वाहन तक नहीं है, जिन ब्यवस्थाओं की अति जरूरत बन चुकी है। वहीं लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों में जरूरत मंद उपयुक्त दवाइयों के भंडारण की कमी बनी रहती है, जहां डॉक्टरों द्वारा वही दवाई लिखा जायेगा जो भण्डारण में होगा जो दवा कितना कारगर होगा कौन जान सकता है, इसी लिये यहां के स्वास्थ्य केन्द्रों से मरीजों के अक्सर सीघ्र रिफेयर कर दिया जाता है। यहां बीपी मशीनों, चादर, कम्बल, तकिया, सफाई कार्य, बैठक ब्यवस्था, पर्याप्त स्वचछ पानी की कमी बने रहना कोई नई समस्या नहीं है।

इनका कहना है

जिले में 127 डॉक्टक्टरों के पद हैं जब कि यहां कुल 23 डॉ. पदस्थ हैं शेष पद रिक्त हैं। मानपुर के सांथ पूरे उमरिया जिला के स्वास्थ्य सुविधा की जानकारी एवं रिक्त पदों पर रेगुलर डॉक्टर, क्षेत्रीय लोगों के मांग की जानकारी शासन-प्रशासन तक हमेशा से भेजा जा रहा है, क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा ब्यवस्था में लग्नसील है।

डॉ. व्हीएस चंदेल, सीएमएचओ उमरिया

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आज गूंजेगा उमरिया में मटकी फोड़ का उल्लास

उमरिया (स्वतंत्रमत)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और माखन चोरी की परंपरा को जीवंत करते हुए पैराडाइज क्लब उमरिया द्वारा 8 सितंबर मंगलवार को स्थानीय गांधी चौक में बहुप्रतीक्षित मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 6 बजे से होगा। जिले की सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों में निरंतर सक्रिय पैराडाइज क्लब द्वारा आयोजित यह आयोजन उमरिया की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। विगत 26 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही यह प्रतियोगिता इस वर्ष अपने 27वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। हर वर्ष की तरह इस बार भी जिले की विभिन्न गोविंदा टोलियां उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में शामिल होंगी। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में गोविंदा टोलियां मानव पिरामिड बनाकर ऊंचाई पर लटकी मटकी तक पहुंचने का प्रयास करेंगी। एक टोली के सफल होने तक यह रोमांचक मुकाबला जारी रहेगा। गोविंदाओं के साहस, सामूहिक प्रयास, उत्साह और अद्भुत संतुलन का यह प्रदर्शन दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा।

तेज रफ्तार बोलेरो घर में घुसी, 1 युवक की दर्दनाक मौत, कई की हालत गंभीर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। अमरपुर थाना अंतर्गत हायर सेकेंडरी विद्यालय के सामने एक नई बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित स्थानीय लल्ला कोल के मकान में जा घुसी ।टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई,हादसे में एक स्थानीय युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत होने की खबर है,जबकि घर में मौजूद लोगों सहित कुल पांच लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है ।घायलों में स्थानीय अमरपुर निवासी गोविंद गौतम और भोलू सिंह के नाम सामने आए हैं ।इनके अलावा भी कुछ लोगों के घायल होने की जानकारी है,हालांकि समाचार लिखे जाने तक उनके नाम सामने नहीं आ सके थे ।दुर्घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के जिला प्रबंधक सत्येंद्र कुमार वर्मा ने तत्काल एंबुलेंस को घटनास्थल के लिए रवाना किया ।108 एंबुलेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को प्राथमिक सहायता दी और उन्हें नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र बरही पहुंचाया गया है,जहां फिलहाल इलाजरत है।

कर्मचारियों को मिले रेनकोट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए सरकार ने सभी जिलों में बाढ़ और जलभराव से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद स्थानीय स्तर पर भी व्यवस्थाएं मजबूत की जा रही हैं इसी क्रम में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए गए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए इनमें महिला और पुरुष सफाई कर्मचारियों के लिए अलग-अलग रेनकोट उपलब्ध कराए गए।

सेवा संकल्प अभियान बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व सेवा सुशासन और समर्पण के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 17 सितम्बर से 18 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिला भाजपा कार्यालय में एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक संपन्न हुई कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों द्वारा देश के गौरव और संगठन के प्रेरणापुंज डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया गया।

लापता युवक का मिला शव

मण्डला/अंजनिया(स्वतंत्र मत)। अंजनिया चौकी क्षेत्र में तीन दिन से लापता 21 वर्षीय युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब से शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सिझोरा निवासी चंद्रजीत मरावी उर्फ गोलू के रूप में हुई है। युवक के शव मिलने के बाद परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच मांग की है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल भवन की दीवार गिरी

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)। घुघरी विकासखंड के इमलीटोला स्थित प्राथमिक शाला भवन का एक कोना अचानक गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय बच्चे इसकी चपेट में नहीं आए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्कूल भवन का हिस्सा गिरने की घटना ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और जर्जर भवनों की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन काफी समय से जर्जर हालत में है। भवन की स्थिति को लेकर पिछले करीब दो वर्षों से लगातार जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी दी जा रही थी।

तेज बहाव में फंसी कार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के बंधा पुल पर बड़ा हादसा टल गया जब पुल के ऊपर तेज बहाव के साथ पानी बहने के बावजूद तीन युवकों ने कार से पुल पार करने का प्रयास किया। पानी का बहाव तेज होने के कारण अर्टिगा कार नाले के बीचों-बीच फंस गई और उसमें सवार तीनों युवक जान के खतरे में पड़ गए। बताया जा रहा है कि तीनों युवक नगर नैनपुर के निवासी हैं और मंडला से डिठौरी मार्ग होते हुए नैनपुर जा रहे थे।

शिक्षकों का हुआ सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों को जिला मुख्यालय में स्थित शिक्षक सदन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमति मुन्नी वरकड़े सहायक संचालक श्री सेन्द्राम सेवानिवृत्त शिक्षक अरविन्द शुक्ला की उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संभागीय अधिवेशन में पत्रकार हितों पर हुआ मंथन, नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का जबलपुर संभागीय महाधिवेशन कचनार क्लब जबलपुर में सम्पन्न हुआ। इस महाधिवेशन में जबलपुर संभाग के साथ मंडला, कटनी, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, नरसिंहपुर एवं करेली सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के पूर्व मातृशक्तियों ने पत्रकारों का तिलक वंदन करते हुए पुष्पवर्षा की। यहां पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वालन किया गया और महाअधिवेशन का शुभारंभ हुआ। जबलपुर जिला अध्यक्ष राहुल शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराया तो वहीं अतिथियों का पुष्पमाला अंग वस्त्र से सम्मान किया गया। महाधिवेशन को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद जबलपुर आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, विधायक अभिलाष पांडेय, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, पूर्व मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार गंगा पाठक, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम शंकर तिवारी, संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा एवं संभागीय महासचिव संजय मिश्रा सहित विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

मंडला के पत्रकारों ने की सहभागिता

संभागीय महाधिवेशन में मंडला जिले की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही। मंडला जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के अनेक पत्रकार साथी जबलपुर पहुंचे और अधिवेशन में शामिल हुए। मंडला के पत्रकारों ने पत्रकार हितों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखते हुए संगठन की गतिविधियों को मजबूत बनाने और जिले के पत्रकारों को एकजुट रखने का संकल्प लिया। इस दौरान मंच से मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में मंडला जिले के चार पत्रकारो को नवीन दायित्व सौंपे गए निवास पिपरिया निवासी रोहित चौकसे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वही मंडला मुख्यालय निवासी रोहित बघेल जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। इसी कड़ी में दीपक कछवाहा को मंडला तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं युवा पत्रकार दीपक रजक को जिला मीडिया प्रभारी घोषित किया गया है। चारों पत्रकारों को राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने पुष्पमाला पहनाते हुए शपथ दिलाई। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश दुबे, जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, संरक्षक हनुमान तिवारी, समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, दीपक कछवाहा, रोहित बघेल, ओम बरमैया, किशोर रजक, दीपक रजक, राजेश यादव, साकिर खान, राजेन्द्र बंजारा, आशीष वैष्णव, फारूख खान, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति सुनीता सैयाम, श्रीमति दीप्ती नरेलिया, रक्षा नामदेव, रोहित चौकसे, महेन्द्र झारिया, आकाश पटैल, अजय श्रीवास्तव, वीरेन्द्र पटैल, गजेन्द्र पटैल, निशांत पटैल, शुभम बैरागी, रजनीश मारूवंश, शोभित रावत, हसीब खान, हीरा उईके, आकाश चक्रवर्ती, अनिल रजक, शौकत अली, सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से 11 सूत्रीय मांग

महाधिवेशन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तैयार किए गए 11 सूत्रीय मांग पत्र का वाचन किया। मांग पत्र में पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से शामिल किया गया। इस दौरान कहा गया कि पत्रकारों की समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके निराकरण के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार हितों से संबंधित विषय केवल किसी एक जिले या संगठन तक सीमित नहीं हैं बल्कि प्रदेशभर के पत्रकारों से जुड़े हुए हैं।

नवनियुक्त संभागीय पदाधिकारियों ने ली शपथ

महाधिवेशन का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की जबलपुर संभागीय इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रहा। प्रदेश संगठन सचिव अनुरोध पटेरिया ने संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा, महासचिव संजय मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं सतीश शर्मा, मुख्यालय उपाध्यक्ष सुजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष मीना चौधरी, रामजी चौधरी, मंडला संतोष बंटी पांडे, ओ.पी. दुबे, ब्रजेश मिश्रा, शिवराम वर्मन, प्रखर पाठक एवं अनुरूप सिंह तोमर को शपथ दिलाई इसके साथ ही संभागीय संगठन सचिव अनुराग दीक्षित, संभागीय सचिव एवं सदस्यता प्रभारी शिव चौरसिया, संभागीय सचिव प्रशांत शुक्ला, हरि सिंह ठाकुर, अजय खरे, किशोर दानी एवं सतीश लवानिया, मीडिया प्रभारी उदय सिंह बैंस तथा सह-मीडिया प्रभारी जितेंद्र वैष्णव ने भी संगठन के प्रति निष्ठा और पत्रकार हितों के लिए कार्य करने की शपथ ली। महाधिवेशन का आयोजन राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय संरक्षक गंगा पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश तिवारी, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रजत गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव देव शंकर अवस्थी, राष्ट्रीय प्रवक्ता गंगा चरण मिश्रा एवं राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य उमेश शुक्ला के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, प्रदेश संयोजक मदन अवस्थी, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, प्रदेश सचिव कमलेश गुप्ता एवं संतराम केवरे, प्रदेश अनुशासन समिति प्रभारी के.जी. शर्मा, समाज कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी शिवकुमार तिवारी सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विभूतियों का हुआ सम्मान

महाधिवेशन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया गया। न्यायिक क्षेत्र से जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष ताम्रकार, पुलिस विभाग से नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश गौर, नगर पुलिस अधीक्षक महादेव नागोतिया, थाना प्रभारी उमेश गोहलानी एवं थाना प्रभारी नितिन कमल को सम्मानित किया गया इसी क्रम में उद्योग विभाग से महाप्रबंधक विनीत रजक, आलोक पाठक तथा प्राचार्य एडवोकेट ठाकुर चरण सिंह को भी सम्मान प्रदान किया गया। स्टेट बार काउंसिल में भारी मतों से निर्वाचित एडवोकेट आर.के. सिंह सैनी तथा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सचिव असीम त्रिवेदी का भी सम्मान किया गया।

डूडादेई में बाघिन को देखकर भागे ग्रामीण

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)

जिले के घुघरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत डूडादेई के बूड़नेर नदी के जंगल में बाघों की मौजूदगी से हड़कंप मचा हुआ है। बाघ ने एक किसान के बैल को मार डाला है और अब जंगल में बाघ के बच्चे भी देखे गए हैं। घटना के बाद से पूरा गांव दहशत में है जानकारी के अनुसार किसान फुंदी लाल नंदा अपने मवेशियों को बूड़नेर नदी के जंगल में चरा रहे थे। तभी घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उसके बैल पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में बैल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही ग्राम पंचायत सरपंच ने तत्काल वन विभाग घुघरी और घुघरी पुलिस थाना को सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत बैल का पंचनामा किया बैल के शव के बारे में पता न चलने पर 6 सितंबर को ग्रामीण परेशान हुए। इसके बाद रविवार सुबह हरेसिंह आयाम अपने भाई के साथ बैल की खोज में जंगल गए। जंगल में अंदर जाते ही उन्हें झाड़ियों के बीच बाघ का एक शावक बैठा हुआ दिखा शावक को देखकर दोनों के होश उड़ गए और वे जान बचाकर जंगल से भागे ग्रामीणों का मानना है कि जंगल में बाघिन अपने 2-3 शावकों के साथ है बाघिन और शावकों की मौजूदगी की खबर से डूडादेई सहित आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। सरपंच ने ग्रामीणों से अपील की है कि अगले कुछ दिन तक कोई भी व्यक्ति अकेले जंगल में न जाए और मवेशियों को भी जंगल में चराने न ले जाए ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में हाथी गश्त और ट्रैप कैमरे लगाए जाएं मुनादी कराकर लोगों को जागरूक किया जाए और पीड़ित किसान फुंदी लाल नंदा को शासन की वन्य प्राणी द्वारा जनहानि पशुहानि मुआवजा योजना के तहत जल्द से जल्द मुआवजा प्रदान किया जाए।

हनुमान अंश देख कार्यकर्ता हुए भावविभोर

मण्डला(स्वतंत्रमत)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 7 सितंबर को किंगफिशर मल्टीप्लेक्स में पूज्य संत नीम करौली बाबा महाराज के जीवन उनकी आध्यात्मिक साधना भक्ति सेवा और मानव कल्याण के संदेशों पर आधारित फिल्म हनुमान अंश भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को दिखाई गई सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फिल्म देखी कार्यकर्ताओं को बाबा नीम करौली महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। फिल्म में बाबा के जीवन से जुड़े प्रसंगों और उनके चमत्कारों को देखकर कार्यकर्ता भाव-विभोर नजर आए तो वहीं कई दर्शकों की आंखें भी नम हो गईं इस दौरान प्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके भी उपस्थि रही। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा में संतों का विशेष स्थान रहा है पूज्य नीम करौली बाबा महाराज का जीवन त्याग, तपस्या, भक्ति और सेवा की प्रेरणा देता है वही किंगफिशर मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बाबा के चमत्कारों और उनके जीवन दर्शन को पर्दे पर देखकर कई कार्यकर्ता भावुक भी नजर आए इस अवसर पर भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, जनप्रतिनिधि सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मण्डला/(स्वतंत्रमत)

आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को पर्यावरण के अनुकूल मनाने एवं नदी-तालाबों सहित जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से मप्र जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय माटी गणेश एवं सिद्ध गणेश निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक राशि अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाने की व्यावहारिक जानकारी दी। इस अवसर पर परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले एवं सुरेश सोनी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों से कहा गया कि वे माटी गणेश निर्माण की कला को अपने-अपने गांवों में अन्य लोगों तक पहुंचाएं और उन्हें पर्यावरण अनुकूल गणेश चतुर्थी मनाने के लिए प्रेरित करें।

सामाजिक बहिष्कार की धमकी पर शिकायत

मण्डला(स्वतंत्रमत)

ग्राम तिलईपानी निवासी ओमकार यादव ने सामाजिक भोज एवं धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कुछ ग्रामीणों द्वारा कथित रूप से दबाव बनाने सामाजिक बहिष्कार की धमकी देने और परिवार का हुक्का-पानी बंद करने की धमकी दिए जाने की शिकायत पुलिस से की है। शिकायतकर्ता ने मामले में संबंधित लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही मांग की है पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार ओमकार यादव ने बताया कि उनके बड़े भाई उत्तम यादव का 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उनके शुद्धिकरण एवं क्रियाकर्म के बाद 31 अगस्त 2026 को सामाजिक भोज आयोजित किया जाना था। इसी कार्यक्रम के लिए गांव-समाज के लोगों और अन्य रिश्तेदारों को आमंत्रित किया जा रहा था शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच गांव के पंचगण जाति समाज के लोग एवं रिश्तेदार मौजूद थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने शिकायतकर्ता और उनके भतीजे से कथित तौर पर कहा कि गांव के भागचंद यादव एवं मुरारी लाल यादव को सामाजिक भोज एवं दशगात्र कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाए। आरोप है कि यदि उन्हें आमंत्रित किया गया तो समाज के पंचगण उनके कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे और गांव के अन्य लोगों को भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पूरे परिवार का हुक्का-पानी बंद करने की धमकी दी गई शिकायतकर्ता का कहना है कि गांव में किसी व्यक्ति द्वारा शिकायत किए जाने पर संबंधित मामले का समाधान गांव के पंचों द्वारा ही किए जाने की बात कही जाती है साथ ही आरोप लगाया गया है कि कुछ मामलों में लोगों पर दबाव बनाकर आर्थिक शोषण भी किया जाता है आवेदन में शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह और आवेदन में उल्लेखित सभी लोग ग्राम तिलईपानी थाना तहसील एवं जिला मंडला के निवासी हैं तथा एक ही जाति समाज से संबंधित हैं। शिकायत कर्ता ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर कथित रूप से धमकी देने वाले लोगों के विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

गाइड्स का चल रहा प्रशिक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)

कान्हा टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मुक्की अंतर्गत नेचर गाइड्स के कौशल एवं संचार क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से इको टूरिज्म बोर्ड, मध्यप्रदेश एवं कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा 15 दिवसीय इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स का आयोजन किया जा रहा है उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अगस्त को हुआ प्रशिक्षण में परिक्षेत्र मुक्की के 59 नेचर गाइड्स सहभागिता कर रहे हैं प्रशिक्षण का उद्देश्य नेचर गाइड्स को देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के साथ प्रभावी ढंग से अंग्रेजी भाषा में संवाद करने वन्यजीवों एवं जैव-विविधता से संबंधित जानकारी को सरल एवं प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने तथा पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक भाषा एवं संचार कौशल प्रदान करना है यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 सितंबर को समाप्त होगा।

शिक्षिकाएं सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्रमत)

शिक्षक दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब द्वारा तनख्वाह मेमोरियल स्कूल की शिक्षिकाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए समर्पण धैर्य और जुझारूपन के साथ कार्य कर रही शिक्षिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की प्रेसिडेंट अनीता गोयल, सरिता इसरानी, अनीता राय, नीता डोंगरे सहित विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

सांसद ने जताया शोक

मण्डला(स्वतंत्रमत)

सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते महाराजपुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता एवं चेतावनी अखबार के संपादक जाकिर भाईजान के निवास पर पहुंचे इस दौरान उन्होंने कुछ माह पूर्व दिवंगत हुई जाकिर भाईजान की बहू के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया जाकिर भाईजान की बहू के निधन के बाद परिवार में उनकी दो बेटियां रह गई हैं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने दोनों मासूम बेटियों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उन्हें दुलार करते हुए अपना स्नेह एवं आशीर्वाद दिया।

जेवनारा ग्राम में घर-घर विक्रय की जा रही शराब

आबकारी अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा पूरा खेल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर नगर व पिंडरई में देशी व विदेशी शराब का ठेका शासन के ठेका प्रक्रिया के तहत ठेकेदार को लायसेंस दिया गया है परंतु शराब ठेकेदार के द्वारा विकास खंड नैनपुर के 74 ग्राम पंचायतों के ग्रामों में अवैध शराब बेची जा रही है। इसके अलावा नगर नैनपुर के 15 वार्डो में एक नहीं अनेक स्थानों में शराब बेची जा रही है। जिसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में करने पर दो-चार लोगों पर कार्रवाई कर सीएम हेल्पलाइन बन्द कर दी जा रही है। परंतु अवैध शराब के विक्रय पर रोक नहीं लग पा रही है । चांदी के शिक्को की चमक में जिला आबकारी अधिकारियों को अवैध शराब का क्रय-विक्रय किया जा ना दिखाई नहीं दे रहा है। नैनपुर नगर से लगे ग्राम जेवनारा में बड़ी संख्या में शराब बेचने का काम किया जा रहा है । सूत्रों का कहना है कि जेवनारा में अंग्रेजी शराब से लेकर कच्ची शराब जितनी चाहिए उतनी मिल जाया करती है जिससे नैनपुर से पिंडरई का रास्ता रात भर चलता है ग्राम वासियों का कहना है कि शराबियों और विचोलियो के कारण ग्राम का माहोल खराब हो रहा है साथ ही घटना दुर्घटना होने की सम्भावना भी बनी हुई है । ग्राम के लोग भय के साए में जीवन यापन कर रहे हैं। जिसकी शिकायत 112 पुलिस को भी आये दिन किया जाता आ रहा है परंतु शराबियों और शराब विक्रेताओ पर कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। ग्राम वासियों का कहना है कि आबकारी विभाग के अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

संपादकीय

‘आधा गिलास खाली’

5 सितंबर को ‘शिक्षक दिवस’ के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शिक्षकों को ‘नियति का निर्माता’ करार दिया है, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से मुलाकात की। उनके साथ हल्के-फुल्के पल भी जिए। बच्चों के संदर्भ में स्क्रीन टाइम और नशे की लत से बचाने की नसीहत भी दी। इसी दिन प्रख्यात श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का ‘शताब्दी समारोह’ भी मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों की युवा पीढ़ी, जेन-जी, को संबोधित भी किया। अपेक्षा थी कि प्रधानमंत्री शिक्षा, स्कूल, परीक्षा और रोजगार पर सरकार की नीतियों और विचाराधीन कार्यक्रमों, योजनाओं पर कुछ साझा करेंगे, लेकिन उनका संबोधन 2013 की स्थितियों और ‘आधा गिलास खाली’ की राजनीति पर ही केंद्रित रहा।

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि 2014 से पहले का कालखंड निराशा, हताशा के दलदल में फंसा था, घोटाले चरम पर थे, विकास फर्श पर और महंगाई अर्श पर थी। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप इंटरनेट खोल कर सब कुछ पढ़ और जान सकते हैं कि तब हालात क्या थे? दरअसल हमारा सवाल यहीं उभरता है कि क्या अध्ययनरत छात्रों का यही सरोकार होना चाहिए? उन्हें शिक्षा, परीक्षा, रोजगार के प्रति आश्वस्त नहीं किया जाना चाहिए था? प्रधानमंत्री का संबोधन था, न कि एक विशुद्ध राजनेता छात्रों के साथ संवाद! देश में स्कूली शिक्षा और आधारभूत ढांचे का यथार्थ देखें तो 2014-25 के दौरान 1.02 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं और 1.04 लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है। क्या वह अपने शिक्षक-धर्म को निभा सकता है? करीब 70,000 स्कूलों में शौचालय की सुविधा नहीं है, 55083 स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है, 4.08 लाख स्कूलों में कम्प्यूटर की व्यवस्था नहीं है, 46345 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है और देश के 48 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों से ही शिक्षित होने को बाध्य हैं। करीब 48 फीसदी छात्र 12वीं कक्षा तक पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। ऐसे यथार्थ में हम एक पर्याप्त पढ़ी-लिखी, हुनरमंद जेन-जी की पीढ़ी कैसे पैदा कर सकते हैं? ऐसे कई आंकड़े प्रधानमंत्री मोदी के ध्यान में होंगे!

बहरहाल, छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सरकार की खूब गालबजाई की। पहली तिमाही की विकास दर 7.8 फीसदी को ‘अतुलनीय’ और वैश्विक करार दिया। प्रधानमंत्री ने करीब 60 करोड़ जन-धन खातों, देश की 50 फीसदी आबादी के बैंक खातों, करीब 2.5 लाख करोड़ रुपए के मोबाइल निर्यात, करीब 2 लाख करोड़ रुपए के रक्षा उत्पादन और करीब 40,000 करोड़ रुपए के रक्षा-निर्यात, रेलवे के 100 फीसदी विद्युतीकरण के साथ-साथ नक्सलवाद के खात्मे और ‘दिमागी नक्सल’ की होम्योपैथिक गोली आदि का भी उल्लेख किया। ये उल्लेख प्रधानमंत्री करते भी रहे हैं तथा किसी और मौके पर जिक्र कर सकते थे। रोजगार के संदर्भ में सिर्फ यही कहा-‘अवसर पैदा हो रहे हैं।’ प्रधानमंत्री यह भी जानते होंगे कि केंद्र सरकार में अब भी 8,23,556 स्वीकृत पद खाली पड़े हैं। रक्षा मंत्रालय और रेलवे में ही करीब 2.41 लाख पद रिक्त हैं। सरकार इन पदों पर नियुक्तियां क्यों नहीं करती? आखिर देश की अर्थव्यवस्था 4.15 ट्रिलियन डॉलर की है और यह सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था भी हैं। गौरतलब यह भी है कि 2005-23 के दौरान 21 राज्यों में कुल 220 परचे लीक हुए, नतीजतन करीब 10 करोड़ छात्र उनसे प्रभावित हुए। ‘शिक्षक दिवस’ कुल 1 करोड़ से अधिक अध्यापकों, शिक्षकों को समर्पित घोषित किया जाता है। यदि प्रधानमंत्री भी शिक्षा, स्कूल, परीक्षा, रोजगार की बात नहीं करेंगे, तो पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अधूरी और रस्मी ही होगी।

री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है

कॅरियर की अंधी दौड़ में हांफती युवा पीढ़ी!

प्रो. संजय द्विवेदी

भारत युवाओं का देश है। जाहिर है ऐसे देश की चिंताएं बहुत अलग होती हैं। उसकी ज्यादातर आबादी को शिक्षा, रोजगार और सुंदर जीवन की कामना होती है। उनकी महत्वाकाक्षाएं, अवसरों की होड़ और दौड़। पाने की खुशी और न मिलने का आक्रोश सब साझा होते हैं। करियर में सफल होने, जल्दी और ज्यादा पाने की कामनाएं इस दौर का मूल्य हैं। ऐसे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को गहरी चुनौती है। संकट के बादल गहरे हैं। समाधान के सूत्र न्यूनतम।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है।

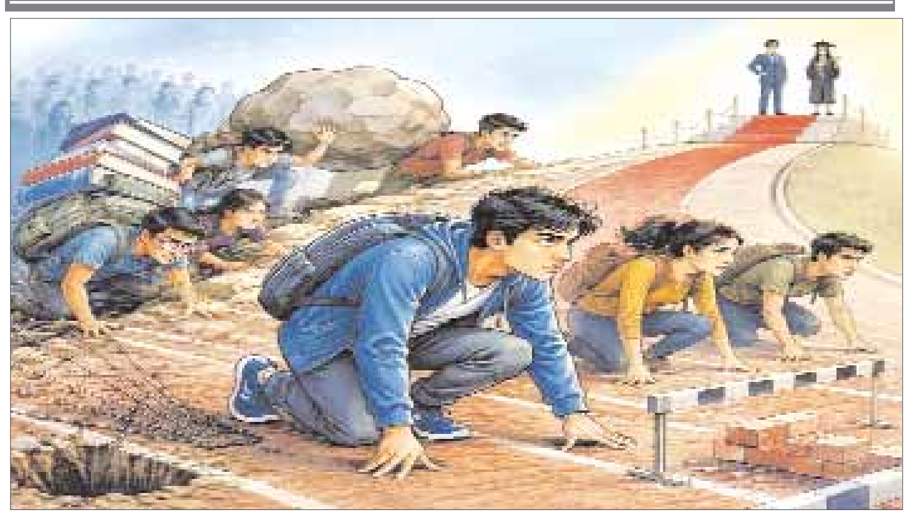

बदलती कार्य संस्कृति

सरकारों में नौकरियों के दरवाजे सिकुड़ रहे हैं। ज्यादातर नौकरियां निजी क्षेत्रों में ही हैं। नौ से पांच बजे की पक्की नौकरियां अब स्वप्न ही हैं। उनकी जगह गिग इकोनामी (फ्री लांस, कांट्रैक्ट वर्क) ने ले ली है। आर्थिक स्वतंत्रता की तो छोड़िए यह माडल भविष्य की अनिश्चितता और वित्तीय अस्थिरता भी ला रहा है, जिसके नाते बढ़ता मानसिक तनाव और अवसाद संकट को गहरा कर रहा है। हिंदुस्तान अलग तरह से चलता रहा है। परिवार इसकी प्राणवायु रहे हैं। परिवार का कोई एक आदमी नौकरी पर रहता था, शेष अपने घर-इलाके-गांव में बैठकर स्थानीय स्तर पर जो कर सकते थे करते थे। परिवार की छाया में सुरक्षा थी, संरक्षण था, बच्चों को संस्कारित करने के पारिवारिक उपक्रम थे। नई व्यवस्था ने एक परिवार में कई परिवार खड़े कर दिए हैं। इससे एक की जगह अब चार परिवार, चार चूल्हे और चार व्यवस्थाएं खड़ी करनी पड़ रही है। आप कितना भी कमा रहे हैं वह कम ही है। इसने नई पीढ़ी को ईएमआई के दुष्चक्र में फंसा कर नई व्यवस्थाओं का गुलाम बना दिया है। परिवार व्यवस्था भारत की संस्कृति का आधार रही है। वह संस्कारशाला भी है। नएस्थान तलाशें

कार्य और जीवन का संतुलन

कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हमारे सामने नई चुनौतियां पेश की हैं। वे बेहतर सहायक से ज्यादा तनाव के वाहक हैं। युवाओं में एआई के कारण नौकरियां जाने और खुद के अप्रासंगिक हो जाने का भय बैठ गया है। वे इस पूरे दृश्य को बहुत चिंता से देख रहे हैं। री-स्किलिंग का दबाव उन्हें गहरे भय में डाल रहा है। इससे मानसिक थकान होना स्वाभाविक ही है। इस समय सबसे बड़ी चिंता कार्य और जीवन संतुलन की है। वर्क फ्राम होम और डिजिटल कनेक्टिविटी ने सारा कुछ बदलकर रख दिया है। काम के घंटे अब प्राय: 24 घंटे ही हैं। देर रात तक ई-मेल, रिर्पोट्स और मैसेज का जवाब देते हुए युवा ‘आलवेज आन’ मोड में रहते हैं। जिससे पारिवारिक जीवन, व्यक्तिगत समय और नींद सब प्रभावित हो रही है। बर्नआउट की बढ़ती दर, काम के अनिश्चित घंटे, स्पर्धा का वातावरण और टारगेट पूरे करने का दबाव साथ चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्लूएचओ) ने बर्नआउट को प्रोफेशनल बीमारी मान लिया है। यह अब भारतीय कारपोरेट जगत में एक अनिवार्य समस्या बन गयी है।

सोशल मीडिया से बनती छवियां

सोशल मीडिया ने समाज में अलग तरह की स्पर्धा की छवियां प्रस्तुत की हैं। अपने सुखद, आनंद के क्षणों को वायरल करने की बीमारी दूसरे की पीड़ा का कारण बन जाती है। किसी की बड़ी पदस्थापना, उसकी पार्टियां, रील्स, पर्यटन की तस्वीरें, महंगी जीवनशैली का विज्ञापन करना, सफलताओं के हाईलाइट्स देखकर तुलना और स्पर्धा की बातें तेज होती हैं। इससे हीनभावना और तनाव का जन्म भी होता है। परिजन और बच्चे भी अपने पालकों से ऐसी ही जीवन शैली की अपेक्षा करते हैं। ऐसे समय में युवाओं के लिए तनाव प्रबंधन की विधियां समझने और उन्हें जीवन की ठोस सच्चाइयों से जोड़ने की जरूरत है। योग, ध्यान के अनेक अभ्यास जीवन में शांति ला सकते हैं। जिंदगी के हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तन ला सकते हैं। रील्स की तुरंतवादी जीवनशैली और जीवन के सतत संघर्ष को समझने की जरुरत है।सोशल मीडिया से प्रक्षेपित हो रही छवियों से प्रभावित होने के बजाए, लोगों के संघर्ष और उससे उपजी सफलताओं के पाठ भी पढ़े जाने चाहिए।

उद्यमिता और उसके जोखिम

नए समय ने युवाओं को उद्यमिता के गुर दिए हैं। यह पीढ़ी जोखिम उठाने और सफलताओं के नए शिखर छूने वाली पीढ़ी है। इसके मंत्र अलग हैं। वे जल्दी से सफलताओं के नए क्षितिज को छूना चाहते हैं। छू भी रहे हैं। कम आयु में उनकी सफलताएं विस्मित करने वाली हैं। उनके स्टार्टअप धूम मचा रहे हैं। सफलता की बड़ी कहानियां लिख रहे हैं। प्रेरित कर रहे हैं। इसके दूसरे पक्ष का विचार भी जरूरी है। हमें पता है कि 90 प्रतिशत से अधिक स्टार्टअप शुरुआती सालों में ही अन्यान्य कारणों से विफल हो जाते हैं। विफलता का डर, निवेशकों का दबाव, फंडिंग का संकट संस्थापकों और शुरुआती कर्मचारियों में मानसिक तनाव पैदा कर ही देता है।

इतने बड़े देश में हर साल लाखों युवा हाथ काम मांगने के लिए खड़े हो जाते हैं। उनके पास डिग्रियां भी होती हैं। किंतु वे कौशल युक्त नहीं होते। वे डिग्रीधारी हैं किंतु किसी काम के नहीं हैं। बाजार की जरूरतें अलग हैं, उनके कौशल अलग हैं। ऐसे में बहुत योग्य लोगों को भी अपेक्षित नौकरी नहीं मिल पाती, अच्छे वेतन की तो जाने ही दीजिए। युवाओं के ज्यादातर संकट वास्तविक हैं। वे जानकारी से भरपूर हैं, उनके पास अवसरों का जनतंत्र है। आकांक्षाओं की बाढ़ है। वे सूचनाओं से लदे-फंदे हैं। यह ज्यादा सूचनाएं भी दुख और भ्रम का कारण बन रही हैं। आकांक्षाओं का बड़ा आकाश उतनी ही गहरी निराशा लेकर लाता है। यह साधारण नहीं है कि आईआईटी के विद्यार्थी आत्महत्या कर रहे हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का अवसान उनके परिवार,देश और समाज के लिए भी बड़ी क्षति है। परीक्षाओं में मिलती असफलताएं, लीक होते प्रश्नपत्र, परीक्षाओं की नष्ट होती शुचिता, सरकारी- प्रशासनिक तंत्र की कदाचार रोकने की विफलताओं ने युवाओं को गहरी चिंताएं दी हैं। शिक्षा के निजीकरण और उससे उपजे बाजारीकरण ने हालात बहुत बदल दिए हैं। महंगी शिक्षा के लिए परिवार कर्ज में डूब रहे हैं। प्रतिभा पलायन का संकट तो है ही। समाज में यह बात बहुत गहरे पैठ रही है इस देश में प्रतिभाशाली युवाओं की जगह नहीं बची है। यह तथ्य नहीं किंतु गहराई से फैलती धारणा है। आप बिना जुगाड़ के इस व्यवस्था में सफल नहीं हो सकते। किसी राष्ट्र जीवन में ऐसी धारणाएं ठीक नहीं हैं। हमें समझना होगा कि राष्ट्र से हम सबकी सामूहिक आकांक्षाएं,साझे प्रयासों से ही फलीभूत होंगी। भारत की आजादी के आठ दशक अभूतपूर्व प्रगति, एकत्व और जीवंत लोकतंत्र के प्रमाण हैं। हर राष्ट्र जीवन में चुनौतियां होती हैं, उससे जूझकर हम अपने संकटों का हल खोजते हैं। देश की युवा पीढ़ी भी अपने संकटों के बीच इस राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित प्रश्नों के ठोस और वाजिब हल जरुर तलाशेगी। युवा शक्ति की तेजस्विता, नवाचारों और आत्मविश्वास को देखकर यह विश्वास सहज ही होता है।

हनुमान अंश : भारत की जड़ों से संवाद करती फिल्म

सुरेश हिंदुस्तानी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत को समझना हो तो उसकी जड़ों तक जाना होगा और भारत की जड़ों को समझना हो तो उसकी आध्यात्मिक चेतना को अनुभव करना होगा। इसी चेतना का एक उज्ज्वल प्रतिबिंब है ‘हनुमान अंश’। यह केवल एक फिल्म नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन की उस धारा का सिनेमाई रूप है, जो मनुष्य को उसकी मिट्टी, उसकी आस्था, उसकी संस्कृति और उसकी आत्मिक पहचान से जोड़ती है। भारत वह भूमि है, जिसकी आत्मा प्रकाश में रमी हुई है। ‘हनुमान अंश’ इसी प्रकाश का एक चलचित्र है। इसकी चमक केवल पर्दे पर दिखाई देने वाली रोशनी नहीं, बल्कि दर्शक के भीतर जागने वाली अनुभूति है। यही कारण है कि यह फिल्म धीरे-धीरे दर्शकों के मन में स्थान बनाती गई और देखते ही देखते एक असाधारण सिनेमाई घटना में परिवर्तित हो गई। फिल्म की यात्रा भी अपने आप में एक कहानी है। शुरुआत में इसका प्रदर्शन सीमित रहा। प्रचार का विस्तार भी अपेक्षाकृत छोटा था। पहले दिन इसकी कमाई लगभग दस लाख रुपये रही और शुरुआती सप्ताह में भी इसकी गति साधारण रही। लेकिन भारतीय समाज की एक विशेषता है, जब कोई कथा उसके मन की गहराई को छू लेती है, तब उसके प्रचार का माध्यम स्वयं समाज बन जाता है। यही ‘हनुमान अंश’ के साथ हुआ। दर्शकों ने फिल्म देखी, अनुभव की और फिर उसके बारे में अपने परिवार, मित्रों और परिचितों से बात की। धीरे-धीरे वर्ड ऑफ माउथ ने वह काम किया, जिसे बड़े प्रचार अभियान भी हमेशा नहीं कर पाते। शो बढ़ने लगे, दर्शकों की संख्या बढ़ी और तीसरे-चौथे सप्ताह तक फिल्म ने ऐसी छलांग लगाई कि व्यापार विश्लेषक भी इसकी गति को असाधारण मानने लगे। एक रिपोर्ट के अनुसार चौथे सप्ताह तक फिल्म भारत में 70 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी थी और इसके शो शुरुआती संख्या से कई गुना बढ़ गए। आज उपलब्ध बॉक्स ऑफिस आंकड़े इस यात्रा को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। लगभग 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 100 करोड़ के आसपास की कमाई का आंकड़ा पार किया है। यह अनुपात अपने आप में भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। यहाँ प्रश्न केवल कमाई का नहीं है। असली प्रश्न है दर्शकों ने इसमें ऐसा क्या देखा, जो उन्हें बार-बार सिनेमाघर तक ले गया? उत्तर शायद इसकी कथा की आत्मीयता में छिपा है। ‘हनुमान अंश’ नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक प्रभाव से प्रेरित फिल्म है। उनके जीवन में भक्ति, सेवा, प्रेम, करुणा और मानवता के भाव प्रमुख रहे। फिल्म ने इन्हीं भावों को केंद्र में रखकर एक ऐसी कथा प्रस्तुत की, जिसमें आध्यात्मिकता जीवन से अलग दिखाई देने वाली अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली अनुभूति बन जाती है।

आज का युवा संसार अत्यंत तीव्र गति से बदल रहा है। तकनीक, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ ने जीवन की गति बढ़ाई है। ऐसे समय में मन को ठहराव देने वाली कथा, आत्मा को स्पर्श करने वाला विचार और अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों से जोड़ने वाला अनुभव स्वाभाविक रूप से आकर्षण पैदा करता है। ‘हनुमान अंश’ की लोकप्रियता में इसी भावभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। कुछ विश्लेषणों ने भी इसकी सफलता को ऐसी कहानियों के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि से जोड़ा है, जो उन्हें शांति और अपनी संस्कृति से जुड़ाव का अनुभव देती हैं। इस सफलता ने भारतीय फिल्म उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण विचार भी रखा है कि बजट फिल्म की भव्यता रच सकता है, लेकिन दर्शकों का प्रेम उसकी आत्मा तय करता है। बड़े सितारे, विशाल सेट, महंगा प्रचार और भारी निवेश अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, किंतु अंतत: सिनेमा दर्शक के हृदय में स्थान बनाकर ही दीर्घजीवी होता है। ‘हनुमान अंश’ ने सीमित संसाधनों के साथ जिस तरह दर्शकों तक अपनी पहुँच बनाई, वह इस बात का उदाहरण है कि कहानी में आत्मीयता हो, भाव में प्रामाणिकता हो और विषय समाज की चेतना से जुड़ा हो, तो दर्शक स्वयं उसके सबसे प्रभावशाली प्रचारक बन जाते हैं। इसी समय बड़े बजट की कुछ फिल्मों का अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन भी चर्चा में रहा। ‘टॉक्सिक’ और ‘बंटवारा 1947’ जैसी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की तुलना में ‘हनुमान अंश’ की यात्रा ने बजट और दर्शक-स्वीकृति के संबंध पर नए सिरे से विमर्श को जन्म दिया है।

सबसे महत्वपूर्ण संकेत इसके दर्शक वर्ग से मिलता है। युवा पीढ़ी का इस तरह की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कथा की ओर आकर्षित होना भारतीय समाज की बदलती रुचियों का संकेत माना जा सकता है। यह परिवर्तन केवल फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस सांस्कृतिक आत्मविश्वास की ओर संकेत करता है, जिसमें आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों के प्रति सम्मान भी समान रूप से उपस्थित है। यही ‘हनुमान अंश’ की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसने दर्शकों को केवल एक फिल्म नहीं दी, बल्कि एक अनुभव दिया- अपनी मिट्टी को देखने का, अपनी परंपरा को महसूस करने का और अपनी सांस्कृतिक स्मृति से संवाद करने का अनुभव। सिनेमा के पर्दे पर चलती तस्वीरें कुछ घंटों में समाप्त हो जाती हैं, लेकिन कुछ कथाएँ दर्शक के भीतर आगे चलती रहती हैं। ‘हनुमान अंश’ ऐसी ही कथा बनती दिखाई दे रही है। इसलिए इसकी सफलता को केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में देखना अधूरा होगा। इसकी वास्तविक सफलता उस क्षण में है, जब कोई युवा सिनेमाघर से बाहर निकलकर अपने भीतर एक प्रश्न, एक अनुभूति और अपनी जड़ों से जुड़ने की एक नई आकांक्षा लेकर लौटता है। ‘हनुमान अंश’ भारत की उस जड़ का स्पर्श है, जिससे उसकी चेतना सदियों से पोषित होती आई है। यह उस प्रकाश की एक किरण है, जिसमें भारत स्वयं को पहचानता है।

भारत बनेगा अगला सऊदी...80000 बैरल तेल हर दिन!

अभिनय आकाश

मिडिल ईस्ट जल रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है और इन सबके बीच भारत की धड़कनें तेज हैं। क्योंकि हम अपनी जरूरत का 89% तेल विदेशों से मंगाते हैं। अगर कल सप्लाई रुक गई तो भारत थम जाएगा। आपने अक्सर सुना होगा कि राजस्थान की रेतीली जमीन पर जीवन जीना कितना कठिन है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही तपता हुआ थार रेगिस्तान आने वाले समय में भारत की एनर्जी सिक्योरिटी यानी ऊर्जा सुरक्षा का सबसे बड़ा किला बनने जा रहा है। एक ऐसी जगह जहां पानी मिलना मुश्किल था। वहां अब काला सोना यानी क्रूड ऑयल उबल रहा है। भारत को अपनी रफ्तार बनाए रखने के लिए हर दिन लगभग 50 लाख यानी 5 मिलियन बैरल कच्चे तेल की जरूरत होती है। लेकिन कड़वा सच यह है कि हम अभी अपनी जरूरत का 85% हिस्सा विदेशों से आयात करते हैं। चाहे वह मिडिल ईस्ट के देश हो या रूस के। हाल ही में हमने देखा कि स्टेट ऑफ हॉर्मोज में तनाव की वजह से वैश्विक तेल सप्लाई कितनी बुरी तरह प्रभावित हुई है। दुनिया का 1/5 हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चेन को अनिश्चित बना दिया।

दुनिया का 1/5 हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चेन को अनिश्चित बना दिया। ऐसे में सवाल यह उठा कि क्या भारत हमेशा दूसरों के भरोसे रहेगा? और इसी सवाल का जवाब छिपा है राजस्थान के रेतीली धोरों में। दरअसल राजस्थान के बाड़मेर बेसिन में साल 2004 में तेल के बड़े भंडार मिले थे। इन्हें नाम दिया गया मंगला भाग्यम और ऐश्वर्या यानी कि एमबीए। यह सिर्फ नाम नहीं है। यह भारत की उम्मीदें हैं। यहां करीब 1 बिलियन बैरल तेल का भंडार है। आपको जानकर हैरानी होगी कि अकेले मंगला फील्ड से अब तक 500 मिलियन बैरल तेल निकाला जा चुका है। आज भारत के कुल घरेलू तेल उत्पादन का लगभग 20% हिस्सा अकेला इसी क्षेत्र से आता है। लेकिन अब यहां एक चुनौती खड़ी हो गई थी। पुराने कुओं से तेल निकलना मुश्किल होता जा रहा था और उत्पादन 51,000 बैरल प्रतिदिन पर सिमट गया था। लेकिन अब लक्ष्य है इसे 80,000 बैरल प्रतिदिन तक ले जाना। चुनौतियां यह थी कि जो तेल बचा है वह बहुत गाढ़ा और चिपचिपा है। वह आसानी से बाहर नहीं आता है। इसे निकालने के लिए भारत अब दो वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। पहली टेक्नोलॉजी है एएसपी। इसमें जमीन के अंदर खास तरह के केमिकल्स डाले जाते हैं जो तेल की चिपचिपाहट को कम कर देते हैं और तेल आसानी से पाइप के जरिए ऊपर आ जाता है।

इसमें जमीन की गहराई में बेहद गर्म भाप भेजी जाती है। इसमें जमा हुआ तेल पिघल जाता है और उसे पंप करना आसान हो जाता है। जैसलमेर में इस तकनीक का ट्रायल इतना सफल रहा कि वहां उत्पादन में 70% की बढ़ोतरी देखी गई। अब यही फार्मूला पूरे राजस्थान के तेल क्षेत्रों में लागू किया जा रहा है। सिर्फ तेल निकालना काफी नहीं होता है दोस्तों। उसे साफ करना यानी रिफाइन करना बहुत जरूरी है और अभी तक यह तेल टैंकरों के जरिए गुजरात की कोयाली रिफाइनी भेजा जाता था। लेकिन अब खेल बदलने वाला है। राजस्थान के बाड़मेर में एचपीसीएल द्वारा एक विशाल रिफाइनरी बनाई जा रही है।

ऑडिटरों का ऑडिट क्या भगवान करेगा?

मध्यप्रदेश शासन की ट्रेजरी में इफमिस यानी इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम के जरिए 600 करोड़ का घोटाला पकड़ा गया है जिसमें से 220 करोड़ की रिकवरी हो चुकी है जबकि बाकी 380 करोड़ की रिकवरी की कोशिश जारी है। इधर जबलपुर के मेडिकल कॉलेज में बरसों से कुछ कैशियर मरीजों की पर्ची काटकर पैसा जेब में रखते जा रहे थे। कुछ माह पहले ये भी चर्चा में था कि जिले के स्वास्थ्य अधिकारी महोदय ने कई फर्मों को लाखों का भुगतान कर दिया मगर दवाएं स्टोर तक पहुँची ही नहीं। खैर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बड़े विभागों में तो ये आम है लेकिन अब दूसरे विभागों में भी गबन और वित्तीय गड़बड़ियों के कई मामले सामने आये हैं। भले ही मध्यप्रदेश पर बीमारू राज्य का लेबल लगा हो लेकिन मध्यप्रदेश सरकार कम्प्यूटर के उपयोग में काफी आगे रही है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में ट्रेजरी का कम्प्यूटरीकरण बहुत साल पहले ही हो चुका है। कर्मचारियों का वेतन या पेंशन हो, वेतन निर्धारण हो, या बिल पेमेंट हों सभी का भुगतान इफमिस के माध्यम से ही किया जा रहा है। इसलिए पहले तो खरीदी और भर्ती में ही घपले किये जाते थे लेकिन अब इफमिस ने काम आसान कर दिया है। कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत हो तो पासवर्ड का आदान प्रदान करके जितनी राशि जिस खाते में भेजना हो, कम्प्यूटर के दो चार बटन दबाने से ही हो जाता है। न फाइलों की अफरा तफरी, न बड़े बाबू के दस्तखत और न ही न साहब की मंजूरी। आजकल छापों का दौर है और जब तब लोकायुक्त, एसीबी या ईडी के छापों में सरकारी महकमों में करोड़ों के घोटाले पकड़े जा रहे हैं। ये सब जानते हैं कि हर सरकारी दफ्तर में समय समय पर ऑडिट की अनिवार्य परम्परा है मगर क्या वजह है कि बाल की खाल निकालने वाली ऑडिट पार्टी दफ्तरों में जारी पैसों की हेरा फेरी पकड़ने में नाकाम रहती है। दरअसल किसी भी ऑडिट पार्टी का दौरा बहुत व्यस्त रहता है। ऑडिटर पहले से ही अफसरों को इत्तिला दे देते हैं कि हम आ रहे हैं हमारी खाने पीने से लेकर दान दक्षिणा तक की जिम्मेदारी तुम्हारी है साथ ही ये ताकीद भी दे देते हैं कि स्वागत सत्कार जबरदस्त होना चाहिये वरना फिर समझ लेना और उसके बाद शुरू होता है असली खेल । अफसरों के खर्चे पर शानदार होटल में आराम, सुबह शाम बढ़िया खाना, लोकल टूरिस्ट स्पॉट की सैर और मनपसंद खरीददारी वगैरह में इतना टाइम गुजर जाता है कि दफ्तरों के कागजात बारीकी से जांच करने का टाइम ही नहीं मिलता। अगर थोड़ी बहुत गड़बड़ी पर नजर पड़ भी जाए तो अफसर तुरन्त नकद नारायण से सेवा कर देता है और ऑडिटर भूल चूक माफ की भावना से ओतप्रोत होकर गलतियां माफ करता चलता है। सालों साल ऑडिट होते रहते हैं और भूल चूक माफ होती रहती है। स्वागत सत्कार से ऑडिटर भी खुश, और बढ़िया ऑडिट रिपोर्ट से अफसर भी खुश। इसीलिए ऑडिट भी बदस्तूर होते रहते हैं और पैसों की हेरा फेरी भी चलती रहती है। अगर सरकार को वाकई घपले घोटाले पकड़ने की चिन्ता है तो ऑडिटरों का ऑडिट करके देख ले, सारी पोल खुल जाएगी। अगर अफसरों के साथ ऑडिटरों को भी सजा होने लगे तो घोटालों का स्कोप ही खत्म हो जायेगा। लेकिन क्या ये संभव है इस बात पर उस गाने की पंक्तियां याद आ जाती हैं नहीं नहीं कभी नहीं , अभी करो इंतजार।

इलाज जारी है

राजधानी के मारुति मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल में एक व्यक्ति का इलाज दो दिन तक लगातार चलता रहा आप बोलेंगे इसमें कौन सी बड़ी बात है अस्पताल में इलाज नहीं चलेगा तो क्या डांस होगा? लेकिन भाई साहब आपको ये नहीं मालूम कि जिस व्यक्ति का इलाज इस अस्पताल के डॉक्टर कर रहे थे उसकी मौत दो दिन पहले हो चुकी थी और वे मुर्दे का इलाज कर रहे थे सिर्फ इसलिए कि आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाला पैसा सरकार से वसूल कर सके, लोग बाग कहते हैं कि डॉक्टर भगवान होते हैं शायद यही कारण था कि अस्पताल के डॉक्टर अपने आप को भगवान समझकर उस मुर्दे में जान फूंकने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि यह माना जाता है कि अगर ईश्वर चाहे तो मृत व्यक्ति भी जिंदा हो सकता है, बाद में जब इस घपलेबाजी की पोल खुली तो अस्पताल सील कर दिया गया, लेकिन अपना मानना है कि इस केस में ना तो अस्पताल का दोष है और ना ही डाक्टरों का,सारा दोष है तो उस मरीज का है जो आयुष्मान के भरपूर पैसे दिए बिना ही ईश्वर को प्यारा हो गया अरे भाई कुछ दिन और रुक जाते तो ऐसा क्या गजब हो जाता, अस्पताल को भरपूर पैसा मिल जाता, फिर मर जाते, किसी को कोई चिंता नहीं होती लेकिन जब पूरा पैसा नहीं मिलेगा तो फिर मुर्दे का इलाज तो करना ही पड़ेगा और वो ही इस अस्पताल के डॉक्टर कर रहे थे। एक और खास बात पता लगी है कि एक व्यक्ति को कब्ज की शिकायत थी, पेट साफ नहीं हो रहा था। उसने ना तो हरा पुदीना लिया, ना कायम चूर्ण की फक्की मारी, ना त्रिफला घोलकर सुबह सुबह पिया , सीधा इसी अस्पताल में पहुंच गया और भाई को डाक्टरों ने भी उसे सीधा आईसीयू में भर्ती करवा दिया उनका मानना था कि बहुत ही खतरनाक बीमारी होती है कब्ज, पेट फूल सकता है, पेट फट सकता है, आँतें गड़बड़ा सकती हैं बड़ी आंत छोटी आंत के ऊपर चढ़ सकती है, लिवर डैमेज हो सकता है, किडनी में भी असर हो सकता है इसलिए आईसीयू में भर्ती करना बहुत जरूरी है ।अब सरकार अस्पताल की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि ऐसे ऐसे चमत्कार इस अस्पताल में और कब-कब हुए हैं।

नेता कब दोषी माने गए

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई लगभग 20 लोगों की मौत के बाद इस मामले की बड़ी गहराई के बाद जांच शुरू की गई, काफी टाइम लग गया जांच में, क्योंकि एक-एक बिंदु की जांच करना जरूरी था और अब जांच रिपोर्ट आ चुकी है और इस जांच रिपोर्ट में तमाम जनप्रतिनिधियों को क्लीन चिट देकर ये बताया गया है कि सारी गलती अफसरों की थी। बेचारे जनप्रतिनिधियों को तो यह पता ही नहीं था कि यहां प्रदूषित पानी है ये बात अलग है कि वहां के रहवासी तीन महीने से इस बात की शिकायत अफसरों और जनप्रतिनिधियों से कर रहे थे लेकिन नेता तो नेता होता है ना उसका कोई दोष ना तो कभी था,ना कभी है और ना कभी होगा और फिर जांच करने वालों को भी मालूम है कि अपने को जब काम पड़ेगा तो नेता ही काम आएंगे,रही अफसरों की बात तो सचिवालय में अटैच कर दिए जाएंगे और दो-चार महीने में फिर बेहतरीन पोस्टिंग पाकर अपना काम शुरू कर देंगे यानी कि साँप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी जांच की जांच हो गई कुछ लोग निर्दोष बरी हो गए कुछ लोगों पर दोष मढ़ दिया गया लेकिन अपने को मालूम है कि जिन पर दोष मढ़ा गया है उनका भी कुछ नहीं बिगड़ने वाला और जिन पर दोष नहीं आया उनका तो वैसे ही कुछ नहीं बिगड़ रहा हम भी खुश तुम भी खुश, जनता जाए भाड़ में और फिर जिनकी आ ही गई थी उनको कौन बचा सकता है जांचें इसी तरह की फिलासफी पर काम करती है।

सुपर हिट ऑफ द वीक

प्यास लगी है, पानी लेके आओ श्रीमानजी ने श्रीमती जी से कहा- मैं तो सोच रही थी कि क्यों ना आज तुम्हें मटर पनीर और शाही पुलाव बनाकर खिलाऊं?

वाह-वाह! सुनकर ही मुंह में पानी आ गया श्रीमानजी ने खुश होकर कहा

आ गया ना मुंह में पानी? बस, अब इसी से काम चला लो! श्रीमती जी ने उत्तर दिया

यह कभी न भूलने वाला पल...जापान के राजदूत ने गंगा में लगाई डुबकी

नई दिल्ली

भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने हाल ही में ऋषिकेश में अपने आध्यात्मिक अनुभव की झलकियां साझा कीं, जहां उन्होंने जन्माष्टमी के सप्ताहांत के दौरान गंगा में पवित्र डुबकी लगाई। नदी के किनारे से तस्वीरें और एक वीडियो साझा करते हुए, जापानी राजनयिक ने इस अनुभव को विस्मय, विनम्रता और कृतज्ञता से भरा बताया। एम्बेसडर की पोस्ट में उन्हें गंगा में तीन बार डुबकी लगाते हुए दिखाया गया, जिसमें वे नदी में लगी एक चेन को पकड़े हुए थे। एक तस्वीर में उन्हें पानी में बैठे हुए और सेल्फी स्टिक पकड़े हुए मुस्कुराते हुए देखा गया। उनकी पोस्ट से एक बेहद सम्मानित भारतीय परंपरा में उनकी भागीदारी की झलक मिली।

ओनो केइची ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, आखिरकार, ऋषिकेश में गंगा में पूरी डुबकी-तीन बार! उन्होंने कहा कि इस अनुभव के दौरान वे सदियों पुरानी आस्था और परंपराओं को मानने वाले लोगों के बीच थे। एम्बेसडर के अनुसार, इस पल का हिस्सा बनने से उन्हें एक गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव महसूस हुआ, साथ ही विस्मय, विनम्रता और कृतज्ञता का भाव भी जागा। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीरों में एंबेसडर को एक चेन के सहारे नदी में खड़े देखा जा सकता है। एक छोटे से वीडियो में उन्हें गंगा में डुबकी लगाते हुए भी दिखाया गया है। एक और

तस्वीर में, उन्हें नदी में बैठे और कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। जापानी राजनयिक ने इस अनुभव को सचमुच अविस्मरणीय बताया और ऋषिकेश में होने तथा गंगा को करीब से महसूस करने के आध्यात्मिक महत्व का ज़िक्र किया। इस पोस्ट पर जल्द ही सोशल मीडिया यूज़र्स की प्रतिक्रियाएं आने लगीं और कई लोगों ने इस परंपरा में एंबेसडर की भागीदारी की सराहना की। एक यूज़र, वीरज कपूरिया ने कमेंट किया, सावधान रहिएगा, एंबेसडर सर। एक बार जब आपको गंगा जी और ऋषिकेश से प्यार हो जाएगा, तो आप कभी भी यहां से जा नहीं पाएंगे। एक और यूज़र ने इस बात पर ज़ोर दिया कि राजदूत सिर्फ़ सीढ़ियों पर ही नहीं रुके और न ही उन्होंने बस दिखावे के लिए पानी छिड़का, बल्कि नदी में पूरी डुबकी लगाई। कमेंट में बताया गया कि उन्हें एक हाथ से ज़ंजीर पकड़े हुए और डुबकी लगाने से पहले और बाद में नमस्ते करते हुए देखा गया। यूज़र ने इस पल को सम्मान का ऐसा उदाहरण बताया जो सिर्फ़ कैमरे के लिए किया गया नहीं लग रहा था।

एक और सोशल मीडिया यूज़र ने राजदूत की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भारत और जापान के बीच सांस्कृतिक समानता की ओर ध्यान दिलाया। कमेंट में प्रकृति-जैसे सूरज, चाँद, नदियाँ और हवा-के साथ साझा जुड़ाव का ज़िक्र किया गया और ऋषिकेश में राजदूत के अनुभव का स्वागत किया गया। भारत में गंगा का गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है, और जन्माष्टमी वीकेंड के दौरान राजदूत का पवित्र डुबकी लगाने का फ़ैसला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना।

भारत नहीं, अपने ही लोगों से अधिक खतरा...मरियम का सबसे बड़ा कबूलनामा, पाकिस्तान में मचा हड़कंप

लाहौर

दशकों से पाकिस्तान की विदेश नीति और उसकी सेना का एक ही रटा रटाया जुमला था। वो यह था कि पाकिस्तान में जो भी पूरा होता है उसके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है। कभी भारत पर उंगली उठाई गई तो कभी अफगानिस्तान को जिम्मेदार ठहराया गया। लेकिन अब पाकिस्तान के सबसे ताकतवर राजनीतिक घराने की वारिस और पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने एक ऐसा बम फोड़ा है जिसने पाकिस्तान के पूरे नैरेटिव को तहस-नहस कर दिया। लाहौर के मन से मरियम नवाज ने कहा कि उनके पंजाब को पड़ोसी देशों से उतना खतरा नहीं है जितना पाकिस्तान के ही दूसरे प्रांतों से है। यह सिर्फ एक बयान नहीं यह एक देश के रूप में पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की विफलता का सबसे बड़ा आधिकारिक कबूलनामा है। दरअसल लाहौर में एआई और टेक्नोलॉजी पर आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मरियम

नवाज ने सुरक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि आज पंजाब को जो खतरा है वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी प्रांतों से ज्यादा है। आगे उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे आतंकवाद पड़ोसी सूबों की सीमाओं से पंजाब में दाखिल हो रहा है। गौर कीजिए मरियम नवाज ने यहां किसी तीसरी ताकत का नाम नहीं लिया। उन्होंने साफ-साफ पाकिस्तान के ही अन्य सुबहों यानी कि खैबर पख्तून और बलूचिस्तान की ओर इशारा किया। यह पहली बार है जब पाकिस्तान के किसी शीर्ष नेता ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया कि आतंकवाद की नर्सरी पाकिस्तान के भीतर है ना कि सरहद के उस पार। इस बयान की गंभीरता को समझने के लिए थोड़ा पीछे चलते हैं। जब भी बलूचिस्तान में धमाका होता है या कराची में हमला होता है तो पाकिस्तान की सेना का आईएसपीआर विभाग तुरंत एक प्रेस रिलीज़ जारी करता है जिसमें भारत की जासूसी एजेंसी रॉ का नाम लिया जाता है।

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी यही झूठ बोला कि भारत उनके देश में अस्थिरता फैला रहा है। लेकिन अब पाकिस्तान मुंह दिखाने लायक नहीं रहा क्योंकि मरियम नवाज ने एक ही झटके में इस पूरी कहानी को पलट दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के नैरेटिव को पलट दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि समस्या घर के अंदर है। जब मुख्यमंत्री खुद कह रही हैं कि खतरा पड़ोसी प्रांतों से है तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान का विक्टिम कार्ड अब एक्सपायर हो चुका है।

इसके पीछे गहरी राजनीति और सुरक्षा चुनौतियां हैं। खैबर पख्तून में इमरान खान की पार्टी पीटीआई की सरकार है। मरियम का इशारा यह था कि वहां की सरकार आतंकियों को रोकने में नाकाम है या उन्हें शह दे रही है। बलूचिस्तान और केपीके में टीटीपी और बलूच लिबरेशन आर्मी यानी बीएलए जैसे संगठन सक्रिय हैं। मरियम का डर यह है कि इन प्रांतों से आतंकवादी पंजाब के शांत इलाके में घुस रहे हैं। यह बयान दिखाता है कि पाकिस्तान के प्रांतों के बीच अविश्वास की खाई कितनी गहरी हो चुकी है। पंजाब जो पाकिस्तान का सबसे अमीर और राजनीतिक रूप से प्रभावी प्रांत है, अब अपने ही देश के गरीब और अशांत प्रांतों को दुश्मन की तरह देखने लगा है।

मरियम नवाज ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि उन्होंने अब कैमरों को बुलेट प्रूफ बना दिया है। जरा सोचिए जिस देश में कैमरों को भी बुलेट प्रूफ करना पड़े वहां सुरक्षा के क्या हालात होंगे। उन्होंने थर्मल कैमरे और ड्रोन तैनात करने की बात कही ताकि चेक पॉइंट्स पर होने वाले हमले को रोका जा सके।

जहरीली शराब, हादसों और बाढ़ की घटनाओं पर मायावती ने राज्य सरकारों को घेरा

लखनऊ,(वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने दक्षिण दिल्ली के पीजी हॉस्टल की छत ढहने से पांच लोगों की मौत, मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब पीने से 18 लोगों की मौत और करीब 190 लोगों के अस्पताल में भर्ती होने तथा उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में बाढ़ से हुई जनहानि पर चिंता जताई है।

सुश्री मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि इन घटनाओं से साबित होता है कि शासन-प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि जनहित और जनकल्याण के संबंध में सरकारों को चुस्त-दुरुस्त होने की सख्त जरूरत है।

बसपा प्रमुख ने कहा कि अधिकारियों की घातक लापरवाही, उदासीनता और भ्रष्टाचार पर भी सरकारों को सख्ती से लगाम लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने इन घटनाओं को अत्यंत दुखद और चिंतनीय बताया।

बांग्लादेश में तेजी से फैल रहा डेंगू, अस्पतालों पर बढ़ा दबाव, इस साल 117 लोगों की मौत

ढाका

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अब तक 42,590 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 117 लोगों की मौत हो चुकी है। सितंबर महीने में मामलों में आए अचानक उछाल ने अस्पतालों पर भारी दबाव डाल दिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले हफ्तों में यह मच्छर जनित बीमारी और भी गंभीर रूप ले सकती है। बांग्लादेश की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम 4 डेंगू मरीजों की मौत हुई है और 1,558 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो इस साल एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है। डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो बुखार, गंभीर सिरदर्द और जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकती है। हाल के हफ्तों में इसके मामलों में भारी वृद्धि हुई है, जिसने 2023 में बांग्लादेश में आए अब तक के सबसे घातक डेंगू प्रकोप की चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

यह नया संकट ऐसे समय में आया है जब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही खसरे के राष्ट्रव्यापी प्रकोप से जूझ रही है। इस साल खसरे के कारण लगभग 1,000 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सितंबर का महीना अगस्त से भी ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में ही डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के चिकित्सा कीटविज्ञानी प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा, तो इस महीने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30,000 के पार जा सकती है। मौसम की स्थिति भी अक्टूबर तक संक्रमण को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने कहा कि अभी डेंगू अपने पीक पर नहीं पहुंचा है। अगर यही स्थिति रही तो सितंबर इस साल डेंगू संक्रमण का सबसे खराब महीना बन सकता है।

मरीजों की बेतहाशा बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में बेड की भारी कमी हो गई है। 32 वर्षीय जाहिद हसन के लिए यह बीमारी तब एक व्यक्तिगत त्रासदी बन गई जब उनके चार साल के बेटे को तेज बुखार हुआ और उसे डेंगू होने की पुष्टि हुई। बच्चे की हालत बिगड़ने पर हसन उसे तीन सरकारी अस्पतालों में ले गए, लेकिन कहीं भी कोई बेड खाली नहीं मिला। हसन ने बताया कि मैं बहुत डरा हुआ था। एक पिता के रूप में, यह देखना असहनीय था कि मेरे बच्चे की हालत बिगड़ रही है और मुझे नहीं पता था कि कहां भर्ती कराया जाए। बाद में एक रिश्तेदार की मदद से उन्हें एक निजी अस्पताल में बेड मिला। बच्चे को 7 बैग खून और प्लाज्मा चढ़ाया गया, तब जाकर उसे छुट्टी मिली। हसन ने कहा कि वे दिन हमारे लिए एक बुरे सपने की तरह थे। उनका बेटा अभी भी काफी कमजोर है और धीरे-धीरे ठीक हो रहा है।

विपक्ष विधानसभा में बहस से बच रहा है और राजनीतिक ड्रामा कर रहा है: सीताक्का

हैदराबाद, (वार्ता)

तेलंगाना की पंचायती राज और महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानासारी अनसूया सीताक्का ने विपक्ष पर आरोप लगाया है कि वे विधानसभा का इस्तेमाल जनहित के मुद्दों को उठाने की बजाय हंगामा करने में कर रहे हैं। सुश्री सीताक्का ने एक वीडियो बयान में कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वही नेता, जिन्होंने पहले विधानसभा बुलाने की मांग की थी, अब इसकी कार्यवाही में भाग लेने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव विधानसभा में शामिल होने के लिए

अपने फार्महाउस से बाहर नहीं आ रहे हैं, जबकि उसके अन्य नेता विधानसभा के गेट पर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं और भाजपा सदस्य सदन के अंदर हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर कोई वास्तविक जनहित का मुद्दा है, तो विपक्ष सवाल उठा सकता है और सरकार से जवाब मांग सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल इसके बजाय अराजकता फैलाने, राजनीतिक लाभ उठाने और प्रचार पाने में दिलचस्पी रखते हैं। सुश्री सीताक्का ने बीआरएस की इस बात के लिए भी आलोचना की कि उसने सत्ता में रहते हुए जिन नियमों और कानूनों को लागू किया था, उन्हीं का उल्लंघन किया। उन्होंने विधानसभा की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना करने के पार्टी के नैतिक अधिकार पर सवाल उठाया। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान सदस्यों को अपनी तय सीटों से हटने तक की अनुमति नहीं थी और विपक्ष को विधानसभा की गरिमा तथा मर्यादा का सम्मान करना चाहिए। मंत्री ने विपक्षी दलों से आग्रह किया कि वे राजनीतिक नौटंकी बंद करें और अगर उनके पास लोगों से जुड़े वास्तविक मुद्दे हैं तो रचनात्मक बहस में भाग लें।

इंटरनेशनल एयर शो में भाग लेने मिस्र पहुंची वायुसेना की सारंग टीम, दुनिया देखेगी सामर्थ्य

काहिरा

भारतीय वायु सेना की फेमस सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम अल अलामीन इंटरनेशनल एयर शो के दूसरे संस्करण में हिस्सा लेने के लिए मिस्र पहुंच गई है। यह टीम आठ से दस सितंबर तक होने वाले एयर शो में अपनी करतब दिखाएगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा। इसमें सारंग टीम अपना प्रसिद्ध डॉल्फिन लीप और नया स्पॉट स्टॉल टर्न जैसे हैरतअंगेज हवाई करतब दिखाएगी। इस इंटरनेशनल एयर शो में वैश्विक वायु सेनाएं और विशेषज्ञ जुटेंगे। स्वदेशी रूप से निर्मित ध्रुव हेलीकॉप्टरों से लैस

भारतीय वायु सेना की सारंग टीम दुनिया की एकमात्र ऐसी एरोबेटिक टीम है, जो पांच हेलीकॉप्टरों के साथ हवाई प्रदर्शन करती है। यह टीम कठिन फॉर्मेशन मैन्युवर, कम दूरी पर उड़ान और एक साथ किए जाने वाले हवाई प्रदर्शन के लिए जानी जाती है। इसके प्रदर्शन में पायलटों के असाधारण कौशल और अनुशासन के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस उद्योग की क्षमताएं भी देखने को मिलती है। यह भागीदारी न केवल अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय वायु सेना के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है, बल्कि भारत और मिस्र के बीच रक्षा संबंधों को भी एक नई मजबूती देगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह प्रदर्शन पायलटों के कौशल के साथ भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस सामर्थ्य को दर्शाएगा। इसमें सारंग टीम अपना प्रसिद्ध डॉल्फिन लीप और नया स्पॉट स्टॉल टर्न प्रस्तुत करेगी। इस अंतरराष्ट्रीय एयर शो में वैश्विक वायु सेनाएं और विशेषज्ञ जुटेंगे।

सर्दियों तक खिंच सकता है रूस के साथ युद्ध, कीव में अमेरिकी दूतों से मुलाकात के बाद बोले जेलेंस्की

कीव। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कीव दौरे पर आए अमेरिकी दूतों के साथ वार्ता के बाद कहा कि रूस के साथ युद्ध फिलहाल सर्दियों तक जारी रहने की संभावना है। अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेलेंस्की दोनों ने इस बातचीत को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, लेकिन किसी ने भी रूस के साथ युद्ध समाप्त करने को लेकर किसी बड़ी सफलता की घोषणा नहीं की। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के करीबी विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर, मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद कीव पहुंचे। रविवार की यह यात्रा यूक्रेनी राजधानी में उनका पहला दौरा था। कीव पिछले चार वर्षों से अधिक समय से भीषण रूसी हमलों का सामना कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि हम अपने अमेरिकी भागीदारों के साथ किसी समझौते तक पहुंच सकेंगे। अगर युद्ध सर्दियों में भी जारी रहता है, जो कि अभी प्रतीत हो रहा है तो हम अपने यूरोपीय सहयोगियों के समर्थन पर भी भरोसा कर रहे हैं। यूक्रेन अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी के साथ बातचीत करेगा, हालांकि उन्होंने इस बारे में कोई विस्तार से जानकारी नहीं दी। यूक्रेनी नेता ने अपनी इस मांग को भी दोहराया कि केवल शीर्ष नेताओं के बीच एक बैठक से ही क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाया जा सकता है। वर्तमान में, मॉस्को ने पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर रखा है। क्रेमलिन ने शनिवार को अमेरिकियों को बताया कि वह आगे और भी बढ़ने को लेकर आश्वस्त है। मॉस्को का कहना है कि वह केवल उन क्षेत्रों पर कब्जा नहीं चाहता, बल्कि वह जिन भूमियों को अपना मानता है, उन्हें आधिकारिक तौर पर रूसी मान्यता दी जाए, जो शर्तें कीव को कतई मंजूर नहीं हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

आदित्य धर ने 'हनुमान अंश' के लिए जताया समर्थन

फिल्म निर्माता आदित्य धर ने आध्यात्मिक ड्रामा फिल्म 'हनुमान अंश' के लिए अपना समर्थन जताते हुए निर्देशक विशाल चतुर्वेदी की सराहना की है।आदित्य धर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें अभिनेता शोभिनाव सत्या नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी को भी टैग किया है। आदित्य धर ने पोस्ट के साथ '?' का प्रतीक, हाथ जोड़ने वाली इमोजी और लाल दिल की इमोजी साझा की। उनके इस पोस्ट को फिल्म और उसकी टीम के प्रति समर्थन एवं शुभकामनाओं के तौर पर देखा जा रहा है। आदित्य धर के इस समर्थन के बाद सोशल मीडिया पर 'हनुमान अंश' को लेकर चर्चा तेज हो गई है। प्रशंसक फिल्म और निर्देशक विशाल चतुर्वेदी के प्रति उनके समर्थन की सराहना कर रहे हैं।

सैयामी खेर ने आयरनमैन की तैयारी और फिल्मी कमिटमेंट्स में संतुलन को बताया संतोषजनक

अभिनेत्री सैयामी खेर इन दिनों अपने करियर और निजी जीवन के व्यस्त दौर का आनंद ले रही हैं। हाल ही में इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में 'पल भर के लिए' के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल होने के बाद वह भारत लौटी हैं और अब अक्षय कुमार तथा सैफ अली खान के साथ 'हैवान' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके साथ ही वह अपने तीसरे हाफ आयरनमैन ट्रायथलॉन की तैयारी भी कर रही हैं।मेलबर्न में 'पल भर के लिए' के वर्ल्ड प्रीमियर को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। सैयामी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने फिल्म पेश करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। इसके बाद वह 'हैवान' के प्रचार में जुट गईं। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद सैयामी अपनी फिटनेस ट्रेनिंग को लेकर लगातार प्रतिबद्ध हैं। दो हाफ आयरनमैन ट्रायथलॉन पूरा कर चुकीं सैयामी अब तीसरी प्रतियोगिता की तैयारी कर रही हैं। इसके लिए वह

नियमित रूप से स्विमिंग, साइक्लिंग, रनिंग, स्ट्रेंथ और एंड्योरेंस ट्रेनिंग कर रही हैं। सैयामी ने कहा, मेरे लिए यह दौर बेहद संतोषजनक रहा है, क्योंकि प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों फ्रंट पर बहुत कुछ हो रहा है। मेलबर्न में 'पल भर के लिए' को जो प्यार मिला, वह मेरे लिए बेहद खास था। इसके बाद अक्षय सर और सैफ सर के साथ 'हैवान' के प्रमोशन में जुटना भी उतना ही रोमांचक है। शेड्यूल काफी व्यस्त है, लेकिन मैं इसे सचमुच एंजॉय कर रही हूं। उन्होंने कहा कि व्यस्तता के बावजूद वह अपनी ट्रेनिंग में निरंतरता बनाए रखने को लेकर सजग हैं। हाफ आयरनमैन की तैयारी के लिए अनुशासन और लगातार मेहनत जरूरी है। सैयामी ने कहा, एक्टिंग और एंड्योरेंस स्पोर्ट, दोनों में काफी अनुशासन की जरूरत होती है। आपको धैर्य रखना होता है, लगातार मेहनत करनी होती है और प्रक्रिया पर भरोसा रखना होता है। इस समय मैं इन चीजों को अलग-अलग तरीकों से अनुभव कर रही हूं।

'प्रेम कीटाणु' का नया रोमांटिक गीत 'तू मेरा रैय्यो' जारी

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का नया रोमांटिक गीत 'तू मेरा रैय्यो' जारी कर दिया गया है। सचेत टंडन और परंपरा टंडन ने इस गीत को अपनी आवाज देने के साथ-साथ इसका संगीत भी तैयार किया है, जबकि गीत के बोल कुणाल वर्मा ने लिखे हैं। प्यार की मासूमियत, अपनापन और रिश्तों की गर्माहट को समेटे यह मधुर गीत श्रोताओं को भावनाओं से जोड़ने वाला है।अवनिका फिल्म्स के बैनर तले गौरव वर्मा द्वारा निर्मित फिल्म के संगीत एलबम का यह तीसरा गीत है। इससे पहले 'अंडी बंडी' और 'कहो तोह' को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था। 'तू मेरा रैय्यो' में वीर पहाड़िया और आफिया सैयद की जोड़ी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रही है। सचेत और परंपरा ने हाल ही में सामाजिक माध्यमों पर अपनी सुरीली आवाज में इस गीत की एक झलक भी साझा की थी, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। इसके बाद से ही पूरे गीत को लेकर उत्सुकता बनी हुई थी। गीत के बारे में सचेत टंडन और परंपरा टंडन ने कहा कि 'तू मेरा रैय्यो' श्रोताओं को एक बार फिर प्यार में पड़ने का एहसास कराएगा। गीत में प्रेम की मासूमियत और गर्मजोशी को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है।

कृति खरबंदा ने 'मिर्जापुर' में अली फज़ल के अभिनय की सराहना की

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अभिनेता अली फज़ल के लोकप्रिय वेब शो 'मिर्जापुर' में उनके सफर और मेहनत की जमकर सराहना की है। कृति ने सोशल मीडिया पर अली के भावुक पल की एक तस्वीर साझा करते हुए उनके लिए अपना गर्व जाहिर किया और उन्हें मिल रहे प्यार का जश्न मनाया।कृति ने अपनी पोस्ट में लिखा, इस लड़के पर, उसकी यात्रा पर और इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उसने जो मेहनत की है, उस पर मुझे बहुत-बहुत-बहुत गर्व है। वह इस प्यार के पूरी तरह हकदार है। उन्होंने अली के प्रति अपना स्नेह जताते हुए लिखा, तुमसे इतना सारा प्यार! कृति ने अली की पत्नी और अभिनेत्री रिचा चड्ढा को भी अपनी पोस्ट में टैग किया। उन्होंने लिखा कि वह इस बात को अच्छी तरह जानती हैं कि रिचा के सहयोग के बिना अली के लिए यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं होता। अपनी भावुक पोस्ट के अंत में कृति ने इसे अपनी पर्सनल जीत बताया और 'मिर्जापुर' का हैशटैग भी इस्तेमाल किया। कृति की यह पोस्ट अली फज़ल के साथ उनकी दोस्ती और उनके प्रति सम्मान को दर्शाती है। साथ ही, उन्होंने अली की सफलता में रिचा चड्ढा के सहयोग और समर्थन को भी खास तौर पर रेखांकित किया है।

कलेक्टर ने की टीएल बैठक में विभागीय योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा

सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक (टीएल) में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों का समय-सीमा में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए।

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर एक माह तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के 25 वर्ष के कार्यकाल के प्रमुख उपलब्धियों को जनता के समक्ष लाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत 13 कार्यक्रम होंगे। इन कार्यक्रमों में आशीर्वाद का दीया, 25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वड़नगर से वाराणसी, सेवा मेरा योगदान, सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार, रंगोली राष्ट्र, राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज और जनसेवक महाकुंभ पंचायत से पार्लियामेंट तक शामिल हैं। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इस संबंध में कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार कर समय-सीमा में दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने विभाग प्रमुखों से हितग्राहीमूलक योजनाओं से अपने-अपने लाभार्थियों की सूची तैयार करने तथा योजनाओं से जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाले हितग्राहियों की प्रेरणादायक कहानियों का संकलन कर इन सफलता की कहानियों को वीडियो एवं डिजिटल माध्यमों से भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों में विकसित भारत एवं जनसेवा से संबंधित विषयों पर ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित करने, नुक्कड़ नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाने तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों एवं माताओं की सहभागिता के साथ आंगन का उत्सव आयोजित करने की तैयारियों की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत प्रत्येक नागरिक समाज सेवा में अपना योगदान देगा। सेवा गतिविधियों के अंतर्गत रक्तदान शिविर, पौध-रोपण अभियान, स्वच्छता ही सेवा, स्वास्थ्य जांच शिविर, प्लास्टिक-मुक्त जागरूकता, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता, सड़क सुरक्षा जागरूकता, कचरा पृथक्करण एवं कम्पोस्टिंग, सायबर सुरक्षा जागरूकता जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

11 सितम्बर को दहलवाड़ा में होगा छठवां जनसंवाद शिविर

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आगामी 11 सितम्बर को जनपद पंचायत सांईखेड़ा की ग्राम पंचायत दहलवाड़ा में आयोजित होने वाले छठवें जनसंवाद शिविर के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ग्राम आमगांव छोटा, वनखेड़ी, झांझनखेड़ा एवं दहलवाड़ा में अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर आमजन से सीधा संवाद करेंगे। अधिकारी कैम्प के पूर्व ग्राम से जुड़ने वाले गांवों में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुनें। शिविर का आयोजन ऐसे उपयुक्त एवं पर्याप्त स्थान पर किया जाए, जहां बड़ी संख्या में आने वाले लोगों के बैठने और विभिन्न गतिविधियों के संचालन की समुचित व्यवस्था हो। आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं सेवाओं से संबंधित कार्यों के लिए पर्याप्त स्थान और सुव्यवस्थित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि शिविर में आने वाले नागरिकों को सभी सेवाएं एक ही स्थान पर सुगमता से प्राप्त हो सकें। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित किए जा रहे उद्यम संवाद कार्यक्रमों के संबंध में निर्देश दिए गए कि इनमें पर्याप्त संख्या में ऐसे उद्यमियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, जिन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हुआ है। उद्यम संवाद के दौरान लाभान्वित उद्यमियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर दिया जाए, ताकि वे स्वयं अपनी जुबानी बता सकें कि शासन की योजनाओं ने सहयोग से उनके जीवन और व्यवसाय में किस प्रकार सकारात्मक बदलाव आया है। बैठक में निर्देश दिए कि जिले में कहीं से भी पेयजल की गुणवत्ता अथवा दूषित पानी की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित विभाग तत्काल गंभीरता से कार्रवाई करें। शिकायत मिलने पर नगर पालिका की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर पेयजल का सैंपल लिया जाए और उसकी जांच कराई जाए। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आम नागरिकों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

विभिन्न योजनाओं और कार्य मों की भी हुई समीक्षा

टीएल बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी, सीएम मॉनिट, विभिन्न आयोग से प्राप्त प्रकरणों, उच्च न्यायालय से संबंधित लंबित प्रकरणों, संबल योजना, महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, एक बगिया मां के नाम अभियान, जिले में संचालित नल-जल योजनाओं, अनमोल 2.0 पोर्टल सहित विभिन्न प्राथमिकता वाले विषयों की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से संबंधित खाद्य सुरक्षा प्रशासन, हिट एंड रन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री गजेन्द्र सिंह नागेश, अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख मौजूद थे।

बिजली बिल बकायादारों के खिलाफ ऊर्जा विभाग ने खोला मोर्चा

बैंक खाते सीज कराने की भी तैयारी

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

लंबे समय से बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले बड़े बकायादार अब बिजली कंपनी के निशाने पर हैं। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड नरसिंहपुर वृत्त ने बकाया राजस्व की वसूली के लिए सख्त अभियान शुरू कर दिया है। लंबे से बिल जमा नहीं करने वाले ऐसे उपभोक्ताओं के खिलाफ कुर्की और जब्ती की कार्रवाई की जा रही है, जिन्हें पूर्व में नोटिस जारी कर पर्याप्त समय दिया जा चुका है। कंपनी के नरसिंहपुर वृत्त अंतर्गत आने वाले विभिन्न वितरण केंद्रों में बड़े बकायादारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिन उपभोक्ताओं को पूर्व में विद्युत अधिनियम की धारा 56 के तहत नोटिस, बी-फॉर्म, सी-फॉर्म जैसे कुर्की कार्रवाई संबंधी सूचना जारी की गई थी और इसके बावजूद बकाया राशि जमा नहीं की गई, उनके विरुद्ध अब मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की जा रही है।

एक सप्ताह में 25 वाहन व उपकरण जब्त

बिजली कंपनी द्वारा 1 सितंबर से 7 सितंबर तक चलाए गए अभियान के दौरान वितरण केंद्रवार कार्रवाई करते हुए केंद्रवार 15 मोटरसाइकिल और 10 चक्की मोटर जब्त की गई हैं। इन मामलों में उपभोक्ताओं पर लगभग 10 लाख रुपए की बिजली बिल राशि बकाया बताई गई है।

बकाया वसूली के लिए पहुंची बिजली कंपनी की टीम को कुछ स्थानों पर उपभोक्ताओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा। कुछ उपभोक्ताओं द्वारा कार्रवाई के दौरान शासकीय कार्य में बाधा डालने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई। हालांकि अभियंताओं और मैदानी अमले ने मौके पर समझाइश और सामंजस्य स्थापित कर स्थिति को नियंत्रित किया। कई मामलों में कार्रवाई के दौरान ही उपभोक्ताओं द्वारा बकाया राशि जमा कराई गई।

बैंक खाते सीज कराने की तैयारी..

बिजली कंपनी द्वारा बकायादारों से राशि वसूलने के लिए अन्य विकल्पों पर भी कार्रवाई की जा रही है। कुछ उपभोक्ताओं के बैंक खाते सीज कराने की कार्रवाई के लिए संबंधित बैंकों को पत्र जारी किए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि कंपनी लंबे समय से लंबित बिजली बिलों की वसूली को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई के मूड में नहीं है।

पूरे माह जारी रहेगा अभियान..

ऊर्जा विभाग और बिजली कंपनी के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगा। विभाग की ओर से क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अपने लंबित बिजली बिलों का समय पर भुगतान करें। समय पर भुगतान नहीं करने की स्थिति में कुर्की की कार्यवाही की जाएगी।

असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा देने शिविरों का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाले निवासियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत जिले के नगरीय क्षेत्रों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़ने के साथ महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, आजीविका उन्नयन एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। शिविरों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के समूह सदस्यों के साथ संबंधित वार्डों के अन्य पात्र निवासी, जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष है, शामिल होंगे। शिविरों के सफल आयोजन के लिए हितग्राहियों की पर्याप्त उपस्थिति तथा वार्ड प्रभारियों के साथ कॉमन सर्विस सेंटर के सेवा प्रदाताओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविरों के माध्यम से महिलाओं में गंभीर बीमारियों की रोकथाम एवं समय पर पहचान के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण भी किए जाएंगे। इनमें विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर एवं ब्रेस्ट कैंसर की जांच शामिल होगी। इसके अलावा समूह की महिलाओं की आजीविका को बेहतर बनाने, लखपति दीदी के लक्ष्य की पूर्ति तथा महिलाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उद्यम पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

कलेक्टर ने कोषालय कार्यालय का किया निरीक्षण

स्ट्रॉग रूम सहित विभिन्न शाखाओं की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को जिला कोषालय कार्यालय का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कोषालय कार्यालय के स्ट्रॉग रूम सहित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निरीक्षण के दौरान स्ट्रॉग रूम में रखी सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने वहां अनावश्यक रूप से रखी पुरानी एवं अनुपयोगी सामग्री को चिन्हित कर नियमानुसार हटाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि आवश्यक अभिलेखों एवं सामग्री को सुव्यवस्थित ढंग से रखा जाये। कलेक्टर ने कोषालय कार्यालय की विभिन्न शाखाओं में पहुंचकर संचालित कार्यों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा कार्यों का सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय परिसर के सामने जमा कचरे को भी गंभीरता से लिया। उन्होंने नगर पालिका को निर्देशित किया कि कार्यालय के सामने जमा कचरे को तत्काल हटाकर क्षेत्र की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाये। निरीक्षण के दौरान जिला कोषालय अधिकारी,कोषालय विभाग का स्टाफ मौजूद था।

खरीफ फसलों को रोग-कीट से बचाने किसानों को सामयिक सलाह

सोयाबीन, अरहर एवं धान में रोग प्रकोप की स्थिति को नियंत्रित करने के उपाय

कृषि वैज्ञानिकों से 9977244254 पर करें सम्पर्क

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिले में खरीफ फसलों की स्थिति का जायजा लेने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर के वैज्ञानिकों द्वारा सोयाबीन, अरहर, धान एवं गन्ना फसलों का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण के दौरान सोयाबीन में अल्टरनेरिया एरियल ब्लाइट, विषाणु रोग, अरहर में फाइटोफ्थोरा तथा धान में झुलसा एवं भूरा धब्बा रोग का प्रकोप पाया गया है। किसानों को फसलों को रोग एवं कीट प्रकोप से बचाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों द्वारा सामयिक सलाह जारी की गई है।

सोयाबीन में अल्टरनेरिया एरियल ब्लाइट से बचाव

पादप संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. एसआर शर्मा ने बताया कि सोयाबीन में अल्टरनेरिया एरियल ब्लाइट का प्रकोप शुरू हो गया है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 500 ग्राम अथवा टेबुकोनाजोल प्लस मैंकोजेब 400-600 ग्राम अथवा हेक्साकोनाजोल 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। 15 दिन बाद पुन: एक बार छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

सफेद मक्खी से फैलता है विषाणु रोग

सोयाबीन में विषाणु रोग भी देखा गया है। इसमें पत्तियां हरी एवं पीली होकर बेरंग हो जाती हैं, जबकि दूसरे प्रकार में पत्तियां झुलसी हुई दिखाई देती हैं और पौधे की वृद्धि रुक जाती है। विषाणु रोग का प्रसार सफेद मक्खी से होता है। सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए थायमेथोक्साम 100 ग्राम (25 प्रतिशत) अथवा एसिटामिप्रिड 100 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

अरहर में फाइटोफ्थोरा रोग पर नियंत्रण जरूरी

अरहर की फसल में फाइटोफ्थोरा रोग का प्रकोप दिखाई दे रहा है। इसमें जमीन की सतह से तना काला होकर फट जाता है तथा कभी-कभी गांठों से पौधा टूट जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मेटालेक्सिल प्लस मैंकोजेब 300 ग्राम प्रति एकड़ की दर से घोल बनाकर छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

धान में झुलसा और भूरा धब्बा रोग से बचाव

धान की फसल में झुलसा एवं भूरा धब्बा रोग का प्रकोप पाया गया है। झुलसा अथवा ब्लास्ट रोग के नियंत्रण के लिए ट्राइसाइक्लाजोल 120 ग्राम अथवा कासुगामाइसिन 400 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। वहीं भूरा धब्बा रोग के नियंत्रण के लिए प्रोपीकोनाजोल 200 ग्राम अथवा हेक्साकोनाजोल 400 ग्राम अथवा कार्बेन्डाजिम प्लस मैंकोजेब 500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करने की सलाह दी गई है।

फसल में समस्या दिखाई दे तो कृषि वैज्ञानिकों से लें सलाह

कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानों से अपील की है कि फसल में किसी भी प्रकार के रोग या कीट का प्रकोप दिखाई देने पर स्वयं दवा का प्रयोग करने के बजाय कृषि वैज्ञानिकों से उचित सलाह लें। समस्या के निदान के लिए किसान रोगग्रस्त पौधे की स्पष्ट फोटो मोबाइल नंबर 9977244254 पर भेज सकते हैं। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा फोटो के आधार पर उचित नियंत्रण उपाय की सलाह दी जाएगी।

राज्यपाल पटेल व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शिक्षिका शिखा शर्मा को किया सम्मानित

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों के लिए नरसिंहपुर जिले की शिक्षिका सुश्री शिखा शर्मा को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्मानित किया। सुश्री शर्मा एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय, लोकीपार में शिक्षिका के रूप में सेवाएं दे रही हैं। सुश्री शर्मा को यह प्रतिष्ठित सम्मान 21वीं सदी के 4 सी कौशलों के विकास के लिए प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण, विद्यार्थियों में डिजिटल साक्षरता एवं आईसीटी टूल्स के उपयोग को बढ़ावा देने, स्वयं डिजिटल कंटेंट तैयार करने तथा खेल एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। उन्होंने पारंपरिक शिक्षण पद्धति के साथ नवाचार को जोड़ते हुए विद्यार्थियों को सीखने के नए अवसर उपलब्ध कराए। प्रोजेक्ट आधारित गतिविधियों और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सहयोग, संवाद एवं आलोचनात्मक चिंतन

जैसे कौशल विकसित करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त करने के बाद ग्रामीणजनों, विद्यालय परिवार के शिक्षकों एवं अन्य सदस्यों ने सुश्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया। उनकी उपलब्धि पर सभी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सुश्री शर्मा की इस उपलब्धि पर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विद्यालय परिवार, शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। राज्य स्तरीय सम्मान से जिले का गौरव बढ़ाने वाली सुश्री शर्मा की उपलब्धि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने वाले शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है।

सेवा के संकल्प के साथ रोटरी क्लब गाडरवारा 'राणा' ने भरी नई उड़ान

राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा की गरिमामयी मौजूदगी में नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

रोटरी क्लब गाडरवारा 'राणा' का भव्य इंस्टॉलेशन समारोह गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम पूजन के उपरांत राष्ट्रीय गान गाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी के पितृ पुरुष एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा शामिल हुए। उनके साथ बिहार से राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर आलम सिंह रुपरा, इलेक्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर भानु प्रताप सिंह, असिस्टेंट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रकाश गुप्ता, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रूद्रेश तिवारी,मयंक साहू,पूर्व विधायक संजय शर्मा,पूर्व विधायक सुनीता/मंजिले पटेल एवं रोटरी क्लब गाडरवारा के अध्यक्ष शरद मौलासरिया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद रोटरी क्लब गाडरवारा 'राणा' की नवीन कार्यकारिणी ने विधिवत दायित्व ग्रहण किया। अभिषेक बड़कुर ने अध्यक्ष, प्रशांत मालपानी ने सचिव, रूपेश राय ने कोषाध्यक्ष, जिनेश जैन ने कार्यकारी निदेशक, मनीष जायसवाल ने फाउंडेशन अध्यक्ष तथा प्रियंक सोनी ने सेवा परियोजना,रुपेश राय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा नए सदस्यों को रोटरी पिन लगाकर विधिवत सदस्यता प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने रोटरी की सेवा भावना की सराहना करते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाजसेवी संस्थाएं समाज के विकास और जरूरतमंदों की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।आज हमारे प्रथम कार्यक्रम में माननीय राज्यसभा सांसद श्री विवेक कृष्ण तन्खा जी द्वारा सेवा कार्यों के लिए ?20 लाख की घोषणा किया जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है। इसके लिए रोटेरियन सचिव प्रशांत मालपानी द्वारा तनखाजी एवं समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

समारोह में गाडरवारा नगर की विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित नागरिकों, रोटरी क्लब सदस्यों एवं उनके परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। राउरकेला एवं नरसिंहपुर से आए रोटरी सदस्यों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। आज जिन्होंने रोटी क्लब राना की सदस्यता डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के माध्यम से सदस्यता प्राप्त जीनेश जैन,रूपेश राय,मनीष जायसवाल,प्रियंक सोनी,नीलेश साहू,प्रशांत मालपानी,महेश रघुवंशी,देवेंद्र साहू,अमन जैन,प्रशांत राजपूत,अनुज मालपानी,सौरभ जैन,अमित अग्रवाल,मोनू पांडे,पुलकित काबरा,राहुल तिवारी, विवेक मूंदड़ा,ऋषभ मालपानी,पीयूष खर्चांची,सजल जैन, सुमित सिंह, डॉ.अरविंद चौकसे,सौरभ गुप्ता,सेतु जैन,नवीन दुगड,लोकेश मालपानी,गौतम आचार्य,आयुष जैन,रुचिर सोनी,डॉ अभिनव जैन,डॉ.आशुतोष मेहता,आलोक जैन,अभिषेक चौकसे सालेचौका, अमरीश राय सालेचौका,मनमोहन राठी,डॉ मनीष महोबिया,अनीश जैन, स्वप्निल बिश्नोई, सर्वेश राय,संजीव जैन, संदीप उपाध्याय, देवेश बुधौलिया,सर्वेश पांडे,चतुर्भुज पेशवानी इसके अलावा और अनेकों सदस्यों ने आज सदस्यता ग्रहण की। आज के कार्यक्रम में गाडरवारा नगर की समाजसेवी संस्थाओं से कदम संस्था प्रमुख अजय खत्री,मानव सेवा संघ से बृज रतन कवरा,वैश्य महासम्मेलन से अरविंद अग्रवाल,साहू समाज से जिला महासचिव नीलेश साहू,सुरेन्द्र साहू,टैगोर विद्या निकेतन के पदाधिकारी एवं अनेकों संस्थाओं के संस्था प्रमुख उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज गाडरवारा की नवीन कार्यकारिणी घोषित, अरविंद अग्रवाल सर्वसम्मति से बने अध्यक्ष

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

स्थानीय चावडी वार्ड स्थित श्रीदेव लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में अग्रवाल समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में आगामी सत्र 2026-27 के लिए समाज की नई कार्यकारिणी के गठन पर विचार-विमर्श किया गया। चुनाव अधिकारी गोपाल प्रसाद गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन एवं समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इस दौरान समाज के जुझारू एवं कर्मठ सदस्य अरविंद अग्रवाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

?बैठक में उपस्थित वरिष्ठ समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अरविंद अग्रवाल ने समाज का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सभी को साथ लेकर समाज उत्थान, एकता और रचनात्मक कार्यों को नई दिशा देने का हरसंभव प्रयास करेंगे। शीघ्र ही कार्यकारिणी के अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जाएगी।

आम सूचना

मैं यशराज पटेल आ. श्री योगेश पटेल आयु 26 वर्ष निवासी-ग्राम कनवास, तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) शपथपूर्वक कथन करता हूं मेरा जन्म पराडकर नर्सिंग होम नरसिंहपुर में दिनांक 07/03/2000 को हुआ है जिसका जन्म प्रमाण पत्र नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर द्वारा जारी किया गया है। वर्तमान तक शपथकर्ता का डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र जारी नहीं हुआ है। जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम त्रुटिवश यश कौरव (पटेल) दर्ज हो गया है जो कि गलत है। मेरा सही नाम यशराज पटेल है जो कि आधार कार्ड एवं अंकसूची में दर्ज है। इसी प्रकार मेरे पिता का नाम योगेश कुमार कौरव दर्ज हो गया है जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम योगेश पटेल है जो कि मेरी अंकसूची में भी दर्ज है। मेरी माता का नाम त्रुटिवश अभिलाषा कौरव दर्ज है जो कि गलत है। मेरी माता का सही नाम अभिलाषा पटेल है जो कि मेरी अंकसूची में भी दर्ज है। जन्म प्रमाण पत्र में मेरा सही नाम यशराज पटेल (YASHRAJ PATEL) पिता का सही नाम योगेश पटेल (YOGESH PATEL) एवं माता का नाम अभिलाषा पटेल (ABHILASHA PATEL) दर्ज कर डिजिटल जन्म प्रमाण प्रदान किया जावे।

यशराज पटेल, शपथकर्ता

सुभाष चौक की 40 फीट ऊंची दही हांडी पर जबलपुर के गोविंदाओं का कब्जा

विधायक संजय पाठक ने दी 51हजार की इनामी राशि, कटनी-जबलपुर के गोविंदाओं के बीच जोरदार मुकाबला, रात 12 बजे टूटी मटकी

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले रविवार को श्री बधाई उत्सव कमेटी के द्वारा कटनी में आयोजित होने वाले दधिकांदो महोत्सव पर सुभाष चौक कटनी दही हांडी समिति द्वारा बंधी गई 40 फीट ऊंची मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कटनी और जबलपुर से पहुंची गोविंदाओं की टीमों ने उत्साह और रोमांच से भरपूर प्रदर्शन किया इस दौरान विधायक संजय पाठक दोनों ही प्रतिभागी टीमों का उत्साह वर्धन करते रहे। 40 फीट की ऊंचाई पर लटकी मटकी को फोड़ने के लिए दोनों टीमों ने कई प्रयास किए। एक के बाद एक प्रयासों के बीच मौके पर मौजूद लोगों में उत्साह और रोमांच बना रहा। आखिरकार जबलपुर से आई गोविंदाओं की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 फीट ऊंची मटकी फोड़कर प्रतियोगिता अपने नाम कर ली। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध भक्ति गीत गायक मनीष अग्रवाल की टीम ने भक्ति से भरे गानों से झूमने और नाचने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक रहे। उन्होंने विजेता गोविंदा टीम को 51 हजार रुपये की इनामी राशि एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष अवकाश जायसवाल, कार्यक्रम के संयोजक नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी, युवा मोर्चा के मृदुल मिश्रा, पारस जैन, नगर निगम के पार्षदगण रात 12 बजे तक हजारों की तादात में श्रद्धालु एवं नगरवासियों के साथ मौजूद रहे। दही हांडी प्रतियोगिता के दौरान पूरा सुभाष चौक श्रीकृष्ण भक्ति और उत्साह से सराबोर नजर आया। गोविंदाओं के जोश और मटकी फोड़ने के रोमांच ने उपस्थित दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

घण्टाघर में क्रेन पर बांधी मटकी

शोभायात्रा के मार्ग में कई स्थानों पर ऊंचाई पर मटकियां बांधी गईं। घण्टाघर में क्रेन की मदद से काफी ऊंचाई पर मटकी लटकाई गई थी। इसे फोड़ने के लिए युवाओं की टोलियों ने मानव पिरामिड बनाया और सफलता हासिल की। मटकी फूटते ही जय श्रीकृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। हीरागंज में भी काफी ऊंचाई पर मटकी बांधी गई, जिसे फोड़ने के लिए युवाओं ने उत्साह के साथ प्रयास किया।

गर्ग चौराहे पर चौथे प्रयास में फूटी मटकी

कटनी टेंट लाइट एसोसिएशन की ओर से मंचीय कार्यक्रम और मटकी फोड़ का आयोजन किया गया। जबलपुर से आई युवाओं की टीम ने मटकी फोड़ने के लिए लगातार तीन प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। एक प्रयास के दौरान मानव पिरामिड का संतुलन बिगड़ गया और एक युवक बंधी रस्सी में लटक गया, जबकि पिरामिड नीचे गिर गया। इसके बाद टीम ने सावधानी से दोबारा प्रयास किया और चौथे प्रयास में मटकी फोड़कर सफलता हासिल की।

रुई बाजार में बच्चों को उपहार, समितियों का सम्मान

रुई बाजार में आयोजन समिति की ओर से मंच सजाया गया, जहां मंचीय कार्यक्रमों के साथ पुरस्कार वितरण हुआ। राजस्थान के कठपुतली नृत्य ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। राधा-कृष्ण और नन्हे बाल गोपाल की वेशभूषा में पहुंचे बच्चों को आयोजन समिति ने उपहार देकर उनका उत्साहवर्धन किया। मटकी फोड़ने वाली विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए गए। आकर्षक झांकियां सजाने वाली समितियों को भी समानित किया गया।आयोजन समिति ने महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग देने वाली शहर की धर्मप्रेमी जनता, सहयोगी जनों, प्रशासन और पुलिस का आभार व्यत किया।

झांकियों और अखाड़ों ने बढ़ाई शोभा

शोभायात्रा में 25 से अधिक झांकियां शामिल रहीं। बड़ी संख्या में लोग अपने बच्चों को राधा-कृष्ण की वेशभूषा में लेकर पहुंचे। नन्हे बाल गोपाल की झांकी भी आकर्षण का केंद्र रही। सागर का डमरू-ताशा दल, मेरठ की शिव तांडव झांकी, राजस्थान की मोट-पतलू टीम, जबलपुर के अखाड़े के कलाकारों का व्यायाम प्रदर्शन, सतगुरु अखाड़ा सागर, शिवाजी अखाड़ा और सेवा दल अखाड़ा कुठला के कलाकारों ने प्रस्तुतियां दीं। बाबा भोलेनाथ का डमरू नृत्य देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग जुटे। शोभायात्रा के सबसे पीछे अखिल ब्रह्मांड नायक गोपाल जी सुसज्जित रथ पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देते रहे। मार्ग में जगह-जगह रथ का स्वागत किया गया। भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। भारी जनसमूह को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभाली गई। पूरे शोभायात्रा मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधीक्षक की निगरानी में पुलिस अधिकारी और जवान भीड़ नियंत्रण के साथ यातायात व्यवस्था संभालते नजर आए।

दधिकांदो महोत्सव में उमड़ा आस्था और उल्लास का सैलाब

25 से अधिक झांकियों के साथ निकली भव्य शोभायात्रा

दधिकांदो महोत्सव पर शहर की शाम कृष्णभक्ति, उल्लास और उमंग से सराबोर रही। भगवान श्री मुरली मनोहर की भव्य शोभायात्रा में भारी जनसमूह उमड़ा। ढोल-ताशों की गूंज, भजन, नृत्य और आकर्षक झांकियों के बीच युवाओं की टोलियों ने जगह-जगह मटकी फोड़कर उत्सव में रोमांच भर दिया। श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा झंडा बाजार, घण्टाघर, हीरागंज, बड़े हनुमानजी, मेन बाजार, सुभाष चौक और रुई बाजार होते हुए गर्ग चौराहे की ओर बढ़ी। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। जगह-जगह झांकियों का स्वागत किया गया तथा दही-माखन और प्रसाद का वितरण हुआ। ब्राह्मण समाज, हरे माधव सेवा समिति, यादव समाज सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने

शोभायात्रा में शामिल नागरिकों का स्वागत कर जलपान और प्रसाद वितरित किया।

संभागीय सुगम संगीत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)। संभागीय स्तरीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में श्रीकृष्ण कला संगीत महाविद्यालय, कटनी के प्रतिभागियों ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। जूनियर वर्ग में नंदिनी विश्वकर्मा, आयुषी परोहा और वैष्णवी विश्वकर्मा तथा सीनियर वर्ग में आयुषी मिश्रा, विधि शुक्ला और बीके आशुतोष गुप्ता ने प्रतियोगिता में भाग लिया। जूनियर वर्ग में नंदिनी विश्वकर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर संभाग स्तर पर जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से निर्णायकों और उपस्थित दर्शकों की सराहना प्राप्त की। महाविद्यालय परिवार ने नंदिनी विश्वकर्मा की उपलधि पर प्रसन्नता व्यत करते हुए सभी प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने संगीत के प्रति अपनी प्रतिभा, लगन और अयास का परिचय दिया।

गांजा तस्करी करते चाचा-भतीजा गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ पुलिस ने अवैध रूप से गांजा परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चाचा-भतीजे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 किलो 960 ग्राम गांजा बरामद किया है, जिसकी कीमत करीब 35 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की है। पुलिस के अनुसार 5 सितंबर को विजयराघवगढ़ पुलिस टीम द्वारा आईटीआई विजयराघवगढ़ की तलैया के पास मेन रोड पर वाहन चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मोटर साइकिल सवार दो व्यक्तियों को संदिग्ध प्रतीत होने पर रोककर तलाशी ली गई। पीछे बैठे व्यक्ति के पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर उसमें गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों

आरोपियों की पहचान समयलाल कोल पिता सुखलाल कोल तथा गोविंद प्रसाद पिता प्रेमलाल कोल उम्र 52 वर्ष निवासी ग्राम खिरवा नंबर 1 के रूप में की है। दोनों आपस में चाचा भतीजा बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल दाखिल कराया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी अभिषेक चौबे, एएसआई जगदीश प्रसाद पाण्डेय, एएसआई विक्रम सिंह, एएसआई संतोष स्वामी, आरक्षक अंजनी झा सहित स्वतंत्र साक्षियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रतिभाओं ने सजाया मंच, हस्तियों का सम्मान

कला, प्रतिभा, अभिव्यक्ति और

कटनी (स्वतंत्रमत)। सामाजिक उपलब्धियों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित पहचान 2.0 हर हुनर को दे पहचान का आयोजन सत्कार गार्डन में किया गया। देश के विभिन्न अंचलों से आए कलाकारों ने गीत, संगीत, नृत्य, कविता, शायरी एवं अन्य विधाओं में अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में कटनी सहित विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं मुख्य संचालन पहचान के फाउंटर और होस्ट आकाश जैन द्वारा किया गया। आयोजन में विधायक संदीप जायसवाल, सुभाष चंद सिंघई, करण शर्मा, विनय दीक्षित सहित की उपस्थिति रहीं। इस अवसर पर जैन समाज के प्रमुख व्यक्तित्व अनुराग जैन का विशेष रूप से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने अलग-अलग विधाओं में प्रस्तुतियां दीं। गीत संगीत से लेकर कविता शायरी, नृत्य और कला तक एक के बाद एक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को कार्यक्रम से जोड़े रखा। कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार आकाश जैन, आदि जैन, अमित जैन, सोनू सिंघई, सुलभ जैन, संदीप, प्रांजल जैन, अमन जैन, अंकुर जैन, यशु जैन, सजल जैन एवं शुभम जैन का सहयोग रहा। कार्यक्रम में साहित्य क्षेत्र से कवि मनोहर मनोज, पत्रकारिता के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान देने वाले वरिष्ठ पत्रकार एवं जनकवि सुरेश सोनी, चिकित्सा जगत से डॉ. प्रवीण वैश्य, डॉ. समीर चौधरी, शिक्षा जगत से केडीसी के डायरेक्टर पारस जैन, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित काजल जैन, प्रशासनिक क्षेत्र से तहसीलदार साक्षी शुक्ला एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सौम्या रांधेलिया का सम्मान किया गया। इसी तरह देव उदय महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद प्रेमी, साइकिल यात्रा के माध्यम से देशभर में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता का संदेश पहुंचाने वाले अभिनव तिवारी सहित अनेक प्रेरणादायी व्यक्तित्वों का भी अभिनंदन किया गया।

दिल्ली में पढ़ाई कर रहे कटनी के छात्र की मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस स्थित सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक इमारत हादसे में कटनी जिले का एक होनहार छात्र भी काल के कपाल में समा गया। मृतक छात्र की पहचान कटनी की दुबे कॉलोनी निवासी 19 वर्षीय अक्षत यादव के रूप में हुई है, जो दिल्ली में रहकर दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था। घटना की खबर मिलते ही कटनी स्थित उनके निवास स्थान पर शोक की लहर दौड़ गई और स्वजन रोते-बिलखते तुरंत दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि रविवार को हुए इस हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार को सत्य निकेतन स्थित 40 साल पुरानी इमारत ढहने के दौरान अक्षत भी हादसे की चपेट में आ गया था। मलबे में दबने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। मलबे से निकाले गए शवों की शिनाख्त के दौरान अक्षत की पहचान की पुष्टि हुई। अक्षत यादव की असामयिक मौत की खबर मिलते ही दुबे कॉलोनी स्थित उसके निवास पर लोगों की स्वजन और पड़ोसी जमा हो गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दिल्ली में उच्च शिक्षा प्राप्त कर बेहतर भविष्य के सपने बुन रहे अक्षत की अचानक हुई मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त है। स्वजन शव को गृह नगर कटनी लाने के लिए दिल्ली पहुँच गए हैं।

बड़वारा पुलिस ने 2 नाबालिग बालिकाओं को किया दस्तयाब

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा नाबालिक बालक-बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में आपरेशन मुस्कान अभियान के तहत कार्यवाही की गई। दिनांक 14.06.2026 को फरियादी रिपोर्ट लेख कराया कि इसकी नाबालिक बच्ची जो 17 साल की है कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कहीं अपहरण कर ले गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर थाना बड़वारा में अपराध धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना की गई, दौरान विवेचना अपहृता की दस्तयाबी हेतु गठित टीम एवं तकनीकी साक्ष्यों की मदद से अपहृत बालिका को आज दिनांक 06.09.2026 को दस्तयाब किया जाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया । इसी प्रकार दिनांक 31.08.2026 को फरियादी रिपोर्ट लेख कराया कि इसकी नाबालिक बच्ची जो 17 साल की है कोई अज्ञात व्यक्ति बहला फुसलाकर कहीं अपहरण कर ले गया है । फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध धारा 137(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना की गई, दौरान विवेचना अपहृत बालिका को टीम के अथक मेहनत एवं तकनीकी साक्ष्य के माध्यम से नाबालिक बालिका को आज दिनांक 06.09.2026 को दस्तयाब किया जाकर परिजनों के सुपुर्द किया गया । उपरोक्त दोनो दस्तयाबी कार्यवाही में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, उप निरी विष्णुशंकर जायसवाल, सउनि रामनाथ साकेत, महिला प्रधान आरक्षक पुष्पलता मिश्रा, आरक्षक शिवप्रकाश तिवारी, आरक्षक गौरीशंकर राजपूत एवं सायबर सेल से आरक्षक शुभम गौतम की विशेष भूमिका रही।

दिवंगत पत्रकार आशुतोष शुक्ला के निवास पहुंचे पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक

कटनी (स्वतंत्रमत)। दिवंगत पत्रकार आशुतोष शुक्ला के निधन की खबर से पत्रकारिता जगत सहित शहर में शोक की लहर है। उनके निधन पर पूर्व मंत्री एवं विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने उनके निवास पहुंचकर शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त की। विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने दिवंगत पत्रकार आशुतोष शुक्ला की पत्नी एवं बच्चों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। इस दौरान उन्होंने परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन और दुखद घड़ी में वे परिवार के साथ हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। परिजनों से मुलाकात के दौरान माहौल बेहद भावुक हो गया।

जिला जेल के मुख्य प्रहरी राजभान दुबे की दर्दनाक मौत

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-सिहोरा मार्ग पर निवार चौकी क्षेत्र में पंछी ढाबा के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में कटनी जिला जेल के मुख्य प्रहरी हेड कांस्टेबल राजभान दुबे की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से ही जेल विभाग और पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है। निवार चौकी प्रभारी अंजनी मिश्रा ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। कटनी जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी से मिली जानकारी के अनुसार मुख्य प्रहरी राजभान दुबे अवकाश पर थे। सोमवार सुबह लगभग 10:15 बजे वे अपनी मोटरसाइकिल से सिहोरा से कटनी ड्यूटी पर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पंछी ढाबा के पास उनकी बाइक एक तेज रफ्तार कार से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों और अधिकारियों के अनुसार, टक्कर इतनी तेज थी कि राजभान दुबे बाइक से उछलकर सीधे सड़क के डिवाइडर से जा टकराए। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आने के कारण उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही निवार चौकी पुलिस और जेल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्हें तत्काल शासकीय जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम शव परीक्षण कराया जा रहा है और पुलिस मामले की वैधानिक जांच में जुट गई है।

शीतल देवी वर्ल्ड पैरा सीरीज फाइनल में पहुंचीं

भारत के लिए एक मेडल पक्का किया, सरिता ब्रॉन्ज के लिए खेलेंगी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में चल रही वर्ल्ड पैरा तीरंदाजी सीरीज (स्टेज-3) के तीसरे दिन डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन शीतल देवी ने विमेंस कंपाउंड इंडिविजुअल के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने कंपाउंड इवेंट में भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत के ही सरिता को 145-143 से हराया। अब गोल्ड मेडल के मुकाबले में उनका सामना कजाकिस्तान की ऐजादा सेइदान से होगा। वहीं सरिता के पास ब्रॉन्ज जीतने का मौका है। वे चीन की वांग हुइटिंग के खिलाफ खेलेंगी।

विमेंस कंपाउंड के सेमीफाइनल में शीतल और सरिता आमने-सामने थीं। दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला काफी करीबी रहा। शीतल ने 145-143 के स्कोर से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।शीतल जम्मू की हैं और बिना हाथों के तीरंदाजी करती हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन होने के साथ वे इस मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-1 भी हैं।

मेंस कंपाउंड में टॉमन कुमार सेमीफाइनल हारे

मेंस कंपाउंड में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 टॉमन कुमार को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के टॉप सीड केन स्वागुमिलांग ने 146-144 से हराया। अब टॉमन ब्रॉन्ज मेडल के लिए इराक के अब्बास काधिम से मुकाबला करेंगे। इससे पहले स्वागुमिलांग ने क्वार्टर फाइनल में एक और भारतीय गुरविंदर सिंह को 143-141 से हराकर बाहर किया था।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन 708 पर ऑलआउट

ईशान किशन ने 334 बॉल पर 270 रन बनाए, कुमार कुशाग्र की भी सेंचुरी

चेन्नई। कप्तान इशान किशन (270) और कुमार कुशाग्र (101) रन की शानदार पारियों के दम पर पूर्व क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को पहली पारी में दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ 708 रनों का विशाल स्कोर बनाकर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।आज यहां पूर्व क्षेत्र ने कल के चार विकेट पर 385 रनों से आगे खेलना शुरु किया। पूर्व क्षेत्र का पांचवां विकेट कुमार कुशाग्र के रूप में गिरा। उन्हें त्रिपुराणा विजय ने आउट किया।कुशाग्र ने 132 गेंदों में आठ चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 101 रनों की पारी खेली।इसी दौरान इशान किशन ने अपना दूसरा प्रथम श्रेणी दोहरा शतक पूरा किया।वह चोट लगने के कारण रिटायर हर्ट हो गये थे। अनुकूल रॉय (45), कुनैन कुरैशी (40) और मोहम्मद शमी (28) रन बनाकर आउट हुये।कुरैशी और शमी को श्रेयस गोपाल ने आउट किया। अनुकूल रॉय शेख रशीद का शिकार बने। इशान किशन एक बार फिर से मैदान में उतरे।वह अपने तिहरे शतक की ओर बढ़ रहे थे कि इसी दौरान 163वें ओवर की दूसरी गेंद पर त्रिपुराणा विजय ने उन्हें आउट कर दिया।इशान किशन

ने 334 गेंदों में 30 चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 270 रनों की विशाल पारी खेली।इसी ओवर की आखिरी गेंद पर विजय ने मुकेश कुमार (शून्य) को आउट कर पूर्व क्षेत्र की पारी का 708 रन पर अंत कर दिया। अम्पायरों ने इसी के साथ दूसरे दिन का खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी।दक्षिण क्षेत्र की ओर से त्रिपुराणा विजय ने चार विकेट लिये। चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को दो-दो विकेट मिले। शेख रशीद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

टीम को आउट करने में रहे कामयाब

पहले दिन ईस्ट ज़ोन का दबदबा रहा और दूसरे दिन भी यही कहानी रही। ईशान किशन ने रात के अपने 111 रन से खेलना शुरू किया और उन्हें ज़्यादा परेशानी नहीं हुई, उन्होंने एक और प्रथम श्रेणी डबल सेंचुरी बनाई, फिर उन्होंने गियर बदला और 250 रन तक पहुँचे, इससे पहले कि थकान की वजह से उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। वह मोहम्मद शमी के आउट होने पर अपनी पारी फिर से शुरू करने के लिए वापस आए और दिन के आखिरी ओवर में 270 रन पर 9वें विकेट के तौर पर आउट हुए। कुमार कुशाग्र ने भी सेंचुरी बनाई और उन्होंने 101 रन बनाए, अपने कप्तान के साथ 5वें विकेट के लिए 230 रन जोड़े। निचले क्रम में योगदान ने दक्षिण क्षेत्र को निराश करना जारी रखा - यह साफ़ था कि गेंदबाजों ने हार मान ली और बस डिक्लेरेशन का इंतज़ार कर रहे थे। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन वे विरोधी टीम को आउट करने में कामयाब रहे, हालाँकि इससे पहले विरोधी टीम ने 700 से ज़्यादा का स्कोर बनाया था। त्रिपुराना विजय के चार विकेट, लेकिन सपाट पिच पर, गेंदबाजों के पास कोई आइडिया नहीं था। साउथ ज़ोन के लिए अब इक्वेशन आसान है - बैट, बैट और बैट और अगले तीन दिनों में पूर्व क्षेत्र के 708 को पार करने की कोशिश करें।

पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार की जांच शुरु की

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार से जुड़े मामलों की जांच शुरू कर दी है। मीडिया डायरेक्टर आमिर मीर ने सोशल मीडिया पर कहा, पीसीबी ने अनुशासन और व्यवहार से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के बाद एक आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू की है, जिसकी अभी अंदरूनी तौर पर समीक्षा की जा रही है।पीसीबी ऐसे मामलों को अपनी मानक प्रक्रियाओं के तहत संभालता है। यह प्रक्रिया पीसीबी के नियमों के अनुसार की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संबंधित लोगों की बात पर उचित ध्यान दिया जाए। यह घटनाक्रम पुरुषों की राष्ट्रीय टीम में हुई बड़ी उथल-पुथल के बीच सामने आया है; यह टीम अभी इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए बर्मिंघम में है।लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में 194 रन से हारने के बाद पीसीबी ने टीम से सात खिलाड़ियों को हटा दिया, जिससे इंग्लैंड को सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त मिल गई। साथ ही, सरफराज अहमद और उमर गुल को - जो क्रमश: मुख्य कोच और गेंदबाजी कोच थे - सिर्फ़ छह मैचों के बाद ही उनकी ज़िम्मेदारियों से हटा दिया गया और अंतरिम कमान सफेद गेंदबाजी कोच माइक हेसन और एशले नोफ़के को सौंप दी गई। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी न्यूज़ नेटवर्क जियो से बात करते हुए संभावित जांच का संकेत दिया था।उन्होंने कहा था, हमने इसके [टीम के खराब प्रदर्शन] कारणों का पता लगाने के लिए चर्चा की है। इसमें प्रदर्शन के अलावा अन्य कारक भी शामिल हैं और हम इसकी तह तक जाएंगे। कोचिंग सेटअप में यह बदलाव टूरिंग सिलेक्शन कमेटी - जिसमें सरफराज और कप्तान बाबर आजम शामिल थे - और पीसीबी के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और चार चयनकर्ताओं में से एक आकिब जावेद के बीच बातचीत में आई कमी के बाद हुआ।

खिलाड़ियों को अपनी योजना पर भरोसा बनाये रखना चाहिए : हरमनप्रीत

दुबई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहती हैं कि उनकी टीम लीग स्टेज के आत्मविश्वास को नॉकआउट राउंड में भी बरकरार रखे। उन्होंने ज़ोर दिया कि खिलाड़ियों को फ़िलिहाल सामने मौजूद चुनौती पर ध्यान देना चाहिए और अपनी योजनाओं पर भरोसा बनाए रखना चाहिए। टूर्नामेंट के निर्णायक दौर में पहुँचने पर हरमनप्रीत ने कहा कि भारत बहुत आगे की नहीं सोच सकता और उसे एक बार में एक ही मैच पर ध्यान देना चाहिए। हरमनप्रीत ने सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किये गये एक वीडियो में कहा, अगले दो मैच हमारे लिए बहुत अहम हैं। एक बार में एक मैच अगला मैच बहुत ज़रूरी है। उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में जैसा अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं, उसे जारी रखेंगे।मुझे लगता है कि अब मोमेंटम बहुत जरूरी है। खुद पर भरोसा करना, अपनी योजनाओं पर भरोसा और उसी तरह खेलना जैसे हमने लीग स्टेज के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। इस कैंपेन के दौरान भारत को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों यूनिट्स से अच्छा योगदान मिला है, जिससे कप्तान को सेमीफ़ाइनल में ले जाने के लिए कई सकारात्मक बातें मिली हैं।हरमनप्रीत ने पहले मैच में शैफ़ाली वर्मा की आक्रामक पारी और दूसरे मैच में स्मृति मंधाना की सेंचुरी का खास ज़िक्र किया।

उन्होंने उन मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बॉलर्स की भी तारीफ़ की जब टीम को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। उन्होंने कहा, पहले मैच में शेफाली की बल्लेबाजी, जिस तरह से वह बॉल को हिट कर रही थी, और दूसरे मैच में स्मृति का शतक, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रही थी, वह देखने लायक था।

सिटसिपास को हराकर शेल्टन यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

न्यूयॉर्क। अमेरिका के आठवें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेन शेल्टन ने सीधे सेटों में यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास को हराकर यूएस ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही पुरुषों के एकल चैंपियन के लिए 23 साल के लंबे इंतजार को खत्म करने की अमेरिकी उम्मीदें भी बरकरार हैं। आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार को खेले गये मैच में दूधिया रोशनी के बीच शेल्टन ने शानदार खेल दिखाया और दुनिया के पूर्व नंबर 3 खिलाड़ी यूनान के सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की।23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।उन्होंने अपनी ज़बरदस्त सर्विस और दमदार फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए सिटसिपास पर लगातार दबाव बनाए रखा।शेल्टन ने पहले सेट की शुरुआत में ही सिटसिपास की सर्विस तोड़ी और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का कोई मौका नहीं दिया, साथ ही शानदार अंदाज़ में मैच अपने नाम किया।सिटसिपास, जो शेल्टन की गति और आक्रामक खेल का सामना करने में संघर्ष करते दिखे, कोई ठोस जवाब नहीं ढूंढ पाए, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी लगातार उनकी सर्विस पर हमला करते रहे और बेसलाइन से रैलियों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ शेल्टन अपने दूसरे यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं और अब उनका मुक़ाबला मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ से होगा।अल्काराज़ ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई, जिसका मतलब है कि न्यूयॉर्क में अपने शानदार सफर को जारी रखने की कोशिश में शेल्टन का सामना अब टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक से होगा। शेल्टन की इस सफलता से पुरुषों के ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन के लिए देश के लंबे इंतज़ार को खत्म करने की अमेरिकी उम्मीदें भी मज़बूत हुई हैं।

केविन पीटरसन इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के मेंटर बने

इसी महीने श्रीलंका सीरीज से जुड़ेंगे, वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक साथ रहेंगे

नई दिल्ली।

इंग्लैंड ने पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटर नियुक्त किया है। वे साउथ अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे। पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं।पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- 'मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है।'इंग्लैंड व्हाइट बॉल के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा- 'मेरे मन में च्क्क और क्रिकेट में उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत सम्मान है। इंग्लिश क्रिकेट पर उनका बहुत बड़ा असर रहा है। उनके

अनुभव, ज्ञान और कद का व्यक्ति टीम के साथ काम करना चाहता है, यह शानदार बात है।'पीटरसन ने लगभग 10 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। उन्होंने 104 टेस्ट मैचों में 8181 रन बनाए। वहीं 136 वनडे में 4440 और 37 टी-20 में 1176 रन बनाए। वे एशेज और टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रह चुके हैं। पीटरसन ने 2025 इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर के तौर पर भी काम किया था।

नाल्को ने अंगुल स्मेल्टर के विस्तार के लिए एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमीनियम के साथ किया समझौता

भुवनेश्वर। नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने अपने अंगुल स्मेल्टर के विस्तार के लिए सोमवार को एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमिनियम (ईजीए) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।इस समझौते के तहत अंगुल में नाल्को के प्रस्तावित पांच लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाले स्मेल्टर विस्तार के लिए ईजीए की डीएक्स अल्ट्रा तकनीक का इस्तेमाल किया जायेगा।दोनों कंपनियों को बीच दुबई में इस संबंध में प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किये।ईजीए परियोजना के लिए नाल्को को तकनीकी लाइसेंस, तकनीकी जानकारी, डिजाइन और तकनीकी सहायता उपलब्ध करायेगा।उच्च-एम्पीयर वाली डीएक्स अल्ट्रा तकनीक को स्मेल्टिंग में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पूंजीगत और परिचालन लागत को बेहतर ढंग से अनुकूलित करने के लिए विकसित किया गया है। इस विस्तार से नाल्को की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता में पांच लाख टन प्रति वर्ष से बढ़कर 10 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच जायेगी।

इंडिगो अक्टूबर में गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 27 अक्टूबर से गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है।इंडिगो की प्रेस विज्ञप्ति में सोमवार को कहा गया है कि पूर्वोत्तर से यह पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान होगी।इस नयी उड़ान के साथ एयरलाइंस भारत से थाईलैंड के लिए अपने नेटवर्क को और अधिक विस्तृत कर रही है। ग्राहक एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत ट्रैवल पार्टनर्स के माध्यम

से टिकट बुक करा सकते हैं। इंडिगो वर्तमान में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ानें संचालित करती है।इसके अलावा, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई से फुकेट तथा दिल्ली से क्राबी के लिए भी सीधी उड़ान सेवाएं उपलब्ध हैं।बैंकॉक से पहली उड़ान 27 अक्टूबर को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8.50 बजे रवाना होगी और भारतीय समय के अनुसार सुबह 10.25 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी।वापसी की उड़ान शाम 6.15 बजे बैंकॉक के लिए रवाना होगी।

वहीं, 31 अक्टूबर से इसका परिचालन सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को होगा। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ानों की शुरुआत से छुट्टियां मनाने के लिए या व्यावसायिक कामकाज के लिए यात्रा करने के नये अवसर खुलेंगे।

देश में पहली बार पेट्रोल से ज्यादा बिके वैकल्पिक ईंधन वाले यात्री वाहन

नयी दिल्ली। यात्री वाहनों के खुदरा बाजार में अगस्त में पहली बार एक बड़ा बदलाव इस मायने में देखा गया कि पेट्रोल से अधिक बिक्री वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की रही।वैकप्लिक ईंधन वाले वाहनों में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं।वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने सोमवार को अगस्त महीने की खुदरा वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी किये।उसने बताया कि अगस्त माह में देश में कुल 24,23,201 वाहन बिके जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है।साथ ही यह किसी भी साल अगस्त महीने में बिक्री का नया रिकॉर्ड है।उसने बताया कि यात्री वाहनों की कुल बिक्री 4,02,398 इकाई रही।यह अगस्त 2025 की तुलना में 16.14 प्रतिशत की वृद्धि है।खास बात यह रही कि इसमें वैकल्पिक ईंधनों की हिस्सेदारी बढ़कर 41.95 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि पेट्रोल इंजन वाले वाहनों की हिस्सेदारी 40.85 प्रतिशत पर रही। दुपहिया की बिक्री 17,14,610 इकाई रही।

चीनी, गेहूं नरम, चावल एवं दालों के दाम बढ़े

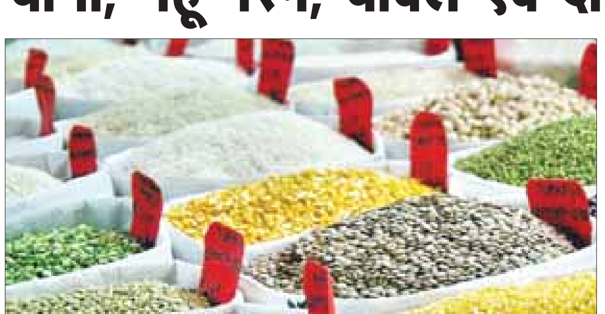

खाद्य तेलों में घट-बढ़ जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चीनी के दाम घट गये।चीनी के साथ गेहूं में भी नरमी रही।चावल और दालों में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 78 रुपये घटकर 5,610 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 27 रुपये की नरमी के साथ 5,984 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 52 पैसे घटकर 61.09 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 36 रुपये बढ़कर 4,157 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 13 रुपये सस्ता हुआ और 2,852 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव भी 16 रुपये उतर गया।दाल-दलहनों में तेजी रही। मसूर दाल की औसत कीमत 83 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल में 38 रुपये और चना दाल में 16 रुपये की तेजी रही। मूंग दाल 14 रुपये और उड़द दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 50 रिंगिट चढ़कर 4,979 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।

स्थानीय बाजार में आज मूंगफली तेल की औसत कीमत 190 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।सरसों तेल 83 रुपये और वनस्पति 44 रुपये महंगा हुआ।सोया तेल की कीमत 27 रुपये और पाम ऑयल की 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

मारुति सुजुकी की कारें 20,000 तक महंगी होंगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का एलान किया है। कंपनी ने बताया कि सितंबर 2026 से अपनी चुनिंदा कार मॉडल्स के दाम 20,000 तक बढ़ाने जा रही है। मारुति ने मई के बाद चार महीनों में तीसरी बार दाम बढ़ाए हैं। कंपनी ने बताया कि गाड़ियों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की लागत और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव की वजह से यह कदम उठाना पड़ा है। हालांकि कंपनी ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किस मॉडल पर कितने रुपए बढ़ाए जा रहे हैं। मारुति ने पिछले महीने ही 2.19 लाख गाड़ियां बेचने का रिकॉर्ड बनाया है।मारुति सुजुकी का कहना है कि गाड़ियों को बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामान (जैसे स्टील, मेटल आदि) के दाम और महंगाई लगातार बढ़ रही है।

कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजारों में बिकवाली

प्रमुख सूचकांक डेढ़ महीने के निचले स्तर पर

मुंबई। कच्चे तेल में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक डेढ़ महीने के निचले स्तर पर बंद हुए।बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स गिरावट में खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। एक समय यह 545 अंक टूटकर 75,971 अंक तक उतर गया था।अंत में पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 382.62 अंक (0.50 प्रतिशत) नीचे 76,132.81 अंक पर रहा।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 23,779.15 अंक पर बंद हुआ।यह दोनों प्रमुख

सूचकांकों का 24 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ने के अंतरराष्टीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही।लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 97.5 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गया। इससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव रहा।वृहत बाजार में भी अधिकतर सूचकांक लाल निशान में रहे।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.42 प्रतिशत टूट गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की तेजी रही।सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर को छोड़कर अन्य सभी समूहों में बिकवाली हावी रही। आईटी सूचकांक 2.28 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 2.86 प्रतिशत टूट गया।रियल्टी और धातु सूचकांकों के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच गिरे।बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी बिकवाली रही।एनएसई में जिन 3,698 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,083 के शेयरों में गिरावट और 1,507 में तेजी रही।अन्य 108 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर लाल निशान में रहे।

इंफोसिस का शेयर 3.81 प्रतिशत टूट गया। टेक महिंद्रा में 1.96 फीसदी, टाटा स्टील में 1.85, बजाज फिनसर्व में 1.57, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.41, टीसीएस में 1.28, ट्रेंट में 1.16, एशियन पेंट्स में 1.13, भारतीय स्टेट बैंक में 1.09, अडानी पोर्ट्स में 1.05, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.95 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 0.93 प्रतिशत की गिरावट रही।

निवेश के लिए मध्यप्रदेश बना देश का नया ग्रोथ हब : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

25 से ज्यादा नई नीतियां लागू, 1.10 करोड़ से अधिक लोगों को एमएसएमई सेक्टर में रोजगार

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश अब निवेश, उद्योग और रोजगार के नए केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। प्रदेश में निवेश की दृष्टि से हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। फूड प्रोसेसिंग यूनिट, टेक्सटाइल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , डेटा सेक्टर, ड्रोन, डिफेंस और साइंस सिटी जैसे उभरते क्षेत्रों में निवेश के लिए राज्य में अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। राज्य सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर क्षेत्र की स्थानीय क्षमता को पहचानकर उसे उद्योग, निवेश और रोजगार के अवसरों में बदलना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में व्यापार को सुगम बनाने की दिशा में जो पहल की है, मध्यप्रदेश में उसे प्रभावी रूप से लागू किया गया है। राज्य सरकार ने कई अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया है और 25 से अधिक नई नीतियां लागू की हैं। इन नीतिगत सुधारों के परिणामस्वरूप प्रदेश में बड़े उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है और निवेशकों के लिए कारोबारी माहौल अधिक अनुकूल हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई यात्रा के पहले दिन मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे।

1.10 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में 1 करोड़ 10 लाख से अधिक लोग रूस्स्ध्र क्षेत्र में कार्यरत हैं। इसके साथ ही राज्य सरकार ने शासकीय सेवाओं में नई भर्तियां भी लागू की हैं। प्रदेश में बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है और निर्यात के क्षेत्र में भी राज्य लगातार अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। वर्ष 2026-27 में मध्यप्रदेश से 76 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात हुआ है।उन्होंने कहा कि सरकार की व्यापार हितैषी नीतियों का उद्देश्य बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ स्थानीय उद्यमों को भी विस्तार के अवसर उपलब्ध कराना है। निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण और आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे उद्योगों की स्थापना और संचालन दोनों को सुगम बनाया जा सके।

एआई, डेटा, ड्रोन और डिफेंस पर विशेष फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश ने एआई, डेटा, ड्रोन और डिफेंस जैसे नए क्षेत्रों को विशेष रूप से प्रमोट किया है। प्रदेश में तीन नए आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जो रीवा, इंदौर और उज्जैन में बन रहे हैं। इनसे तकनीकी उद्योगों, स्टार्टअप और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे।उन्होंने कहा कि प्रदेश में साइंस सिटी भी विकसित की जा रही है। विज्ञान, तकनीक, नवाचार और नई पीढ़ी के कौशल विकास के लिहाज से यह महत्वपूर्ण पहल है।

जमीन, बिजली, पानी और ग्रीन एनर्जी की पर्याप्त उपलब्धता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों की स्थापना के लिए आवश्यक बुनियादी संसाधनों के मामले में मध्यप्रदेश की स्थिति बेहद मजबूत है। प्रदेश के पास पर्याप्त लैंड बैंक और भूमि, सरप्लस बिजली तथा पर्याप्त जल संसाधन उपलब्ध हैं। ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप पंप लोड और अन्य बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता प्रदेश में है।उन्होंने कहा कि उद्योगों के लिए भूमि और संसाधनों के साथ बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और आवागमन की सुविधा भी जरूरी है। मध्यप्रदेश ने इस दिशा में भी अपनी कनेक्टिविटी को मजबूत किया है। यही वजह है कि प्रदेश देशभर के निवेशकों के आकर्षण का केंद्र बना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में दुनिया की सबसे सस्ती बिजली बन रही है। सस्ती बिजली, ग्रीन एनर्जी, पर्याप्त भूमि, पानी और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का संयोजन प्रदेश को निवेश के लिए प्रतिस्पर्धी बनाता है।

6 स्वरूपों में निकली महाकाल की सवारी

7 किलोमीटर तक उमड़ी भक्तों की भीड़, बाबा ओंकार का अभिषेक

उज्जैन।

भादौ के दूसरे सोमवार पर आज उज्जैन में बाबा महाकाल प्रजा का हाल जानने निकले हैं। बाबा भक्तों को 6 स्वरूपों में दर्शन दे रहे हैं। रजत पालकी में श्री चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर मनमहेश, गरुड़ रथ पर शिवतांडव और नंदी रथ पर उमामहेश विराजमान हैं। दो अलग-अलग रथों पर होल्कर स्टेट का मुखारबिंद और सप्तधान मुखारबिंद भी सवारी में शामिल हैं। करीब 7 किलोमीटर लंबे सवारी मार्ग पर बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। गर्मी और उमस से राहत देने के लिए पूरे मार्ग को फॉगिंग मशीन से ठंडा रखा जा रहा है। सवारी में कोयंबटूर से आया ईशा फाउंडेशन का विशेष बैंड और करीब 70 भजन मंडलियां भी शामिल हैं। अलग-अलग धार्मिक स्वरूपों में सजे भक्त भी सवारी के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। उधर, ओंकारेश्वर में भगवान ओंकार की सवारी कोटितीर्थ घाट पहुंची। जहां वैदिक ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के बीच बाबा का पंचामृत से अभिषेक किया गया।

इसके बाद बाबा नौका विहार करते हुए ओंकार पर्वत की परिक्रमा के लिए निकलें। बाबा महाकाल की सवारी शिप्रा नदी के घाट पर पहुंची, जहां पूजा-अर्चना के बाद वापस महाकाल मंदिर के लिए रवाना हो गई है।

सवारी में भक्त सांवरिया सेठ, तिरुपति बालाजी, राधा-कृष्ण सहित अन्य देवी-देवताओं के स्वरूपों में शामिल हुए। युवतियां अलग-अलग वेशभूषा में सवारी का हिस्सा बनीं और भगवान महाकाल के भजनों पर नृत्य करती नजर आईं। सती गेट से रामघाट तक पूरे राजसी सवारी मार्ग को नगर निगम ने भव्य रूप से सजाया।

जबेरा में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

अवैध शराब बिक्री पर रोक की मांग

जबेरा (स्वतंत्र मत)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जबेरा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सोमवार को थाना जबेरा पहुंचकर थाना प्रभारी रविंद्र बागरी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आनंद धाम आश्रम में असामाजिक तत्व द्वारा की गई घटना के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की गई। साथ ही क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने की मांग पुलिस प्रशासन से की गई। जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष पंडित गोविंद तिवारी ने कहा कि सागर जिले के बंडा क्षेत्र में कथित नकली शराब के सेवन से लोगों की मौत और कई लोगों के बीमार होने की घटना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जबेरा क्षेत्र में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाना आवश्यक है।

गायत्री शक्तिपीठ छतरपुर में उपजोन टीकमगढ़ अंतर्गत 6 जिलों की संगठन गोष्ठी संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)।

गायत्री शक्तिपीठ छतरपुर में सोमवार को उपजोन टीकमगढ़ अंतर्गत 6 जिलों की संगठन गोष्ठी संपन्न हुई। स्वागत उद्बोधन के क्रम में उपजोन समन्वयक दिलीप कटारे ने संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सहायक जोनल समन्वयक प्रभाकांत तिवारी ने वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष पर कार्यकर्ताओं की भूमिका एवं अपने दायित्वों का बोध कराया। आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रकट की दिनेश देशमुख प्रांतीय शिक्षण प्रशिक्षण प्रभारी ने संगठन की रीति नीति एवं कार्यकर्ताओं को संगठन में कैसे कार्य करना है उनके रीति नीति क्या हो उनका अनुशासन क्या हो इस पर प्रकाश डाला। इसके बाद उपजोन टीकमगढ़ के 6 जिलों टीकमगढ़, सागर, दमोह, पन्ना, छतरपुर, निवाड़ी से आए हुए संगठन के डेढ़ सौ नैष्ठिक दायित्व धारी परिजनों का सहभोज हुआ उसके बाद त्रैमासिक कार्यों का प्रतिवेदन प्रत्येक जिले के जिला समन्वयक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया अंत में शांतिकुंज प्रतिनिधि सहायक जोन समन्वयक प्रभाकांत तिवारी द्वारा जन्म शताब्दी की आगामी कार्य योजना पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए विदाई संदेश दिया गया। कर्तव्य बोध कराया गया अंत में शक्तिपीठ के मुख्य ट्रस्टी बृजेश त्रिपाठी द्वारा आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन सहायक उपजोन समन्वयक रामकृपाल राय द्वारा किया गया, कार्यक्रम में भोजनालय की व्यवस्था भोले शंकर पाटकर, विनीत असाटी, सोनू ने की इसी कार्यक्रम में प्रवीण राय द्वारा गायत्री शक्तिपीठ की वेबसाइट का निर्माण किया गया था इसका लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम में सभी संरक्षक, ट्रस्टीगण, युवा प्रकोष्ठ कार्यकर्ता, महिला मंडल की सभी बहने, एवं सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं की भागीदारी रही।

टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान

दमोह (स्वतंत्र मत)। टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में एनसीसी इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 11 मप्र बटालियन एनसीसी सागर के कमान अधिकारी कर्नल प्रताप रंजन मोहंती के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित एनसीसी कैडेट्स को क्षय रोग टीबी के लक्षण, बचावए समय पर जांच एवं उपचार के संबंध में जानकारी दी गई। डॉ. केएस ने टीबी के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर करते हुए लोगों से जागरूक रहने तथा समाज को टीबी मुक्त बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार ने टीबी के प्रमुख लक्षणों जैसे लगातार दो सप्ताह तक खांसी, बुखार, रात में पसीना आना, वजन कम होना, भूख कम लगना, कमजोरी और थकान इस प्रमुख लक्षण है। उन्होंने समय पर जांच एवं उपचार कराने तथा टीबी के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि समय पर टीबी की जांच एवं उपचार कराएं।

चूना पत्थर खनन परियोजना के विरोध में किसान संघ

हटा (स्वतंत्र मत)। तहसील क्षेत्र के ग्राम पिपरिया ध्यानदास में प्रस्तावित जेएसडब्ल्यू सीमेंट की चूना पत्थर खनन परियोजना का भारतीय किसान संघ ने विरोध किया है। किसान संघ तहसील इकाई हटा और प्रभावित किसानों, ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और कलेक्टर के नाम एसडीएम हटा को ज्ञापन सौंपकर परियोजना निरस्त करने तथा भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की। किसान संघ के अनुसार पिपरिया ध्यानदास के अलावा कचनारी, मुहरई, तिदनी, टपरिया, बिछुआ, इटवा छक्का, रमतालैया और सुजानतलैया सहित आसपास के ग्रामीण परियोजना का विरोध कर रहे हैं। तहसील अध्यक्ष अनिल पटेल ने कहा कि कई प्रभावित किसानों के पास प्रस्तावित जमीन के अलावा अन्य कृषि भूमि नहीं है। ऐसे में भूमि अधिग्रहण होने पर उनके सामने आजीविका और रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।

200 हेक्टेयर सिंचित भूमि प्रभावित होने का दावा

ज्ञापन में किसान संघ ने दावा किया कि प्रस्तावित परियोजना से पिपरिया ध्यानदास की करीब 200 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि प्रभावित हो सकती है। संघ का कहना है कि कृषि प्रधान क्षेत्र की उपजाऊ जमीन खनन एवं औद्योगिक परियोजना के लिए अधिग्रहित किए जाने से किसानों की खेती और आय प्रभावित होगी।

दमोह से कामाख्या के लिए रवाना हुई स्पेशल ट्रेन, 460 यात्री कर रहे धार्मिक यात्रा

दमोह (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत कामाख्या माता के दर्शन के लिए जिले से स्पेशल ट्रेन रवाना की गई। यात्रा के लिए कुल 479 यात्रियों का पंजीयन हुआ था जिनमें से 460 यात्री कामाख्या धाम की धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए। ट्रेन के रवाना होने के अवसर पर यात्रियों में उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत कामाख्या देवी की तीर्थयात्रा पर जाने वाली विशेष ट्रेन को संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, सांसद दमोह राहुल सिंह लोधी, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया एवं कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने तीर्थयात्रियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए ट्रेन में अनुरक्षक दल, चिकित्सकीय दल सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

रेफर मरीजों को 108 का इंतजार घंटों अस्पताल में बैठे रहे परिजन

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा सिविल अस्पताल में गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद समय पर 108 एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सोमवार को ही तीन अलग-अलग मामलों में मरीजों को रेफर किए जाने के बावजूद एंबुलेंस के लिए इंतजार करना पड़ा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार निजी वाहन की व्यवस्था नहीं कर सके जबकि एक मामले में अस्पताल प्रबंधन को रोगी कल्याण समिति की एंबुलेंस से अपने खर्च पर मरीज को दमोह भेजना पड़ा। सबसे पहले मड़ियादो क्षेत्र के कारीबरा जंगल में भालू के हमले में घायल हुए दंपति को हटा सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों के अनुसार रविवार शाम करीब 7 बजे से वे 108 एंबुलेंस का इंतजार करते रहे लेकिन कई घंटे बाद भी वाहन उपलब्ध नहीं हुआ। घायल दंपति की हालत गंभीर होने के कारण परिजन उन्हें जल्द जिला अस्पताल ले जाने के लिए परेशान होते रहे। मलवारा गांव निवासी 70 वर्षीय सियारानी पति परमा बंसल को परिजन सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे गंभीर हालत में सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। ड्यूटी डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन 108 एंबुलेंस के इंतजार में अस्पताल परिसर में बैठे रहे।

प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम की समयबद्धता शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता की मूल आवश्यकता : मंत्री श्री परमार

भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम में समयबद्धता शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता की मूल आवश्यकता है। समय पर प्रवेश, नियमित अध्ययन-अध्यापन, निर्धारित समय पर परीक्षा एवं परिणाम तथा अकादमिक कैलेंडर का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किए बिना विद्यार्थियों का समग्र एवं न्यायसंगत मूल्यांकन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए इस सत्र से 'सार्थक ऐप' के माध्यम से उनकी उपस्थिति दर्ज की जाएगी। मंत्री श्री परमार ने भोपाल स्थित एलएनसीटी विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 केवल शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, जीवन-मूल्यों और दृष्टिकोण के अनुरूप विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का राष्ट्रीय संकल्प है। इसी भावना के अनुरूप हमारी परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था भी पारदर्शी, समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण, विद्यार्थी-केंद्रित और परिणामोन्मुख होनी चाहिए। मंत्री श्री परमार ने कहा कि परीक्षा केवल विद्यार्थी के ज्ञान को मापने का माध्यम नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, क्षमता, कौशल, चिंतन, सृजनशीलता और संभावनाओं को पहचानने का अवसर बननी चाहिए। भारतीय ज्ञान परंपरा शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखती, बल्कि विद्यार्थी के समग्र व्यक्तित्व विकास पर बल देती है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली एवं एलएनसीटी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यशाला भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा दृष्टि के समन्वय से परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था में सकारात्मक, सार्थक एवं दूरगामी परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

न्यायालय तहसीलदार तहसील अधारताल, जबलपुर

रा.प्र.क 1874/अ-6 / 2026-2027 जबलपुर, दिनांक 18/8/2026

आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती लक्ष्मी बुधौलिया, श्रीमती सरोज पाठक, श्रीमती साधना चौबे, श्रीमती रेखा बिलगैया, श्रीमती रीना शर्मा सभी के पिता स्वर्गीय चंद्रभुज उर्फ चतुर्भुज पाराशर माता श्रीमती कली पाराशर निवास शुक्ला नगर जबलपुर के द्वारा चंद्रभुज उर्फ चतुर्भुज पाराशर 26/09/2005 श्रीमती कली पाराशर की मृत्यु दिनांक 02/01/2018 के पश्चात मौजा रानीपुर खसरा नं 25/31 /4 पु तह. जबलपुर नई तह अधारताल भूमि भूमि ख न 57/1/1भाग में 1750 वर्ग फुट लिंक बैनामा व मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नामांतरण आवेदन पेश किया है तत संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 7/9/26 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है ।
समयावधि व्यतीत हो जाने के पक्ष प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-18/8/2026
पेशी दिनांक-7/9/2026

तहसीलदार
अधारताल, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/123/26-27
दिनांक 7/9/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संत कुमार पिता श्री एल.एस.नायडू ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक म.नं. 29 नर्मदा चैतन्य सागर संपत्ति के पिन क्रमांक 2000408452 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 900 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 800 व.फु. प्रथम तल 700 व.फु. द्वितीय तल 100 व.फु. पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रीता सोनी पति श्री राजेश सोनी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में भवन कमांक MIG II C 89 श्रीमती कृष्णा नामदेव पति श्री विजय कुमार नामदेव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 11.12.2003 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन के आवंटी श्रीमती कृष्णा नामदेव की मृत्यु दिनांक 22.02.2024 को हो गयी है। उनके पुत्र श्री धीरज नामदेव पिता स्व. श्री विजय कुमार नामदेव के द्वारा उक्त संपत्ति आपने नाम करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किये हैं, प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति का लीज हस्तांतरण / नामांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

खाद्य विभाग की टीम ने की ताबड़तोड़ कार्यवाही

रेस्टोरेंट में मिली भारी गंदगी, थमाया नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने सोमवार को सिहोरा में नेशनल हाईवे पर स्थित पंचवटी एवं सांवरिया रेस्टोरेंट ढाबों की आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किचन एवं स्टोर में साफ सफाई नहीं पाए जाने पर दोनों रेस्टोरेंट के संचालक को अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि दोनों प्रतिष्ठानों से पनीर, राहर दाल एवं चावल के चार सैंपल भी परीक्षण हेतु लिए गए हैं। सैंपल राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे है। परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घमापुर थाना क्षेत्र की घटना, जांच में जुटी पुलिस

शराबी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। घमापुर थाने में सरमन रजक उम्र 60 वर्ष निवासी द्वारकानगर घमापुर ने सूचना देकर बताया कि वह खेती का काम करता है। उसका पड़ौसी शरद रजक उम्र 47 वर्ष कुछ दिनों से बीमार था जो शराब पीने का आदि था उसने बीती रात अपने घर में लगी बल्ली में साड़ी बांधकर फांसी लगा ली। शरद की मॉं ने देखते ही आसपास के लोगों को बताया। जिन्होंने शरद को फांसी से नीचे उतारा। लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो गयी है। पुलिस ने सूचना पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

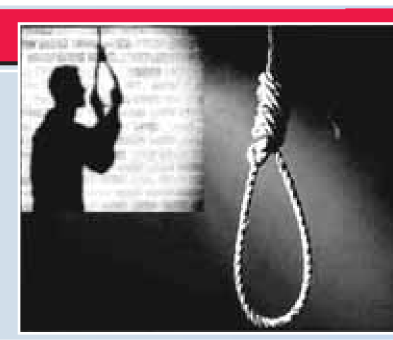

अधारताल की सड़कों पर निकला जनसैलाब बाजार बंद कर निकाला मौन जुलूस

अधारताल स्थित पचमठा मंदिर में चोरी के दौरान भगवान की प्रतिमा खंडित करने का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आधारताल स्थित ऐतिहासिक पचमठा मंदिर में कलचुरी कालीन माता महालक्ष्मी की प्रतिमा खंडित किए जाने की घटना से श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में सोमवार को बड़ी संख्या में बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और युवा सड़क पर उतरे और काली पट्टी धारण कर शांतिपूर्ण मौन जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। जुलूस का नेतृत्व पचमठा मंदिर के पुजारी कपिल महाराज ने किया। श्रद्धालुओं ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रतिमा खंडित करने की घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जुलूस के दौरान लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी धार्मिक भावनाओं और आस्था के सम्मान की आवाज बुलंद की।

ये है पूरा मामला- दरअसल अधारताल स्थित पचमठा मंदिर में विगत शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात नकाबपोशों चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने सबसे पहले मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों को नष्ट किया। इसके बाद मंदिर की दानपेटी में रखी नगदी एवं अन्य सामान लेकर फरार हो गए। चोरी के दौरान चोरों ने मंदिर में स्थापित वर्षो पुरानी माता लक्ष्मी की प्रतिमा को भी खंडित कर दिया।

व्यापारी संघ ने बंद रखा बाजार

घटना के विरोध में आधारताल व्यापारी संघ ने भी अपना समर्थन देते हुए क्षेत्र के प्रतिष्ठान बंद रखे। संघ अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि माता महालक्ष्मी की प्राचीन प्रतिमा से जुड़ी यह घटना बेहद गंभीर और श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करने वाली है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों में भी घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। व्यापारी संघ की ओर से अपराधियों की जानकारी देने अथवा उन्हें पकड़वाने में मदद करने वाले व्यक्ति को 50 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा भी की गई। संघ ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की।

सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल बना विरोध

इस विरोध प्रदर्शन की खास बात यह रही कि मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी घटना की निंदा करते हुए जुलूस को अपना समर्थन दिया। पूर्व पार्षद ताहिर अली के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के लोग भी मौन जुलूस में शामिल हुए और धार्मिक आस्था के प्रतीकों को नुकसान पहुंचाने की घटना का विरोध किया। जुलूस में शामिल लोगों ने कहा कि किसी भी धर्मस्थल अथवा धार्मिक प्रतीक को नुकसान पहुंचाना समाज में अशांति पैदा करने का प्रयास है। ऐसे मामलों में सभी समुदायों को एकजुट होकर शांति और भाईचारे का संदेश देना चाहिए।

दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की कि मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर आरोपियों की पहचान की जाए और उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाए। लोगों का कहना है कि ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व वाली प्रतिमा की सुरक्षा के लिए भी ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए। घटना के विरोध में निकला मौन जुलूस शांतिपूर्ण रहा, लेकिन लोगों के चेहरे पर आक्रोश साफ नजर आया। प्रदर्शन में पार्षद बाबा श्रीवास्तव, पार्षद विमल राय, पार्षद महेश राजपूत, वरिष्ठ समाजसेवी दिनेश ताम्रकार, डॉ. राजेश जायसवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

न्यायपालिका को सरकारी विभाग समझने की भूल न करे सरकारः मप्र हाईकोर्ट

बजट उपलब्ध कराने के मामले में डबल बेंच में हुई सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट ने न्यायिक अधोसंरचना के लिए बजट उपलब्ध कराने के मामले में राज्य सरकार को गंभीरता से विचार करने के निर्देश दिए हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने कहा कि न्यायपालिका को किसी सामान्य सरकारी विभाग की तरह नहीं माना जा सकता। दरअसल यह मामला अनूपपुर न्यायालय भवन के निर्माण से संबंधित जनहित याचिका का है। हाईकोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2009 से न्यायालय किराए के भवन में संचालित है और नए भवन का प्रस्ताव फरवरी 2021 से लंबित है। पिछली सुनवाई में वित्त सचिव और विधि सचिव को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे। सुनवाई में कोर्ट ने भोपाल सहित प्रमुख शहरों में कोर्ट रूम की कमी पर भी चिंता जताई।

स्वीकृत हो चुकी 45.87 करोड़ की राशि

सुनवाई के दौरान बेंच ने कहा कि न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना तभी प्रभावी होगा, जब उनके लिए पर्याप्त कोर्ट रूम उपलब्ध हों। केवल बजट समाप्त होने का हवाला देकर न्यायिक अधोसंरचना की जरूरत को टाला नहीं जा सकता। महाधिवक्ता ने बताया कि प्रस्तावित निर्माण के लिए 45.87 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन वित्तीय कारणों से राशि जारी नहीं हुई। हाईकोर्ट ने इस पर महाधिवक्ता को मुख्यमंत्री से चर्चा कर ठोस समाधान प्रस्तुत करने कहा। अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

हिरन नदी में उतराता मिला अज्ञात युवक शव

कटंगी थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कटंगी थाना क्षेत्र में स्थित हिरन नदी के पुल के पास रविवार को एक अज्ञात पुरुष का शव मिलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने नदी में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकालकर पंचनामा कार्यवाही की और पहचान के प्रयास शुरू किए।

पुलिस के मुताबिक मृतक की उम्र करीब 40 वर्ष, रंग सांवला और चेहरा गोल है। उसने काले रंग की फुल टी-शर्ट और काली पैंट पहन रखी है। टी-शर्ट पर अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में जस्ट फॉर यू लिखा हुआ है। पानी में काफी समय रहने के कारण शव फूल गया है। वहीं मृतक की कलाई पर राखी बंधी मिली है। शव के पास से कोई पहचान पत्र या अन्य ऐसा सामान नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। पुलिस आसपास के थाना क्षेत्रों और निकटवर्ती गांवों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्टों के आधार पर परिजनों से संपर्क कर रही है।

पितृपक्ष के दौरान पमरे से चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

रेल प्रशासन द्वारा श्राद्धपक्ष के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति एवं जबलपुर-गया-जबलपुर के मध्य पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनों की 12 सेवाएं चलाने का निर्णय लिया है। इन स्पेशल ट्रेनों में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। गाड़ी संख्या 01661 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 27 सितंबर, 02 एवं 07 अक्टूबर को दोपहर 15.20 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 14.30 बजे गया पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01662 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 30 सितंबर, 05 एवं 10 अक्टूबर को दोपहर 15.30 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन शाम 16.15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। यह गाड़ी नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन, अनुग्रह नारायण रोड पर रूकेगी।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01701 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 29 सितंबर, 04 एवं 09 अक्टूबर को रात 21.25 बजे जबलपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपहर 14.30 बजे गया पहुँचेगी। गाड़ी संख्या 01702 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 28 सितंबर, 03 एवं 08 अक्टूबर को दोपहर 15.30 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 08.10 बजे जबलपुर पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड पर रूकेगी ।

तकनीकी खराबी से अचानक कैंसिल हुई जबलपुर-इंदौर इंडिगो फ्लाइट

एयरपोर्ट पर यात्रियों ने किया जमकर हंगामा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सोमवार को हैदराबाद से जबलपुर आने के बाद इंदौर जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट अचानक कैंसिल हो गई। फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने के कारण इसे रद्द करना पड़ा। इसकी जानकारी मिलने के बाद यात्रियों ने एयरपोर्ट पर नाराजगी जताई। यात्रियों का कहना था कि उन्हें जरूरी काम से इंदौर जाना था, लेकिन अचानक फ्लाइट कैंसिल होने से उनके काम प्रभावित हो गए। जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट 6श्व7315 सोमवार सुबह हैदराबाद से जबलपुर पहुंची थी। यहां से 45 यात्रियों को लेकर इसे इंदौर रवाना होना था, लेकिन तकनीकी खराबी के चलते उड़ान नहीं भर सकी। यात्रियों के मुताबिक उन्हें अचानक फ्लाइट रद्द होने की जानकारी दी गई। इधर यात्रियों की नाराजगी को देखते हुए एयरलाइन अधिकारियों ने स्थिति संभाली। उन्होंने जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करने का आश्वासन दिया। कई यात्रियों को कनेक्टिंग रूट के जरिए इंदौर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। कुछ यात्रियों ने अपना सफर रीशेड्यूल कराया, जबकि कुछ ने टिकट कैंसिल करा दी। यात्रियों का कहना था कि अचानक फ्लाइट रद्द होने से उनकी यात्रा की पूरी योजना प्रभावित हो गई।

भरभराकर गिरी मकान की दीवार, बाल-बाल बचे दम्पत्ति

सिहोरा (स्वतंत्र मत)

बारिश के बीच सोमवार को सिहोरा के वार्ड नंबर 6 स्थित सीपी आश्रम गली में बड़ा हादसा टल गया। यहां एक कच्चे मकान की सीलन से कमजोर हुई दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। जिस समय दीवार गिरी, मकान में रहने वाले दंपति उसकी दूसरी तरफ कुछ काम कर रहे थे। गनीमत रही कि दीवार उनकी तरफ नहीं गिरी, वरना दोनों इसकी चपेट में आ सकते थे। जानकारी के अनुसार पुरुषोत्तम लाल पिता चेतलाल यादव अपनी पत्नी के साथ कच्चे मकान में रहते हैं। पिछले कुछ दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मकान की दीवार में लगातार सीलन आ रही थी। इसी वजह से दीवार कमजोर हो गई थी। सोमवार को दंपति दीवार के दूसरी तरफ कुछ काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक कमजोर दीवार भरभराकर सामने वाले हिस्से में आ गिरी। तेज आवाज के साथ दीवार गिरने से आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। दंपति को सुरक्षित देखकर लोगों ने राहत की सांस ली। दीवार गिरने के बाद उसका मलबा और मिट्टी गली में फैल गई। इससे कुछ देर के लिए रास्ते से लोगों का निकलना भी मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश के दिनों में कच्चे मकानों की दीवारों में सीलन आने से उनके गिरने का खतरा बढ़ जाता है। सोमवार की घटना में गनीमत रही कि दीवार गिरने के समय दंपति उसकी चपेट में नहीं आए।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में देशभर में तीसरे पायदान पर आया जबलपुर

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित हुए महापौर और निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी जबलपुर ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देशभर में तीसरा स्थान हासिल किया है।भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय द्वारा दिल्ली में आयोजित समारोह के दौरान स्पेशल गेस्ट जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव से प्राप्त सम्मान पुरस्कार के दौरान महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर की यह ऐतिहासिक सफलता केवल एक रैंकिंग नहीं, बल्कि स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम है। शहर ने यह साबित कर दिया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सामुदायिक भागीदारी से वायु गुणवत्ता में बड़ा सुधार लाया जा सकता है। जबलपुर का यह मॉडल आज देश के अन्य शहरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन चुका है।

उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक कीर्तिमान के लिए शहर के देवतुल्य नागरिकों के साथ सफाई मित्रों, निगम कर्मियों जिसमें लोककर्म, उद्यान, वर्कशाप स्वास्थ्य और अन्य विभागों के भी सराहनीय साझेदारी रही जिसके परिणाम स्वरूप स्वच्छ आबोहवा के अंकों में अपने जबलपुर का एक्यूआई लेवल लखनाऊ, भोपाल और इन्दौर से उत्तम रहा। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि देश में सबसे उत्तम और बेहतर जबलपुर का एक्यूआई लेवल 77 दर्ज हुआ। उन्होंने बताया कि शहर में वायु प्रदूषण का एक बड़ा कारण उड़ने वाली धूल होती है। इससे निपटने के लिए नगर निगम ने सड़कों की आधुनिक मशीनों (मैकेनिकल स्वीपिंग) से नियमित सफाई शुरू की। इसके साथ ही पानी के छिड़काव और सड़कों के किनारे धूल नियंत्रण के प्रभावी उपायों ने शहर की हवा को साफ और सांस लेने योग्य बनाने में अहम भूमिका निभाई। पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए शहर के हर कोने में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाए गए। पार्कों, डिवाइडरों और खुले क्षेत्रों में नए पौधे लगाकर ग्रीन कवर का विस्तार किया गया। पेड़ों की इस बढ़ती संख्या ने न केवल शहर की सुंदरता बढ़ाई, बल्कि प्राकृतिक रूप से वायु को शुद्ध करने में भी मदद की। वायु गुणवत्ता सुधारने के लिए खुले में कचरा या सूखी पत्तियां जलाने की प्रथा पर सख्त रोक लगाई गई। इसके स्थान पर वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन को अपनाया गया। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन और जैविक कचरे के सही निपटान से जहरीले धुएं से मुक्ति मिली और शहर का वातावरण स्वच्छ बना।

इलेक्ट्रिक वाहनों को दिया गया बढ़ावा

शहरी परिवहन से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों और ई-रिक्शा के संचालन को तेजी से बढ़ावा दिया गया। सार्वजनिक परिवहन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के प्रयासों से कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी आई, जिससे जबलपुर की वायु गुणवत्ता सूचकांक में अप्रत्याशित सुधार देखने को मिला। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया है जिन्होंने संस्कारधानी को स्वच्छ, हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाने का संकल्प में साझेदारी की है। आइए, इस गौरव को बनाए रखने और जबलपुर को और आगे ले जाने के लिए एक नया संकल्प लेते हैं। सम्मान समारोह के दौरान नगर निगम के अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, उपायुक्त संभव अयाची, कार्यपालन यंत्री जी.एस. मरावी, निज सहायक आनंद सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

स्कूल में वर्चस्व के लिए जूनियर छात्रों को नग्न कर पीटा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निजी स्कूल के सीनियर छात्रों ने दो जूनियर छात्रों को बातचीत के बहाने बुलाकर बेल्ट और लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। पीड़ित छात्र हाथ जोड़कर माफी मांगते रहे, लेकिन सीनियर छात्रों ने उनकी एक न सुनी। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि सीनियर छात्रों दबाव बना रहे थे। जब जूनियर छात्रों ने बात नहीं मानी तो उन्हें पहाड़ी पर बुलाया। वहां, उन्होंने मिलकर दोनों छात्रों को नंगा करके बेल्ट से पीटा और बाल पकड़कर घसीटा। पुलिस अब इस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर रही है। बताया जा रहा है कि पीड़ित दसवीं क्लास के हैं, जबकि मारपीट करने वाले 12वीं क्लास में पढ़ते हैं। इस मामले में घमापुर थाना प्रभारी प्रवीण कुमरे ने बताया कि मारपीट का वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया है और आरोपियों का पता लगाया जा रहा है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**